



**Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad**

EDII organizes 16th Biennial

Conference on

Entrepreneurship



**Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad**

Press Release

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

Ahmedabad, February 26, 2025: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship since 1994.

During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice, Entrepreneurship Education, Entrepreneurship Ecosystem, Psychology and Entrepreneurship, MSME Entrepreneurship, Technology and Digital Entrepreneurship, Startup and Innovation, Green and Sustainable Entrepreneurship, Social Entrepreneurship, Culture, Tradition and Value-based Entrepreneurship, Women Entrepreneurship, Rural Entrepreneurship and Nascent Entrepreneurship and New venture Creation & Family Business, were presented.

The conference was inaugurated by Chief Guest, **Prof (Dr.) T.V. Rao, Founder and Chairman, T. V. Rao Learning Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad & Former Professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad**. He stated, "In today's fast-paced economy, entrepreneurship development is crucial to driving economic growth and professional advancement. I believe entrepreneurship is a mission, a powerful force where individuals leverage technology and innovation to solve real-world problems, creating a better future for all. Given the significance of the domain, it is important to undertake regular research and policy advocacy to impact entrepreneurship promotion. This is a unique platform. I am sure the conference revelations will lead to noticeable influence on entrepreneurship."

Addressing the gathering, **Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII** said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship. By bringing together leading researchers and educators, this forum facilitates dissemination of research revelations, fostering new perspectives and shaping the future of entrepreneurial practice, thus empowering aspiring entrepreneurs with the knowledge they need to succeed."

As a part of the conference, a **Vice Chancellors'/Directors' Conclave** was also held to discuss the Innovations in Entrepreneurship Education. Universities from across the country were represented, moderated by Prof. (Dr.) Harivansh Chaturvedi, Director General, IILM Delhi, New Delhi. The panelists included Prof. (Dr.) Deepak Kumar Srivastava, Director, Indian Institute of Management Ranchi; Prof. (Dr.) Rajat Moona, Director, Indian Institute of Technology Gandhinagar; Prof. (Dr.) Rajul K. Gajjar, Vice-Chancellor, Gujarat Technological

University, Ahmedabad; Prof. (Dr.) Ravi P Singh, Provost, Adani University, Ahmedabad; and Prof. (Dr.) Sameer Sood, Director, National Institute of Fashion Technology, Gandhinagar.

Another important event of the conference was the **Doctoral Colloquium** where the PhD. scholars and FPM students from across the country, were mentored and guided on their research work.

At the conferences, following two publications were released:

- The 33rd volume of the Journal of Entrepreneurship (& 3rd Special Issue), focusing on 'Entrepreneurship and Society' was released on this occasion. This issue had been edited by Prof. (Dr.) Suresh Bhagavatula, Professor of Entrepreneurship at Indian Institute of Management, Bengaluru.
- Conference abstract booklet

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद, 26 फरवरी, 2025: भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, "आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि उद्यमिता एक मिशन है, एक शक्तिशाली बल जहां व्यक्ति वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नियमित अनुसंधान और नीति विकास करना महत्वपूर्ण है। यह एक अनूठा मंच है। मुझे विश्वास है कि सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले मुद्दे उद्यमिता के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।"

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, "द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अग्रणी शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ लाकर, यह मंच शोध निष्कर्ष के प्रसार को सुगम बनाता है, नए दृष्टिकोणों को बढ़ावा देता है और उद्यमशीलता के भविष्य को आकार देता है, इस प्रकार इच्छुक उद्यमियों को सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाता है।"

सम्मेलन के भाग के रूप, उद्यमिता शिक्षा में नवाचारों पर चर्चा करने के लिए वाइस चांसलर्स / डायरेक्टर्स कॉन्क्लेव भी आयोजित किया गया। देश भर के विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व किया गया, जिसका संचालन प्रोफेसर (डॉ.) हरिवंश चतुर्वेदी, डायरेक्टर जनरल, आईआईएलएम दिल्ली, नई दिल्ली ने किया। पैनलिस्ट में प्रोफेसर (डॉ.) दीपक कुमार श्रीवास्तव, डायरेक्ट, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची; प्रोफेसर (डॉ.) रजत मूना, डायरेक्टर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर; प्रोफेसर (डॉ.) राजुल के. गजर, वाइस चांसलर, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद; प्रोफेसर (डॉ.) रवि पी सिंह, प्रोवोस्ट, अडानी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद; और प्रोफेसर (डॉ.) समीर सूद, डायरेक्टर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर शामिल थे।

सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण आयोजन डॉक्टोरल कॉलोक्वियम था, जहाँ देश भर के पीएचडी विद्वानों और एफपीएम छात्रों को उनके शोध कार्य पर मार्गदर्शन दिया गया।

सम्मेलन में दो प्रकाशन रिलीज किए गए:

- जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप का 33वीं वोल्युम (एवं तीसरा स्पेशियल ईश्यु), जो 'उद्यमिता और समाज' पर केंद्रित है, इस अवसर पर रिलीज किया गया। इस ईश्यु को एडिट प्रोफेसर (डॉ.) सुरेश भगवतुला, उद्यमिता के प्रोफेसर भारतीय प्रबंधन संस्थान में, बेंगलुरु ने किया था।
- कॉन्फ्रेंस एब्स्ट्रैक्ट बुकलेट

ઇડीआઈआઈ द्वारा उद्योगसाहसिकता पर 16मी द्विवार्षिक संमेलननु आयोजन

अमदावाद, 26 फ़ेब्रुआरी, 2025: एन्टरप्रिन्योरशिप डेवलपमेन्ट इन्स्टिट्यूट ओफ इन्डिया (ઇडीआઈआઈ), अमदावादनी 16मी द्विवार्षिक संमेलन (3-दिवसीय) 26 फ़ेब्रुआरी ऐ संस्थाना परिसरमां शરु थई। 'उद्योगसाहसिकता' पर आधारित त्रण दिवसीय संमेलन 28 फ़ेब्रुआरी ऐ समाप्त थशे। आ संमेलन संशोधको, शिक्षणविदो अने अभ्यासकर्ता माटे एक मंच छे जेथी उद्योगसाहसिकता विकासना विविध क्षेत्रोमां तेमना संशोधन अभ्यासो अने तारणो शेयर करी शके छे। इडीआઈआઈ 1994थी उद्योगसाहसि कता पर द्विवार्षिक संमेलननु आयोजन करी रह्युं छे।

संमेलन दरभियान, 9 थी वधु देशोना विद्वानो द्वारा उद्योगसाहसिकता सिखांत अने व्यवहार; उद्योगसाहसिता शिक्षण; उद्योगसाहसिकता इकोसिस्टम; मनोविज्ञान अने उद्योगसाहसिकता; एमएसएमई उद्योगसाहसिकता; टेक्नोलोजु अने डिजिटल उद्योगसाहसिकता; स्टार्टअप अने इनोवेशन; हरित अने सतत उद्योगसाहसिकता; सामाजिक उद्योगसाहसिकता; संस्कृति, परंपरा अने मूल्य आधारित उद्योगसाहसिकता; महिला उद्योगसाहसिकता; ग्रामीण उद्योगसाहसिकता अने नवजात उद्योगसाहसिकता अने नवा साहस सर्जन अने कौटुंबिक व्यवसाय जेवा विधयो पर 148 संशोधन पत्रो अने अभ्यासो 2जू करवामां आव्या।

संमेलननु उषाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर अने चेयरमेन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अमदावाद अने भारतीय प्रबंधन संस्थान, अमदावादना भूतपूर्व प्रोफेसर द्वारा करवामां आव्युं। तेमणे जणाव्युं हतुं के, "आजना गतिशील अर्थतंत्रमां, आणिक वृद्धि अने व्यावसायिक प्रगतिने आगाम वधारवा माटे उद्योगसाहसिकतानो विकास निर्णायक छे। हुं मानुं छुं के उद्योगसाहसिकता एक मिशन छे, एक शक्तिशाली बળ छे ज्यां व्यक्तिओ वास्तविक दुनियानी समस्याओ उकेलवा माटे टेक्नोलोजु अने नवीनतानो लाभ उठावीने बधा माटे वधु सारा भविष्यनु निर्माण करे छे। आ क्षेत्रना महत्वने जोतां, उद्योगसाहसिकताने प्रोत्साहन आपवा माटे नियमित संशोधन अने नीति हिमायत हाथ धरवी महत्वपूर्ण छे। आ एक अनन्य मंच छे अने मने खातरी छे के परिषदना तारणो उद्योगसाहसिकता पर नोंधपात्र प्रभाव पाडशे।"

संमेलनने संबोधता, डॉ. सुनिल शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, इडीआઈआઈऐ जणाव्युं हतुं के, "द्विवार्षि क परिषद

સતત વિશ્વભરના સંશોધકો અને શિક્ષકો માટે એક મંચ પૂરું પાડે છે, જેથી તેઓ તેમના વિચારો અને નવીનતાઓ શેર કરી શકે જે ઉદ્યોગસાહસિકતાની જટિલતાઓને સમજવા માટે મહત્વપૂર્ણ ઈં છે. અગ્રણી સંશોધકો અને શિક્ષકોને એક સાથે લાવીને, આ મંચ સંશોધન તારણોના પ્રસારને સરળ બનાવે છે, નવા ક્રાંતિકોને પ્રોત્સાહન આપે છે અને ઉદ્યોગસાહસિકના ભવિષ્યને આકાર આપે છે, આમ મહત્વાકાંક્ષી ઉદ્યોગસાહસિકોને સફળ થવા માટે જરૂરી જ્ઞાન સાથે સશક્ત બનાવે છે.”

પરિષદના ભાગરૂપે, ઉદ્યોગસાહસિકતા શિક્ષણમાં નવીનતાઓ પર ચર્ચા કરવા માટે વાઇસ ચાન્સલર્સ /ડાયરેક્ટર્સ કોન્કલેવનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું. દેશભરની યુનિવર્સિટીઓનું પ્રતિનિધિત્વ કરવામાં આવ્યું હતું, જેનું સંચાલન પ્રોફેસર (ડૉ.) હરિવંશ ચતુર્વેદી, ડાયરેક્ટર જનરલ, આઈઆઈએલએમ દિલ્હી, નવી દિલ્હી દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું. પેનલિસ્ટમાં પ્રોફેસર (ડૉ.) દીપક કુમાર શ્રીવાસ્તવ, ડાયરેક્ટર, ભારતીય પ્રબંધન સંસ્થાન રાંચી; પ્રોફેસર (ડૉ.) રજત મૂના, ડાયરેક્ટર, ભારતીય પ્રોફોગિકી સંસ્થાન ગાંધીનગર; પ્રોફેસર (ડૉ.) રાજુલ કે. ગજ્જર, વાઇસ ચાન્સલર, ગુજરાત ટેકનોલોજીકલ યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ; પ્રોફેસર (ડૉ.) રવિ પી સિંહ, પ્રોવોસ્ટ, અદાણી યુનિવર્સિટી, અમદાવાદ; અને પ્રોફેસર (ડૉ.) સમીર સ્થૂદ, ડાયરેક્ટર, નેશનલ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ફેશન ટેકનોલોજી, ગાંધીનગર શામિલ થયા હતા.

પરિષદનું બીજું એક મહત્વપૂર્ણ ઈં આયોજન ડોક્ટોરલ કોલોકવીયમ હતું, જ્યાં દેશભરના પીએચડી વિદ્ધાનો અને એકપીએમ વિદ્યાર્થીઓને તેમના સંશોધન કાર્ય પર માર્ગદર્શન આપવામાં આવ્યું હતું.

પરિષદમાં બે પ્રકાશનો રિલીઝ કરવામાં આવ્યા :

- જર્નલ ઓફ એન્ટરપ્રિન્ઝારશિપનું 33મું વોલ્યુમ (અને ત્રીજો સ્પેશિયલ ઈશ્ય), જે 'ઉદ્યોગસાહસિકતા અને સમાજ' પર કેન્દ્રિત છે, આ સંમેલનમાં રિલીઝ કરવામાં આવ્યું. આ ઈશ્યનું સંપાદન પ્રોફેસર (ડૉ.) સુરેશ ભગવતુલા, ભારતીય પ્રબંધન સંસ્થાનમાં ઉદ્યોગસાહસિકતાના પ્રોફેસર, બેંગલૂર દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું.
- કોન્ફરન્સ એબ્સ્ટ્રેક્ટ બુકલેટ



**Entrepreneurship
Development
Institute of India,
Ahmedabad**

Media Coverage

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Times of India
Ahmedabad
02/03/2025
02

Entrepreneurship meet concludes

The Entrepreneurship Development Institute of India concluded its three-day biennial conference on entrepreneurship, where researchers from India and abroad participated. It was the 16th edition of the event and themes included the entrepreneurship ecosystem, education, and impact of technology. TNN

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Rajasthan Patrika
Ahmedabad
27/02/2025
02

राजस्थान पत्रिका

Date : 27.02.2025 Page : 02

आर्थिक विकास के लिए उद्यमिता का विकास महत्वपूर्ण : डॉ. राव

-इंडीआईआई में
उच्चमिता पर 16 वाँ
त्रिष्णार्थिक सम्पेलन



वर्षावाले वर्ष की विविधता नामी उपर्युक्त वर्षों के दूसरे वर्ष की तुलना में अधिक विविधता के बजाए भी अनेकों वर्षों (अ.) में वर्ष के जल विवरण और विविधता अनेकों वर्षों में, अनेकों विवरण और विविधता उपर्युक्त के लिए अद्वितीय का विवरण मान्यता है।

उत्तम की वापर देने के लिए
विविध तरहों से भी जीवी की
वर्गता बहुत भी अवृद्धि है।
ये तुलना की वापर विविध
विकास विकास (विविधता),
अवृद्धि विकास (विविधता)
विकास के उद्देश्य विकास की
प्रमुख अवृद्धि वापर के विकास का

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Sandesh
Ahmedabad
27/02/2025
01

Date : 27.02.2025 Page : 01

**‘ઉદ્યોગ સાહિસેકતા’ પર ૮ દેશોમાંથી આવેલા
વિદ્ધાનોએ ૧૪૮ સંશોધનપત્ર રજૂ કર્યા**

EDII ખાતે 'ઉદ્યોગ સાહસિકતા' વિષય પર ત્રિદિવસીય સંમેલનનો પ્રારંભ થયો



किंतु यहाँ नामांकित-संवादों के बीच सम्पर्क अंडरवर्टिका (Underwater) अन्यथा भारत 'प्राचीन मानविकी' विषय पर विविधताएँ स्मृति-संस्कारों पर अपने ज्ञानों आगे ले रहे। ये नामांकितों द्वारा अपनाएँ उपेक्षणीय सामग्रिका विकास किया गया है। ये नामांकितों द्वारा उपेक्षणीय सामग्रिका विकास किया गया है। ये नामांकितों द्वारा उपेक्षणीय सामग्रिका विकास किया गया है। ये नामांकितों द्वारा उपेक्षणीय सामग्रिका विकास किया गया है। ये नामांकितों द्वारा उपेक्षणीय सामग्रिका विकास किया गया है।

અમેરિકાનું દ્વિતીયાંત્રણ મુજબ આત્મની પાઠકાર (પ્ર.) કીયી રહી રહ્યી હતી. એવી પ્રતીકૃતિ અને પ્રેરણાં, વી. વી. રાહ વાર્ગિન વિશ્વાસ પાર્ટીની વિરોધી, અમારાણાં એની પાર્ટીની પ્રભુત્વ અનુસાર, અમારાણાં મુજબથી પ્રાપ્ત પ્રાપ્તિની તરફ એવી અનુભૂતિ હતી, કે 'અનુભૂતિ વિરોધી અનુભૂતિ' અને 'અનુભૂતિ અનુભૂતિ' એવી જીવાની અનુભૂતિ વિશ્વાસ માટે ઉદ્ઘેણ સાધનાની વિદ્યા નિર્માણ થઈ.

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Divya Bhaskar
Ahmedabad
27/02/2025
02

City ભાડક

Date : 27.02.2025 Page : 02

‘ઉદ્યોગસાહસિકતા શક્તિશાળી બળ છે જે, સારા ભવિષ્યનું નિર્માણ કરે છે’

EDIIમાં યોજાયેલ 16મા સંમેલનમાં પ્રો.ડૉ.ટી.વી રાવે કહ્યું

અમદાવાદ: આંતરિકન્યોરશિપ ટેવલપમેન્ટ ઇસ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા દ્વારા 16મો દ્વિવાર્ષિક સંમેલન યોજાયો. ઉદ્યોગસાહસિકતા પર આપ્યારિત 3 દ્વિવાર્ષીય આ સંમેલનમાં સંશોધકો, શિક્ષણવિદો અને અભ્યાસકર્તાઓ જોડાયા છે. આ સંમેલનના ઉદ્ઘાટન સમારોહમાં મુખ્ય અતિથિ તરીકે લર્નિંગ સિસ્ટમ્સ પ્રા. લિ.ના. ફાઉન્ડર-એરમેન પ્રો.(ડૉ.) ટી.વી. રાવ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. જેમણે જણાવ્યું હતું કે, ‘આજના ગતિશીલ અર્થતંત્રમાં, આર્થિક વૃદ્ધિ અને વ્યાવસાયિક પ્રગતિને આગળ વચ્ચારવા માટે ઉદ્યોગસાહસિકતાનો વિકાસ નિર્ણાયક છે.

હું માનું હું કે, ઉદ્યોગસાહસિકતા એક નિશન અને એક શક્તિશાળી બળ છે જ્યાં વ્યક્તિઓ વાસ્તવિક દુનિયાની સમસ્યાઓ ઉકેલવા માટે ટેકનોલોજી અને નવીનતાનો લાભ ઉઠાવીને બધા માટે વધુ સારા ભવિષ્યનું નિર્માણ કરે છે. આ

કેતેના મહત્વને જોતાં ઉદ્યોગસાહસિકતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે નિયમિત સંશોધન અને નીતિ માહત્વપૂર્ણ છે.’

આ સંમેલનન સંખોધતા EDIIના ડાયરેક્ટર જનરલ ડૉ. સુનિલ શુક્લાને જણાવ્યું કે, ‘દ્વિવાર્ષિક પરિષદ દ્વારા સતત વિશ્વભરના સંશોધકો અને શિક્ષકો માટે એક મંચ પૂરુ પાપવામાં આવે છે. સંમેલન થકી તેઓ તમના વિચારો અને નવીનતાઓ શેર કરે છે ઉદ્યોગસાહસિકતાની જાટિલતાઓને સમજાવ માટે માહત્વપૂર્ણ ભાગ ભજ્યે છે.

અગ્રણી સંશોધકો અને શિક્ષકોને એક સાથે લાવીને આ મંચ સંશોધન તારણોના પ્રસારને સરળ બનાવે છે સાથે નવા ડાયરીકોડોને પ્રોત્સાહન પણ આપે છે અને ઉદ્યોગસાહસિકતા ભવિષ્યને આકાર આપે છે.’ આ સંમેલનમાં ઉદ્યોગસાહસિકતા અને સમજ પર કેન્દ્રિત જર્નલ ઓફ આંતરિકન્યોરશિપનું ઉત્તમ વોલ્યુમ રિલીઝ કરવામાં આવ્યું હતું.’

PUBLICATION NAME :
EDITION :

Prabhat
Ahmedabad

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન

એન્ટરપ્રિન્ઝોરશિપ ટેલલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઈન્જિનિયા (ઈડીઆઈઆઈ), અમદાવાદની ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (ઉદ્યોગસાહસિકતા) પર ૨૬ ફેબ્રુઆરીને સંસ્થાના પરિસરમાં, શરૂ થઈ. 'ઉદ્યોગસાહસિકતા' પર આધારિત નાણા દિવસીય સંમેલન ૨૮ ફેબ્રુઆરીને સમાપ્ત થશે. આ સંમેલન સંશોધકો, શિક્ષણ વિદો અને અભ્યાસકર્તા માટે એક મંચ છે જેથી ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસના વિવિધ ક્ષેત્રોમાં તેમના સંશોધન અભ્યાસો અને તારણોશે ખરકરી રાખેલા છે. ઈડીઆઈઆઈ ૧૯૮૮થી ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે. સંમેલન દરમિયાન, ૮ થી ૧૫ વધુ દેશોના વિદ્ધાનોદ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા સિદ્ધાંત અને વ્યવહાર; ઉદ્યોગસાહસિકતા શિક્ષણ; ઉદ્યોગસાહસિકતા ઈકોસિસ્ટમ; ગ્રામીણ ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવજીવન ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવા સાહસ સર્જન અને કોન્ટ્રુબિક વ્યવસાય જેવા વિષયો પર ૧૪૮ સંશોધન પત્રો અને અભ્યાસો રજૂ કરવામાં આવ્યા.

સંમેલનનું ઉદ્ઘાટન મુખ્ય અનુભિ, પ્રોફેસર (ડૉ.) ટી. વી. રાવ, ફાઉન્ડર અને ચેયરમેન, ટી. વી. રાવ લર્નિંગ સિસ્ટમ્સ પ્રાઇવેટ લિમિટેડ, અમદાવાદ, અને ભારતીય પ્રબંધન સંસ્થાન, અમદાવાદના ભૂતપૂર્વ પ્રોફેસર દ્વારા કરવામાં આવ્યું. તેમણે જ્ઞાનાંથી હતુંકે, "આજના ગતિશીલ અર્થતંત્રમાં, આર્થિક વૃદ્ધિ અને વ્યાવસાયિક પ્રગતિને આગળ વધારવા માટે ઉદ્યોગસાહસિકતાનો વિકાસ નિષ્ઠાયક છે. હું માનું છુંકે ઉદ્યોગસાહસિકતા એક મિશન છે, એક શક્તિશાળી બળ છે જ્યાં વ્યક્તિઓ વાસ્તવિક દુનિયાની સમસ્યાઓ ઉકેલવા માટે ટેકનોલોજી અને નવીનતાનો લાભ ઉઠાવી ને બધા માટે વધુ સારા ભવિષ્યનું નિર્માણ કરેલું. આ કેતેના મહત્વને જોતાં, ઉદ્યોગસાહસિકતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે નિયમિત સંશોધન અને નીતિહિમાયત દ્વારા મહત્વપૂર્ણ છે. આ એક અનન્ય મંચ છે અને મને ખાતરી છે કે પરિષદ્ધના તારણો ઉદ્યોગસાહસિકતા પર નોંધપાત્ર પ્રભાવ પાડશે."

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

**Jai Hind
Gandhinagar
27/02/2025
08**

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા પર
૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન



સમાજ થણે. આ સંમેલન સંશોધકો, શિક્ષણવિદો અને અભ્યાસકર્તા માટે એક મંચ છે જેથી ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસના વિવિધ કૈત્રોમાં તેમના સંશોધન અભ્યાસો અને તારણો રોપર કરી શકે છે. હિરીઆઈઆઈ ૧૯૬૪થી ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે. સંમેલન દરમિયાન, દર્થા વખું દેશોના વિદ્યાર્થીઓની દર્દાની ગંભીર ઉદ્યોગસાહસિકતા ; એ મ એ સ એ મ ઈ ઉદ્યોગસાહસિકતા; ટેકનોલોજી અને ડિજિટલ ઉદ્યોગસાહસિકતા; સ્ટાર્ટઅપ અને ઈનોવેશન; હારિત અને સતત ઉદ્યોગસાહસિકતા; સામાજિક ઉદ્યોગસાહસિકતા; સંસ્કૃતિ, પરંપરા અને મૂલ્ય આધારિત ઉદ્યોગસાહસિકતા; મહિલા ઉદ્યોગસાહસિકતા; ગામીલ ઉદ્યોગમાનભિન્નતા અને , અમદાવાદના ભૂતપૂર્વ પ્રોફેસર દ્વારા કરવામાં આવ્યું. તેમણે જ્ઞાનાંનું હતુંકે, આ કેન્દ્રના મહત્વને જોતાં, ઉદ્યોગસાહસિકતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે નિયમિત સંશોધન અને નીતિ હિમાયત છાય પરવી મહત્વપૂર્ણ છે. આ એક અનન્ય મંચ છે અને મને ખાતરી છે કે પરિષદ્ધના તારણો ઉદ્યોગ સાહસિકતા પર નોંધપાત્ર પ્રભાવ યાઓ.”

સમેલન દરમિયાન, દર્થી વધુ મહિલા ઉદ્ઘોગસાહસિકતા; સાહસિકતા પર નોંધપાત્ર પ્રભાવ હેશે ના. વિદાનાં દારુ ગામીલ ઉદ્ઘોગસાહસિકતા અસે યાઓ.”

**PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :**

Dainik Nai Dunia
Bhopal
27/02/2025

ईडीआईआई द्वारा उद्घमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन शुरू

भोपाल। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्घमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा।

यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, विज्ञानियों और अन्यायकर्ता के लिए एक मंच है जोकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न शोरों में अपने शोध अध्ययन और निष्कार्य साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्यालों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता, एमएसएमई उद्यमिता, ग्रीष्मोगिकी



और डिजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हस्तित और स्थानीय उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता एवं नक्काश उद्यमिता और नए उद्यम नियां और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध

पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का नदार्टन मुख्य अंतिम, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राज, फाउन्डर और चेयरमैन, टी. वी. राज लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर हुए किया गया।

ईंडीआईआई ने उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित किया

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईंडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार;

उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.बी. राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टी. बी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Loksatya

New Delhi

27/02/2025

09

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली, लोकसत्य। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का तीन दिवसीय 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमैन, टी. वी. राव लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Devpath
Dehradun
26/02/2025
02

ईंडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित



देहरादून (निःस०)

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवार्षीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। भृत्यमिता% पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अन्यसकारों के लिए एक मौका है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईंडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दो दिन, 9 से अधिक देशों के विद्युतों द्वारा उद्यमिता विद्यार्थी और अध्ययन उद्यमिता विद्यार्थियों तों; मलेंटिल और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रैद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हारित और रक्षणीय उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नक्काश उद्यमिता और नए उद्यम नियां और पारिवारिक व्यवसाय के विधियों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अधिकारी, प्रोफेसर (डॉ.) टो. वी. राध, फाइनेंस और चेयरमैन, टो. वी. राध लार्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबोधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, "आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, अधिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को नवाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। ये यह मानता है कि उद्यमिता एक मिहन है, एक शक्तिशाली जल जहाँ जल्दी वास्तविक दृष्टियों की समस्याओं को हल करने के लिए प्रैद्योगिकों और नवाचार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डाक्टरेटर जनरल, ईंडीआईआई ने कहा, "द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दूनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विज्ञानों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अग्रणी शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ लाकर, यह मंच शोध निष्कर्ष के प्रसार को सुगम बनाता है।

शोप

टिमिला सेत्रों में जापने शोप अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सके

ईडीआईआईद्वारा उद्घमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अमर हिन्दुस्तान

योगदृष्टि। भारतीय वाईमिल विद्यालय संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवार्षिय) 26 फरवरी और 27 फरवरी के चरित्र में शुरू हुआ। 'उद्घमिता' पर अधिकारियों तथा विद्यार्थियों द्वारा उद्घमिता पर 26 फरवरी को सम्मेलन होता। यह सम्मेलन सोशलमीडिया, निष्कर्षितों और अभ्यासकाल के लिए एक मौजूदा है ताकि वे उद्घमिता विद्यालय के लिए इन सेवों में अपने गोपनीय व्यापारों और निष्कर्ष सदाचार कर सकें। ईडीआईआई 1994 में उद्घमिता पर डिवर्सिटी सम्मेलन या आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दो दिन, 9 से अधिक दोड़ों के विषयों पर उद्घमिता विद्यालय और व्यापार; उद्घमिता विभाग; उद्घमिता वाईमिलीयों और; मनोविज्ञान और व्यापार; एमएसएमई उद्घमिता सेवोंसही और विविधता उद्घमिता; स्टार्टअप और नामांदार; इंडियन और भारतीय उद्घमिता; स्टार्टअप; और व्यापार; उद्घमिता; व्यापारिक उद्घमिता के विषयों पर 148 शोप



वर्षों पर व्यापक उद्घमिता विद्यालय, महिला उद्घमिता; व्यापक उद्घमिता एवं व्यापार; उद्घमिता और न. उद्घम निर्धारण और वाईमिलीय व्यापार के विषयों पर 148 शोप

वर्ष विद्यालय प्रधान उद्घमिता, प्रोफेसर (डॉ.) डॉ. वी. राध, फाइनेंस और ऐक्यात्मक, डॉ. वी. राध, लंसिंग विद्यालय इंजीनियरिंग, डिवर्सिटी, अहमदाबाद और भारतीय व्यापक सेवाओं, जलमयवाद के पूर्व कोकेसर द्वारा किए गए।

इन्होंने बता, हाप्राव वर्षीय विद्यालय उद्घमिता सम्मेलन में, उद्घमिता विद्यालय और व्यापक उद्घमिता उद्घमिता विद्यालय महालक्ष्मी है। यह यात्रा है कि उद्घमिता एक विद्यालय है, इस उद्घमिता सम्मेलन में जहाँ व्यापक वाईमिल उद्घमिता की सम्मेलनों की इस जल्दी के लिए व्यापक व्यापक और सम्मेलनों की जारी रखायार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक व्यापक व्यापक व्यापक का निर्माण करते हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, वी. राधील शुभ्र, डायरेक्टर व्यापक, ईडीआईआई ने कहा, रिंग्वर्सिटी सम्मेलन लकड़ार तुलिया व्यापक के व्यापकों और विद्यालयों को एक मौजूदा प्रदान करता है, ताकि वे इसे विद्यालय और नवायारों को साझा कर सकें जो उद्घमिता की उद्घमिता विद्यालय में सम्मेलन के लिए महत्वपूर्ण है। अपनी सेवाओंसही और विद्यालयों की एक व्यापक व्यापक, यह मैं शोप निष्कर्ष के प्रयास की सुधार करता है,

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Jansandesh Times
Lucknow
27/02/2025
03

ईडीआईआई: उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन

लखनऊ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टीवी राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टीवी राव लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उद्यमिता की जटिलताओं को समझना जरूरी : डॉ. सुनील

लखनऊ (एसएनबी)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान का तीन दिवसीय 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन संस्थान परिसर में शुरू हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) टीवी राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टीवी राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर ने किया। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को संपन्न होगा।

सम्मेलन के दौरान 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन में ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि 'द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच देता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। अग्रणी शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ लाकर, यह मंच शोध निकर्ष के प्रसार को सुगम बनाता है, नए दृष्टिकोणों को

उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित जिसका संचालन प्रोफेसर (डॉ.) हरिवंश चतुर्वेदी,

डायरेक्टर जनरल, आईआईएलएम नई दिल्ली ने किया। पैनलिस्ट में प्रोफेसर (डॉ.) दीपक कमार श्रीवास्तव, डायरेक्टर, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची, प्रोफेसर (डॉ.) रजत मूना, डायरेक्टर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर, प्रोफेसर (डॉ.) राजुल के. गज्जर, वाइस चासलर, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, प्रोफेसर (डॉ.) रवि पी सिंह, प्रोवोस्ट, अडानी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद और प्रोफेसर (डॉ.) समीर सूद, डायरेक्टर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर शामिल थे।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' परआधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता



के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमैन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Aaj
Ahmedabad
27/02/2025
05

ईडीआईआई ने आयोजित किया उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन

अहमदाबाद, 26 फरवरी। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3 दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता परआधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किये गये। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) टीवी राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टीवी राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। यह मंच नये दृष्टिकोणों को बढ़ावा देता है और उद्यमशीलता के भविष्य को आकार देता है।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

लखनऊ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अब्दुल्लाहाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवार्षी) 26 फ़रवरी को सम्पन्न के परिसर में सुन् हुआ। उद्यमिता प्रशासकीय दीप द्विवार्षिक सम्मेलन 28 फ़रवरी को सम्पन्न होगा। यह सम्मेलन शोधकार्ताओं, विद्युतियों और अभ्यासकर्ताओं के लिए एक मन्त्र है जिसके द्वारा उद्यमिता विकास के विविध क्षेत्रों में अवनं शोध अध्ययन और नियन्त्रण समझ बढ़ सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता प्रशासकीय सम्मेलन का अध्येतर कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 में अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता विद्वान और व्यवसाय, उद्यमिता विद्या, उद्यमिता प्रशिक्षितियों तथा, मंत्रीविद्वान और उद्यमिता, एवं संसाधन उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और विनियोग उद्यमिता, स्टार्टअप और व्यापार, हस्त और स्थानीय उद्यमिता, समर्जित उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और कूल अध्यारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता,

प्रबन्ध उद्यमिता एवं नववाचत उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और विविधरिक उद्यमों को सम्प्रत्यक्षता द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन समाप्त हुआ। इसके बाद एक



148 शोध ग्रन्थ और अध्ययन प्रस्तुत किए। यात्रासम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अधिकारी, प्रौद्योगिकी (टी.) दी. की. एच, पठानपुर और लेपारमेन, डी. बी. एच, नवीन योगिनी विद्वान, प्राइवेट लिमिटेड, अब्दुल्लाहाद और भरतीय प्रबन्धन संस्थान, अस्ट्राइकर के पूर्व डोमेन्स द्वारा किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डी. मुरैन शुक्रवार, उपरेक्ष्य बनाता,

मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विद्वानों और व्यापारीों को सम्भाल कर मध्ये जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए मार्गदर्शी है। अपनी शोधकार्ताओं और विद्यकों द्वारा प्रकाशित व्यवधान का मंच शोध मिक्की के प्रसार को सुना बनता है, नए दृष्टिकोणों को बहाता देता है और उद्यमीता को भवित्व को आकार देता है, इस प्रकार इच्छुक

उद्यमितों द्वारा सफल होने के लिए अवश्यक ढंग के साथ सफल बनाता है। सम्मेलन के मध्य के रूप, उद्यमिता विद्या में नवाचारी पर व्याचार करने के लिए यात्रासमाप्ति/द्विवार्षिकी को बनाते हुए विद्युतियों का प्रतिनिधित्व किया गया। देश भर के विद्युतियों का प्रतिनिधित्व किया गया, विद्यका संबोधन प्रोफेसर (टी.) अरिशंश चतुर्वेदी, डॉक्टर जनरल, अद्वितीयलाल दिल्ली, नई दिल्ली में किया। पैनिलस्ट में प्रोफेसर (टी.) दीपक कुमार वैद्योपत्तम, डॉक्टर भालूर उपराजन संस्थान गृही, प्रोफेसर (टी.) रजन मूर्ख, डॉक्टर गुरु, भालूर प्रौद्योगिकी संस्थान गृहीनगर, प्रोफेसर (टी.) गुरुतुल के, गवल, व्हाइम यामान, गुजरात देवनोवालीवाल, गुरुलसिंही, अब्दुल्लाहाद, प्रोफेसर (टी.) दीप ये सिंह, प्रोफेसर, अद्वितीयलाल, अब्दुल्लाहाद और प्रोफेसर (टी.) मनोज सूद, डॉक्टर, नैतनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैनिल टेक्नोलॉजी, गुरुदीनगर रामिल थे।

+

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Spasht Awaz
Lucknow
27/02/2025
07

ईडीआईआई का उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन थुल

लखनऊ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक तीन दिवसीय सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान परिसर में शुरू हुआ जो 28 फरवरी को सम्पन्न होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन में 9 देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र मनोविज्ञान और उद्यमिता एमएसएमई उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता स्टार्टअप और नवाचार, हरित और स्थायी उद्यमिता सामाजिक उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और परिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो डॉ. टीवी राव फाउंडर चेयरमेन, टीवी राव लर्निंग सिस्टम्स प्रालि अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर ने किया। डॉ. सुनील शुक्ला डायरेक्टर जनरल ईडीआईआई ने कहा सम्मेलन विश्वभर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर शोध:
अहमदाबाद, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 3-दिवसीय शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर डॉ टीवी राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टीवी राव लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है।

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉધોગસાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન



અમદાવાદ, ૨૬ ફેબ્રુઆરી,
૨૦૨૫: એન્ટરપ્રાઇસિન્સ ફોર મુલ્યાં
ટેકલાપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા
(ઈડીઆઈઆઈ), અમદાવાદની
૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (૩-
દિવસીય) ૨૬ ફેબ્રુઆરીએ સંસ્થાના
પરિસરમાં શરૂ થઈ.
'ઉધોગસાહસિકતા' પર આધારિત
ગ્રંથ દ્વિવસીય સંમેલન ૨૮
ફેબ્રુઆરીએ સમામંથશે. આ સંમેલન
સંશોધકો, શિક્ષણવિદો અને
અભ્યાસકર્તા માટે એક મંચ છે જેથી
ઉધોગસાહસિકતા વિકાસના વિવિધ
ક્ષેત્રોમાં તેમના સંશોધન અભ્યાસો
અને તારણો શેયર કરી શકે છે.
ઈડીઆઈઆઈ ૧૯૯૪થી

ઉધોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક
સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે.

સંમેલન દરમિયાન, ૮ થી ૧૦
દેશોના વિદ્યાર્થીઓ દ્વારા
ઉધોગસાહસિકતા સિદ્ધાંત અને
વ્યવહાર; ઉધોગસાહસિકતા શિક્ષણ;
ઉધોગસાહસિકતા ઈકોસિસ્ટમ;
મનોવિજ્ઞાન અને ઉધોગસાહસિકતા;
એમબેસએમઈ ઉધોગસાહસિકતા;
ટેકનોલોજી અને ડિજિટલ
ઉધોગસાહસિકતા; સ્ટાર્ટઅપ અને
ઈનોવેશન; હરિત અને સતત
ઉધોગસાહસિકતા; સામાજિક
ઉધોગસાહસિકતા; સંસ્કૃતિ, પરંપરા
અને મૂલ્ય આધારિત
ઉધોગસાહસિકતા; મહિલા
ઉધોગસાહસિકતા; ગ્રામીણ
ઉધોગસાહસિકતા અને નવજીત
ઉધોગસાહસિકતા અને નવા સાહસ
સર્જન અને કૌટુંબિક વ્યવસાય જેવા
વિષયો પર ૧૪૮ સંશોધન પત્રો અને
અભ્યાસો રજૂ કરવામાં આવ્યા.

ઇડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્ઘાટન એટ 16થાં દ્વિપાર્શ્વક સમ્મેલન આયોજિત

અહમદાબાદ ભારતીય ઉદ્યમિતા વિકાસ મંદ્રાચ, અહમદાબાદ વહી 16વાં દ્વિપાર્શ્વક સમ્મેલન (3- દિવસીય) 26 ફરબરી કો સંઘાન કે પરિસર ને શું હતું। ઉદ્યમિતા એ આધ્યાત્મિક લોન દિવસીય સમ્મેલન 28 કરવારી કો સમાપ્ત હોયા। યાં સમ્મેલન ગોપકર્તાઓ, શિધાર્થિઓ ઔર અભાસકાર્તોને લિએ એક મંચ હૈ તોકિ કે ઉદ્યમિતા વિકાસ કે વિભિન્ન કોણો માં અધ્યાત્મ અભ્યાસ ઔર નિર્ણય સાઝા ફત સાંચે ઈરીઆઈઆઈ 1994 સે ઉદ્યમિતા એ દ્વિપાર્શ્વક સમ્મેલન વહી આધ્યાત્મન કર રહા હૈ। સમ્મેલન કે દીગર, 9 સે અધ્યિક દેશોને કે વિદ્યાર્થોની દ્વારા ઉદ્યમિતા સિદ્ધાંત અને અભ્યાસાચ



ઉદ્યમિતા શિધાર્થી, ઉદ્યમિતા પારિવહનિકી સર્વ, એવી નવાજાત ઉદ્યમિતા ઔર નાન ઉદ્યમ નિર્બાળ ઔર પારીલાટિક જ્યોતસાય કે જ્યાંથે એ 148 શોષે એ ઔર અભ્યાસન પ્રાલૃત કિંદ ગણે સમ્મેલન કો ઉદ્ઘાટન મુખ્ય અત્િનીદ્વારા (ડૉ.) ટી. બી. રાબ, ચાર્ચાન્ડર ઔર બેયરમેન, ટી. બી. રાબ લર્નિંગ સિસ્ટમ્સ પ્રાઇવેટ લિમિટેડ, અહમદાબાદ ઔર ભાવનીય પ્રાચીન સંઘાન, અહમદાબાદ કે પૂર્વે પ્રોફેસર દ્વારા કિયા ગયા। ઉછોને કહા, આજ કીની ગતિશીલ અધ્યેત્ત્વાલદા મેં, આર્થિક વિકાસ ઔર વ્યાવસાયિક ઉન્નતિ કો ચલાને કે લિએ ઉદ્યમિતા વિકાસ મહત્વપૂર્ણ હૈ।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Garv Bhoomi
Ahmedabad
27/02/2025
02

ઈડीଆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગ સાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન

નવ્યાય

અમદાવાદ, ૨૯ કેઝુઆરી,
૨૦૨૪: એન્ટરપ્રાઇસર્શિપ
ટેકલ્પમેન્ટ ઇન્ફિટબુટ આંક ઈન્ડિયા
(ઈડીઆઈઆઈ), અમદાવાદની
૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (૩-
દિવસીય) ૨૯ કેઝુઆરીએ સંસ્કૃતા
પરિસરમાં શરૂ થઈ.
‘ઉદ્યોગસાહસિકતા’ પર આધારિત
નવ્યાય દિવસીય સંમેલન ૨૮
કેઝુઆરીએ સમાપ્ત થયે. આ સંમેલન
સંગ્રહિતો, શિક્ષકોઓ અને
અભ્યાસકર્તા માટે એક મંદ્ર છે જેથી
ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકસનના વિવિધ
શેન્ટોમાં તેમના સંશોધન અભ્યાસો
અને તારણો શેખર કરી શકે છે.
ઈડીઆઈઆઈ ૧૬૭૪થી
ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક
સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે.

સંમેલન દરમિયાન, ૮ વીજી વધુ
દેશોના વિદ્યાર્થીઓને ઉદ્યોગસાહસિકતા
સિદ્ધાંત અને વ્યવધાર;
ઉદ્યોગસાહસિકતા શિક્ષણ;
ઉદ્યોગસાહસિકતા હિક્સિસ્ટમ;
મનોવિજ્ઞાન અને ઉદ્યોગસાહસિકતા;
અમયોસનોમઠ ઉદ્યોગસાહસિકતા;
ટેકનોલોજી અને ડિજિટલ
ઉદ્યોગસાહસિકતા; સ્ટાર્ટઅપ અને



ઇનોવેશન; હરિત અને સુધી ઉદ્યોગસાહસિકતા; સામાજિક ઉદ્યોગસાહસિકતા; સંસ્કૃતિ, પર્યાય અને મૂલ્ય આધ્યાત્મિક ઉદ્યોગસાહસિકતા; મહિલા ઉદ્યોગસાહસિકતા; ગ્રામીણ ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવજગત ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવ્યાય સાહસ સર્જન અને કૌટુંબિક વ્યવસાય જેવા વિષયો પર. ૧૪૮ સંશોધન પત્રો અને અભ્યાસો રજૂ કરવામાં આવ્યા.

સંમેલનનું ઉદ્ઘાટન મુખ્ય અત્િથિ, પ્રોફેસર (ડૉ.) વી. વી. રાવ, કાર્નિન્દ્ર અને ચેયરમેન, વી. વી. રાવ લાન્નિંગ સિસ્ટમ્સ પ્રાઇવેટ લિમિટેડ, અમદાવાદ અને ભારતીય પ્રબંધન સંસ્થાન, અમદાવાદના ભૂતપૂર્વ પ્રોફેસર દ્વારા કરવામાં આવ્યું. તેમને જ્યાંયું એતું કે, “આજના ગતિશીલ

અર્થતંત્રમાં, આર્થિક વૃક્ષ અને વ્યાવસાયિક પ્રગતિને આજણ વધારવા માટે ઉદ્યોગસાહસિકતાનો વિકાસ નિર્ણયક છે. હું માનું છું કે ઉદ્યોગસાહસિકતા એક વિશાળ છે, એક શક્તિશાળી બળ છે જ્યાં વ્યક્તિઓ વાસ્તવિક દુનિયાની સમસ્યાઓ ઉકેલવા માટે ટેકનોલોજી અને નવીનતાનો લાભ ઉદાહરિત કર્યા માટે વધુ સારો ભવિષ્યનું નિર્માણ કરે છે. આ કેન્દ્રના મહત્વને જોતાં, ઉદ્યોગસાહસિકતાને પ્રોત્સાહન આપવા માટે નિયમિત સંશોધન અને નીતિ હિમાયત લાવી પરવી માફતવ્યુત્પૂર્વ છે. આ એક અનન્ય મંદ્ર છે અને મને ખાતરી છે કે પરિષદ્ધના તારણો ઉદ્યોગસાહસિકતા પર નોંધપાત્ર પ્રભાવ પડશે.”

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન



સનપિલા જ્યુગ, અમદાવાદ, તા. ૨૬

એન્ટરપ્રિન્સ્ચાર્ચિપ ડેવલપમેન્ટ ઈન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ), અમદાવાદની ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (૩-દિવસીય) ૨૬ કેશ્મુઅનારીએ સંસ્થાના પરિસરમાં શરૂ થઈ. ;ઉદ્યોગસાહસિકતાપર આપારિત ગ્રજ દિવસીય સંમેલન ૨૮ કેશ્મુઅનારીએ સમામ થશે. આ સંમેલન સંશોધકો, શિક્ષણવિદો અને અભ્યાસકર્તા માટે એક મંદ્ય છે જેથી ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકસના વિવિધ ક્રોમાં તેમના સંશોધન અભ્યાસો અને તારણો શેયર

કરી શકે છે. ઈડીઆઈઆઈ ૧૯૮૪થી ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે. સંમેલન દરમિયાન, ૮ થી ૧૫ દેશોના વિદ્યાનો દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા સિદ્ધાંત અને વ્યવહાર; ઉદ્યોગસાહસિકતાઓના; ઉદ્યોગ સાહસિકતા ઈકોસિસ્ટમ; મનોવિજ્ઞાન અને ઉદ્યોગસાહસિકતા; અમદાવાદમાં ઉદ્યોગસાહસિકતા;

ટેકનોલોજી અને ઇજિટલ ઉદ્યોગસાહસિકતા; સ્ટાર્ટઅપ અને ઇનોવેશન; ઢરિત અને સતત ઉદ્યોગસાહસિકતા; સામાજિક ઉદ્યોગસાહસિકતા; સંસ્કૃતિ, પરંપરા અને મૂલ્ય આપારિત ઉદ્યોગસાહસિકતા; મહિલા ઉદ્યોગસાહસિકતા; ગ્રામીણ ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવજીત ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવા સાહસ સર્જન અને કૌટુંબિક વ્યવસાય જેવા વિષયો પર ૧૪૮ સંશોધન પત્રો અને અભ્યાસો રજૂ કરવામાં આવ્યા.

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Gujarat Karobar

Ahmedabad

27/02/2025

02

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગ સાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન

અમદાવાદ :

એ -ટરપ્રિ-યોરશિપ
ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ
ઇન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ),
અમદાવાદની ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક
સંમેલન (૩-દિવસીય) ૨૬
ફેબ્રુઆરીને સંસ્થાના પરિસરમાં
શરૂ થઈ. 'ઉદ્યોગસાહસિકતા' પર
આપાદિત જ્ઞાન દ્વિવસીય સંમેલન
૨૮ ફેબ્રુઆરીને સમાપ્ત થશે. આ
સંમેલન સંશોધકો, શિક્ષકો
અને અભ્યાસકર્તા માટે એક મંચ
છે જેથી ઉદ્યોગસાહસિકતા
વિકાસના વિવિધ કોન્ટોમાં તેમના
સંશોધન અભ્યાસો અને તારણો
શેર કરી શકે છે.



ઈડીઆઈઆઈ ૧૯૮૪થી
ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક
સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે.
સંમેલનને સંભોધના, ડૉ.
સુનિલ શુક્રા, ડાયરેક્ટર જનરલ,
ઈડીઆઈઆઈને જાળ્યાયું હતું કે,
“દ્વિવાર્ષિક પરિયદ સતત
વિશ્વભરના સંશોધકો અને શિક્ષકો
માટે એક મંચ પૂર્ણ પાડે છે,

જેથી તેઓ
તેમના વિચારો અને
નવીનતાઓ શેર કરી
શકે જે
ઉદ્યોગસાહસિકતાની
જરૂર બતાયો નો
સમજવા માટે
મહત્વપૂર્ણ છે. અગ્રણી
સંશોધકો અને શિક્ષકોને એક સાથે
બાવીને, આ મંચ સંશોધન
તારણોના પ્રસારને સરળ બનાવે
છે, નવા દ્રષ્ટિકોષોને પ્રોત્સાહન
આપે છે અને ઉદ્યોગસાહસિકના
ખવિધને આકાર આપે છે, આમ
મહત્વાકાંસી ઉદ્યોગસાહસિકોને
સરળ યવા માટે જરૂરી શાન સાથે
સશક્ત બનાવે છે.”

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગ સાહસિકતા પર ૧૬મી દિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન

અમદાવાદ :

અ-૨૨પ્ર-૪૦૨૮૩૫

ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ
ઇન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ),
અમદાવાદની ૧૬મી દિવાર્ષિક
સંમેલન (ડિવસીય) ૨૬
ફેબ્રુઆરીએ સંસ્થાના પરિસરમાં
શરૂ થઈ. 'ઉદ્યોગસાહસિકતા' પર
આધારિત ત્રણ ડિવસીય સંમેલન
૨૮ ફેબ્રુઆરીએ જમાન થશે. આ
સંમેલન સંરોધકો, શિક્ષકોને અને
અભ્યાસકર્તા માટે એક મેચ છે જેથી
ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસના
વિવિધ લોગોમાં નેમના સંરોધન
અભ્યાસો અને તારણો રોધર કરી
શકે છે. ઈડીઆઈઆઈ ૧૬૮૪થી
ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દિવાર્ષિક
સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે.

સંમેલનને સંબોધના, ડૉ.



સુનિખ શુક્રા, ડાયરેક્ટર જનરલ,
ઈડીઆઈઆઈને જાળાવ્યું હતું કે,
"દિવાર્ષિક પરિષદ સતત
વિચારના સંરોધકો અને શિક્ષકો
માટે એક મેચ પૂર્ણ પાડે છે,

જેથી તન્મો તેમના વિચારો
અને નવીનતાઓ શેર કરી શકે જે
ઉદ્યોગસાહસિકતાની જાટિવાતાઓને
સફળ થવા માટે જરૂરી બાન સાથે
સમજવા માટે મહત્વપૂર્ણ છે. અગ્રલી

સંશોધકો અને શિક્ષકોને એક સાથે
લાવીને, આ મેચ સંશોધન તારણોના
પ્રસારને સરળ બનાવે છે,

નવા દ્રાષ્ટિકોણને પ્રોત્સાહન
આપે છે અને ઉદ્યોગસાહસિકતા
ખ્રિષ્ણને ખાકાર આપે છે, આમ
મહત્વાકાંક્ષા ઉદ્યોગસાહસિકોને
સફળ થવા માટે જરૂરી બાન સાથે
સંશોધન બનાવે છે."

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન



ઘ. વીનસ ટાઇમ્સ, અમદાવાદ, તા. ૨૬

એન્ટરપ્રિન્યોરશિપ ટેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઇન્ડિયા (ઈડીઆઈઆઈ), અમદાવાદની ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (૩-દિવસીય) ૨૬ ફેબ્રુઆરીએ સંસ્થાના પરિસરમાં શરૂ થઈ. ઉદ્યોગસાહસિકતાપર આધ્યારિત ત્રણ દિવસીય સંમેલન ૨૮ ફેબ્રુઆરીએ સમાપ્ત થશે. આ સંમેલન સંશોધકો, શિક્ષણવિદો અને અભ્યાસકર્તા માટે એક મંચ છે જેથી ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસના વિવિધ કેન્દ્રોમાં તેમના

સંશોધન અભ્યાસો અને તારણો શેર્યર કરી શકે છે. ઈડીઆઈઆઈ ૧૯૮૪થી ઉદ્યોગ સાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે. સંમેલન દરમિયાન, ૮ થી ૧૫ ફેબ્રુઅના વિવાનો દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા સિદ્ધાંત અને વ્યવહાર; ઉદ્યોગસાહસિકતાશિક્ષણ; ઉદ્યોગ સાહસિકતા ઇકોસિસ્ટમ; મનોવિજ્ઞાન અને ઉદ્યોગ સાહસિકતા; એમએસએમઈ ઉદ્યોગ સાહસિકતા; ટેકનોલોજી અને ડિજિટલ ઉદ્યોગ સાહસિકતા; સ્ટાર્ટઅપ અને ઇનોવેશન; હરિત અને સતત ઉદ્યોગ સાહસિકતા; સામાજિક ઉદ્યોગ સાહસિકતા; સંસ્કૃતિ, પરંપરા અને મૂલ્ય આધ્યારિત ઉદ્યોગ સાહસિકતા; મહિલા ઉદ્યોગ સાહસિકતા; ગ્રામીણ ઉદ્યોગ સાહસિકતા અને નવજીત ઉદ્યોગ સાહસિકતા અને નવા સાહસ સર્જન અને કૌંટ્રીબિક વ્યવસાય જેવા વિષયો પર ૧૪૮ સંશોધન પત્રો અને અભ્યાસો રજૂ કરવામાં આવ્યા.

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Sunville Samachar(English)

Ahmedabad

27/02/2025

04

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship



Sunvilla News:Ahmedabad

The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and practitioners to share their research studies and

findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice, Entrepreneurship Education, Entrepreneurship Ecosystem, Psychology and Entrepreneurship, MSME Entrepreneurship, Techology and Digital Entrepreneurship, Startup and Innovation, Green and Sustainable Entrepreneurship, Social Entrepreneurship, Culture, Tradition.

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Dainik Purnviram

Ahmedabad

27/02/2025

07

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

बाइबलनदा। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवार्षी) 26 फरवरी को सम्पन्न के परिणाम में सुन्दर हुआ। उद्यमिता प्रश्नालयी वैन दिवार्षी द्वारा 28 फरवरी को सम्पन्न होगा। यह सम्मेलन शोभकर्त औं, रिक्षाविदों और अध्यात्मकर्त के लिए एक मंच है जिसके द्वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने ही अध्ययन और निर्माण योग्य कर रहे हैं।

ईडीआईआई 1994 में उद्यमिता एवं

द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर

रहा है।

सम्मेलन के दौरान, 9 में अधिक देशों के विद्युती हुए उद्यमिता सिद्धांत और जबहार-उद्यमिता विद्या; संस्कृति, परेशा और मूल्य आधारित उद्यमिता; बहिला उद्यमिता; ग्रामीण



और

उद्यमिता एवं सम्पर्क और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचारण हरित और स्थानीय उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; उद्यमिता विकास के विभिन्न पर 148 होथ विधान और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अधिकारी, प्रोफेसर (डॉ.) दी.जी. राज, पठानक और वेदान्त, दी. वी. राव

लार्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, «यह की गहरीता अर्थव्यवस्था में, अधिक विकास और न्यवायाकार ऊर्जा को चलाने के लिए उद्यमिता विकास बहलपूर्ण है। मेरा वानन है कि उद्यमिता एक विद्या है, एक राष्ट्रीयात्मीय जल जहां अधिक वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रयोगिकी और नवचार का लाभ उठत है और सभी के लिए एक ऐतार अविष्य का निर्माण करते हैं। इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए, उद्यमिता को बढ़ाव देने के लिए निशाने अनुसंधान और नीति बहालत करना बहलपूर्ण है। यह एक अनुकूल मंच है।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Dainik Savera

New Delhi

28/02/2025

11

उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

सवेरा न्यूज/कास. (नई दिल्ली) 27 फरवरी : भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ता ओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यातिथि, प्रोफेसर टी.वी. राव, और भारतीय प्रबंधन संस्थान के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 3-दिवसीय 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और परिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर डॉ. टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Amrit India

Ahmedabad

28/02/2025

06

ईडीआईआई द्वारा उद्घाटित पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन हुआ आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्योगिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को सम्पन्न के परियार में सुख हुआ। उद्घाटित पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को सम्पन्न होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और अभ्यासकर्ताओं के लिए एक मंच है जिसके द्वारा उद्योगिता के विभिन्न धंशों में अपने लोक अस्तित्व और निवारण साझा कर सकते। इसी उद्देश्य के लिए 1994 में उद्योगिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आवेदन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्घाटित मिल्डल और लवहार, उद्योगिता शिक्षा, उद्योगिता परिवर्तनिकों तथा; मानविकास और उद्योगिता; एमएमएई उद्योगिता; प्रौद्योगिकी और विज्ञान उद्योगिता; स्टार्टअप और नवाचार; हिंट और



स्थायी उद्योगिता; साबहिक उद्योगिता; संस्कृति, परंपरा और मूल अधारित उद्योगिता; नियन्त्रित उद्योगिता; प्रमोन्च उद्योगिता एवं नवजात उद्योगिता और नए उद्योगिता और परिवर्तन व्यवसाय के विषयों पर 148 साथ पड़ और अध्यक्षन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अधिकारी, प्रौद्योगिकी (डॉ.) हो. बी. राज, वाक़ान और विद्येन, डॉ. बी. राज को

लरिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबन्धन संस्कृत, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उद्घाटन का गवर्नरिल अर्थव्यवस्था में, व्यापिक विकास और अपरावधिक उद्योगिता को चलने के लिए उद्योगिता के विभिन्न धंशों और विषयों को एक बन्ध प्रदान करते हैं, जिसके द्वारा उद्योगिता एक मिशन है, एक राजिकाली बल जहां व्यापिकों को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

व्यापक भूमिका की समस्याओं को गठ करने के लिए, व्यापिकों और व्यवसाय का लाय उत्तम है और यह उपर्युक्त का नियमन करते हैं। इस केन्द्र के महत्व को देखते हुए, उद्योगिता व्यापकों देने के लिए, नियमित अनुसंधान और नोव्ह अकालीन करने महत्वपूर्ण है। यह एक अनुकूल यन्त्र है। युद्ध विधाय है कि सम्मेलन ये चर्चा किए जाने जाते हुए उद्योगिता के शेष में सकारात्मक प्रभाव दालेंगे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सूनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के विभिन्न धंशों और विषयों को एक बन्ध प्रदान करते हैं, जिसके द्वारा उद्योगिता की साझा करने के द्वारा उद्योगिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Vir Arjun
Ahmedabad
28/02/2025
02

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद (वीआ)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां डिवार्शिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अध्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निकर्ता साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर डिवार्शिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक

उद्यमिता; मंसुकुलि, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के क्षियों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.बी. राव, फाउन्डर और चेयरमैन, टी.बी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, ठआज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि उद्यमिता एक मिशन है, एक शक्तिशाली बल जहाँ व्यक्ति बास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाने हैं और सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं।

इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नियमित अनुसंधान और नीति विकालत करना महत्वपूर्ण है। यह एक अनूठा मंच है। मुझे विश्वास है कि सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले मुहें उद्यमिता के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव ढालेंगे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. मुनील शुक्ला, डाक्टरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, डिवार्शिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अग्रणी शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ लाकर, यह मंच शोध निष्कर्षों के प्रसार को सुगम बनाता है, नए दृष्टिकोणों को बढ़ावा देता है और उद्यमशीलता के भविष्य को आकार देता है, इस प्रकार इच्छुक उद्यमियों को सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाता है।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित



अहमदाबाद, 26 अक्टूबर, 2025 - भारतीय उत्तरायण
विभाग ने जलसंग्रह, अन्तर्राष्ट्रीय का 10वां विश्वासी अभियान
(3-विश्वासी) 26 अक्टूबर को वाराणसी में आयोजित
उत्तरायण प्रयोगशाला लैंग, विश्वासी अभियान 26 अक्टूबर को
वाराणसी में होगा। यह अभियान शिरोमन्त्री, विश्वासी और
अन्तर्राष्ट्रीय के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है जिसके द्वारा विश्वासी
विभाग ने अपने योग अन्तर्राष्ट्रीय विश्वासी अभियान को
प्रोत्तरा की ओर उत्तरायण 2025 के अवधित योग विश्वासी अभियान
का अनुभव करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विश्वासी अभियान को
प्रोत्तरा की ओर उत्तरायण 2025 के अवधित योग विश्वासी अभियान
का अनुभव करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विश्वासी अभियान को
प्रोत्तरा की ओर उत्तरायण 2025 के अवधित योग विश्वासी अभियान
का अनुभव करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विश्वासी अभियान को

विवरण, अधिक और जटिल अवधियां, व्यापकीय उपलब्धियां, व्यापकीय और मध्यम अवधियां अवधियां; महिलाएँ अवधियां; व्यापक अवधियां जैसे व्यापक अवधियां और एक व्यापक अवधि अवधियां जैसे व्यापक अवधियां जैसे व्यापक अवधियां।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Pradesh Today
Ahmedabad
28/02/2025
07

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन युल्य अग्रिम, प्रोफेसर (डॉ.) टी. खो, राज, फाउंडर और चेयरमैन, टी. वी. राज लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबलेन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उद्यमिता पर अधिकारित तीन द्विवार्षिक सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोषकताओं, शिशाखियों और अभ्यासकारों के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न सेक्ट्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Central Chronicle
Ahmedabad
28/02/2025
09

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship



Ahmedabad: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice, Entrepreneurship Education, Entrepreneurship Ecosystem, Psychology and Entrepreneurship, MSME Entrepreneurship, Technology and Digital Entrepreneurship, Startup and Innovation, Green and Sustainable Entrepreneurship, Social Entrepreneurship, Culture, Tradition and Value-based Entrepreneurship, Women Entrepreneurship, Rural Entrepreneurship and Nascent Entrepreneurship and New venture Creation & Family Business, were presented.

The conference was inaugurated by Chief Guest, Prof (Dr.) T.V. Rao, Founder and Chairman, T.V. Rao Learning Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad & Former Professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad. He stated, "In today's fast-paced economy, entrepreneurship development is crucial to driving economic growth and professional advancement. I believe entrepreneurship is a mission, a powerful force where individuals leverage technology and innovation to solve real-world problems, creating a better future for all. Given the significance of the domain, it is important to undertake regular research and policy advocacy to impact entrepreneurship promotion."

This is a unique platform. I am sure the conference revelations will lead to noticeable influence on entrepreneurship." Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship."

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Fine Times
Ahmedabad
28/02/2025
07

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को सम्पन्न के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ताओं के लिए एक मंच है जिसके द्वारा उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कार्य मालحة कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और अवलोकन, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता एमएमएम्ड उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हरित और स्थायी उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Madhya Swarnim
Ahmedabad
28/02/2025
06

ઇંડીଆઇઆઇ કા સમેલન આયોજિત

ગ્રામ્યદાદ (શ્વેતી)। ભારતીય ઉદ્યમિતા વિકાસ સર્વ્યકાન,
આદમદાર એ 16ં દ્વિવર્ષિક સમેલન (૩-શ્વેતીય) 26
જાન્યુઆરી કો સર્વ્યકાન કે પરિસર મે શુરૂ હુઅ। ઉદ્યમિતા એર
આધારિત તીન વિકાસીપ સમેલન 28 ફાર્ફરી ડો સમાજન
દેણા। યથ સમેલન ચીંગકાંતી, વિકાસિંહ ઓર અભાસકારી
કે લિએ એક માર હૈ તાકિ વે ઉદ્યમિતા વિકાસ કે વિષિત કેન્દ્રો મે
આપને ખોચ અભ્યાસ ઔર નિષ્કાર્ય સાઝા કર સકે।
ઇંડીଆઇઆઇ 1994 સે ઉદ્યમિતા એર દ્વિવર્ષિક સમેલન કા
આધીજન કર રહ્યા હૈન। સમેલન કે દેશન, ૧ સે અધિક દેશો કે
વિદ્યાર્થીને છાત્ર ઉદ્યમિતા નિર્દ્દાત ઔર વ્યવહાર, ઉદ્યમિતા વિભા,
ઉદ્યમિતા પારિસ્થિતિકી તત્ત્વ, મનોવિજ્ઞાન ઔર ઉદ્યમિતા,
એમદસરન્દી ઉદ્યમિતા, પ્રોફેશનિયલી ઓર ડિજિટલ ઉદ્યમિતા,
સ્ટાર્ટઅપ ઔર ન્યાયાર, હારિલ ઔર સ્થાપ્ની ઉદ્યમિતા,
સ્નામાર્જિક ઉદ્યમિતા, સંમૃતિ, પરંપરા ઔર મુખ્ય આધારિત
ઉદ્યમિતા, મહિસ્ત ઉદ્યમિતા, ગ્રામીણ ઉદ્યમિતા એવ નક્કળ
ઉદ્યમિતા ઓર નગ ઉદ્યમ નિર્માણ ઓર પરિયારિક વ્યવસાય કે
શૈક્ષણી પર 148 શીખ પત્ર ઔર અભ્યાસ પ્રસ્તુત કિએ ગણ।

PUBLICATION NAME :

Sandhya Prakash

EDITION :

Ahmedabad

DATE :

28/02/2025

PAGE :

03

ઇંડીઅઈઆઈ દારા ઉદ્ઘાટન પણ 16વાં

દ્રિવાર્ષિક સમેલન આયોજિત

અહુમાદબાદ। ભારતીય ઉદ્ઘાટન વિકાસ સંસ્કૃતન, અધ્યાત્માબદ કા 16વાં દ્રિવાર્ષિક સમેલન (૩-દ્વિવર્ષીય) 26 ફરવરી કો સંસ્કૃતન કે પરિસર મેં શુભ હુએ। ઉદ્ઘાટન પદ્ધતિપરિસર તૈન દ્વિવર્ષીય સમેલન 28 ફરવરી કો સમાપ્ત હોણા। એ સમેલન શોધકર્તાઓ, રિઝાન્ડિન્દો ઔર અધ્યાસકર્તાનું કે લિએ એક મંચ હૈ તથિક વે ઉદ્ઘાટન વિકાસ કે વિભિન્ન ખેડો મેં અપેણ શોધ અધ્યયન ઔર નિક્ષેપ સાઝા કર સકેં। ઇંડીઅઈઆઈ 1994 સે ઉદ્ઘાટન પર દ્રિવાર્ષિક સમેલન કા આયોજન કર રહે હૈ। સમેલન કે દૌરાન, 9 સે અધિક દેશો કે બિઝાનો દ્વારા ઉદ્ઘાટન સિરિઝની ઔર વ્યવહાર, ઉદ્ઘાટન રિષ્ટા, ઉદ્ઘાટન પારિસ્થિતિકી તત્ત્વ, મનોબિજ્ઞન ઔર ઉદ્ઘાટન-એપ્લાસેન્ટ ઉદ્ઘાટન-પ્રીયોગિની ઔર ડિજિટલ ઉદ્ઘાટન-સ્ટાર્ટઅપ ઔર નવાચારાત્મકતા ઔર સ્થાયી ઉદ્ઘાટન-સામાજિક ઉદ્ઘાટન-મંજૂરી, પણા ઔર મૂલ્ય આધ્યાત્મિક ઉદ્ઘાટન-મહિલા ઉદ્ઘાટન; ગ્રામીણ ઉદ્ઘાટન એવં નવજાત ઉદ્ઘાટન ઔર નર-નાય નિર્ણાણ ઔર પરિવારિક વ્યવહાર કે વિષયો પર 148 શોધ પત્ર ઔર અધ્યયન પ્રસ્તુત નિએ ગણ. સમેલન કા ઉદ્ઘાટન મુલ્ય અલ્લિંગ, પ્રોફેસર (ડૉ.) ટી. વી. રાહ, ફાઠનાર ઔર ચેફારેન, ટી. વી. રાહ લાર્નિં સિસ્ટમ્સ પ્રાઇવેટ લિમિટેડ, અહુમાદબાદ ઔર ભારતીય પ્રોફેસન સંસ્કૃતન, અહુમાદબાદ કે પૂર્વે પ્રોફેસર દ્વારા કિયા ગયા। ઉન્હોને કહ્યું, આજ કી ગતિહીન અધ્યેત્વકાશન મેં, અધ્યાત્મિક વિકાસ ઔર જ્યાબસારીક ઉન્નતિ કો ચલાને કે લિએ ઉદ્ઘાટન વિકાસ મહત્વપૂર્ણ હૈ। મેર માનના હૈ કે ઉદ્ઘાટન એક મિલન હૈ, એક સહિતશાલી બત જાહેર વ્યક્તિ વાસ્તવિક દુનિયા કી સમસ્યાઓ કો હલ કરને કે લિએ પ્રીયોગિની ઔર નવાચાર કા લાભ ઉત્પાતે હૈ ઔર સખી કે લિએ એક બેહની ધ્વિષ્ય કા નિર્ણાણ કરું હૈ। સમેલન કો સંબોધિત કરતે હુએ, ડૉ. સુહીલ શુક્રા, ડાયરેક્ટર જનરલ, ઇંડીઅઈઆઈ ને કહ્યું, દ્રિવાર્ષિક સમેલન લાભજાત દુનિયા ભર કે શોધકર્તાઓ ઔર રિઝન્ડિન્દો કો એક મંચ પ્રદાન કરતા હૈ, તથિક વે અપેણ વિચારો ઔર નવાચારો કો સાઝા કર સકેં જો ઉદ્ઘાટન કી નાટિલતાઓ કો સમઝુને કે લિએ મહત્વપૂર્ણ હૈનું।

PUBLICATION NAME :

Samay Jagat

EDITION :

Ahmedabad

DATE :

28/02/2025

PAGE :

03

इंडीआईआई द्वारा उद्योगिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्योगिता विकास संस्थान, 389मदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (३-दिवसीय) 26 फरवरी को सम्पादन के चौरसर में शुरू हुआ। उद्योगिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी की समाप्ति होगा। यह सम्मेलन इंशायर्टर्स, लिंकेजिटों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है जिसके द्वारा उद्योगिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निकाय साझा कर सके। इंडीआईआई 1994 से उद्योगिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दो दिन, 9 से 30वें दिनों द्वारा उद्योगिता निष्ठाता और व्यवसाय, उद्योगिता विकास उद्योगिता परिस्थिति की तन, मनोविज्ञान और उद्योगिता एमएसएई उद्योगिता प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्योगिता स्टार्टअप और नवाचार सुनित और स्थानीय उद्योगिता, सामाजिक उद्योगिता सम्बन्धि, वरपरा और मूल आधारित उद्योगिता महिला उद्योगिता ग्राहीण उद्योगिता एवं नवजात उद्योगिता और नए उद्यम निर्माण और प्रारिकारिक व्यवसाय के पिछों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Such Express
Bhopal
28/02/2025
06

इंडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

भोपाल। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवार्षीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों और अध्यायकताएँ के लिए एक मंच है जिसके बीच उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। इंडीआईआई अमहदाबाद 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दो दिन 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता विद्वानों और अवश्यक; उद्यमिता विज्ञा; उद्यमिता पारिस्थितिकों तंत्र, भौतिक्यान और उद्यमिता, एमएसएमवै उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हरित और स्थायी उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता, प्रानीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। डॉ. सुनील शुक्ला, डाक्टरेक्टर जनरल, इंडीआईआई ने कहा कि द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार हुनिया भर के शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक मंच प्रदान करता है, जिसके बीच अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Shah Bulletin

New Delhi

27/02/2025

03

हर्डीआर्हआर्ह द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का तीन दिवसीय 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टी. वी. राव लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

देहरादून। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थानए अहमदाबाद का तीन दिवसीय 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं एं शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। सम्मेलन के दौरान 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. टी.वी. राव ए पठन्डर और चेयरमेन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थानए अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. सुनील शुक्ला डायरेक्टर जनरल ईडीआईआई ने कहा द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Dainik Bharat Vichar
Dehradun
27/02/2025
04

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

देहरादून, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। ५%उद्यमिता% पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है जोकि ये उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता परिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एनएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और नूत्र्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; गांगीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उदाम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.बी. राव, फाउन्डर और डेयरमेन, टी.बी. राव लर्निंग सिस्टम्स

प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच नारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने और नवाचारों को साझा कर सकें जो कहा, भूजा जी की मतिरील उद्यमिता की जटिलताओं को समझने



अर्धवर्षस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। ऐसा लाकर, यह मंच शोध निष्कर्ष के प्रसार नाना है कि उद्यमिता एक निश्चन है, को खुगम बनाता है,

एक शक्तिशाली बल जहां व्यक्ति वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक बेहतर नविष्य का निर्माण करते हैं।

सम्मेलन को संशोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, भूद्विवार्षिक

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Pioneer
Ahmedabad
28/02/2025

10

ईडीआईआई का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिखाविदों और अन्यासकर्ता के लिए एक मंथ है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता, एमएसएमई उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हरित और स्थायी उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमैन, टी. वी. राव लर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिखकों को एक मंथ प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Hindustan

Ahmedabad

28/02/2025

15

उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,
अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-
दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू
हुआ। 'उद्यमिता' परआधारित तीन दिवसीय सम्मेलन
28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन
शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए
एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों
में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Rashtriya Swaroop

Ahmedabad

28/02/2025

10

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद का 3-दिवसीय 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को शुरू हुआ। उद्यमिता परआधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. टी.बी. राव फाउन्डर और चेयरमैन टी. बी. राव लॉर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अग्रणी शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ लाकर, यह मंच शोध निष्कर्ष के प्रसार को सुगम बनाता है, नए दृष्टिकोणों को बढ़ावा देता है और उद्यमशीलता के भविष्य को आकार देता है, इस प्रकार इच्छुक उद्यमियों को सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ सशक्त बनाता है।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Pudhari

Mumbai

28/02/2025

04

ईडीआयआय परिषदेला प्रतिसाद

मुंबई : भारतीय उद्योजकता विकास संस्था (ईडीआयआय) १६ वी द्वैवार्षिक परिषद २६ फेब्रुवारी रोजी संस्थेच्या कॅम्पसमध्ये मुरु झाली. 'उद्योजकता' या विषयावरील तीन दिवसीय परिषद २८ फेब्रुवारी रोजी संपेळ. ही परिषद संशोधक, शिक्षणतज्ज्ञ आणि व्यावसायिकांना उद्योजकता विकासाच्या विविध क्षेत्रांमध्ये त्यांचे संशोधन अभ्यास आणि निष्कर्ष सामायिक करण्यासाठी एक व्यासपीठ आहे. या परिषदेदरम्यान, उद्योजकता सिद्धांत आणि सराव, उद्योजकता शिक्षण, उद्योजकता परिसंस्था, मानसशास्त्र आणि उद्योजकता, एमएसएमई उद्योजकता, तंत्रज्ञान आणि डिजिटल उद्योजकता, स्टार्टअप आणि नवोन्मेष, हरित आणि शाश्वत उद्योजकता, सामाजिक उद्योजकता, संस्कृती, परंपरा आणि मूल्य-आधारित उद्योजकता, महिला उद्योजकता, ग्रामीण उद्योजकता आणि नवोन्मेष उद्योजकता आणि नवीन उपक्रम निर्मिती आणि कुंतुब व्यवसाय या विषयांवर ९ हून अधिक देशांतील विद्वानांचे १४८ शोधनिबंध आणि अभ्यास सादर करण्यात आले. या परिषदेचे उद्घाटन प्रमुख पाहुणे, (डॉ.) टी. व्ही. राव आणि लर्निंग सिस्टम्स प्रायव्हेट लिमिटेड, अहमदाबादचे संस्थापक आणि अध्यक्ष आणि इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबादचे माजी प्राध्यापक, टी. व्ही. राव यांनी केले.

PUBLICATION NAME :

Utrrshakti

EDITION :

Mumbai

DATE :

28/02/2025

PAGE :

05

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

मुंबई। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ताओं के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता, एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और हिंजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हरित और



का उद्घाटन मुख्य अधिथ, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फारन्डर और चेयरमैन, टी. वी. राव लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PUBLICATION NAME : Mumbai Lakshdeep
EDITION : Mumbai
DATE : 28/02/2025
PAGE : 06

ईडीआयआय कडून उद्योजकतेवर १६ व्या द्वैवार्षिक परिषदेला उत्स्फूर्त प्रतिसाद

मुंबई, दि. २४ : आरनीय उद्योजकता विकास चॅरिटी (ईडीआयआय) १६ वी द्वैवार्षिक परिषद २४ फेब्रुवारी रोजी संस्थेच्या कॅम्पसलाई गुरु झानी 'उद्योजकता' या विषयाबाबील तीन दिवसीय परिषद २४ फेब्रुवारी रोजी सोले. ही परिषद रंशीधक, शिक्षणकऱ्या आणि व्यावसायिकोंना उद्योजकता विकासात्मक विविध दोप्रांग घटव्या व्यावरे संशोधन अभ्यास आणि निष्कार्य सामाजिक करण्यासाठी एक व्यासपीठ आहे.

या परिषदेकरम्यान, उद्योजकता लिहांत आणि सराव, उद्योजकता शिक्षण, उद्योजकता परिसंवेदन, मानवराशाखा आणि उद्योजकता, हमाइलएमई उद्योजकता, टंबडाळ आणि डिजिटल उद्योजकता, स्टार्टअप आणि नवोनेह, हरित आणि शास्त्र उद्योजकता, सामाजिक उद्योजकता, संस्कृती, पंथरा आणि मूळ-आधारित उद्योजकता, महिला उद्योजकता, शास्त्रीण



उद्योजकता आणि नवोनेह उद्योजकता आणि नवोनेह उपक्रम विभिन्नी आणि कुटुंब व्यवसाय या विषयांवर १ हन अधिक देणातील विड्यानाचे १४८ शोधनिवंद्य आणि अभ्यास साक्षर करूनकात आले. या परिषदेचे उद्घाटन प्रमुख पात्रांने, (डॉ.) टी. व्ही. राव आणि लिंगम सिरटम्हा प्रावर्हेंट लिनिटेंट, अहमदाबादचे संस्थापक आणि अध्यक्ष आणि इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबादमाझी प्राध्यायक, टी. व्ही. राव मानी केले. ते महाराष्ट्र, आजव्या वेवाचान अर्थव्यवस्थेत, आर्थिक वाढ आणि व्यावसायिक प्रवर्तीला

यालना देण्यासाठी उद्योजकता विकास महत्वाचा आहे. माझा विश्वास आहे की उद्योजकता हे एक व्यव आहे, एक शक्तिशाली शक्ती आहे जिसे व्यक्ती वास्तविक जलातील समस्या सोडक्यासाठी तंत्रज्ञान आणि नवोनेहाचा लापर करतात, सर्वसाठी यांगासे भविष्य निर्माण करतात. या दोप्रांगे महत्व लक्षात घेला. उद्योजकता प्रोत्साहनावर परिणाम करण्यासाठी नियमित संशोधन आणि धोरणामुळे गमधर्म करणे महत्वाचे आहे. हे एक अद्वितीय व्यासपीठ आहे. मला झाली आहे की परिषदेतील खुलासे उद्योजकतेवर रक्षानीय परिणाम करतील.

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Aple Samrajya
Mumbai
28/02/2025
07

ईंडीआयआय कडून उद्योजकतेवट १६ चा द्वैपार्षिक परिषदेला उत्सृत प्रतिसाद



प्रतिकार तक, यह विश्वास उन्हीं
की उत्तमताएँ हैं। वह अब भी उन्हें
एक दर्शकालीन सभी जीवों के
बच्ची बनाना चाहती रहती है। इसका
महत्वानुसारी लक्षण यह है कि
जीवों के बाहर विश्व
प्राप्ति की पारी बहुत लंबी रहती है।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

मुंबई। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है जिसके द्वारा उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निकर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता परिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता, एमएसएमई उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हरित और स्थायी उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, संस्कृति, परपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फार्डर और चेयरमैन, टी.वी. राव लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि उद्यमिता एक मिशन है, एक शक्तिशाली बल जहां व्यक्ति वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नियमित अनुसंधान और नीति बनालत करना महत्वपूर्ण है। यह एक अनुष्ठान मंच है। मुझे विश्वास है कि सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले मुद्दे उद्यमिता के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

मुख्यमंत्री भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी की समयावधि के पूर्वीसार में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर अध्यापिता शीन दिव्यांशुप मम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन ईश्वरकांड, जिल्हाजिली और अन्यस्थानों के लिए एक मैदान है जिसके द्वारा उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने लोक अवधारणा और नियन्त्रण साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 में उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोगन कर रहा है।

सम्मेलन के द्वारा, 9 से अधिक देशों के विद्यार्थी द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और अवधारण, उद्यमिता विकास, उद्यमिता परिवर्तनों की जीवन संतोषिताओं और उद्यमिता, एसएसएसई उद्यमिता, श्रीकोणियों और डिजिटल उद्यमिता, स्टडीआर्ग और नवाचार; इनित और स्वयं उद्यमिता, सामर्थ्यिक उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और सूचन अवधारणा उद्यमिता, महिला उद्यमिता, आमोग उद्यमिता एवं नवाचार उद्यमिता और नए उद्यम निवेदित और प्रतिवर्तिका

विवरण के लिए एप्रिल 14 तक द्वारा और अन्यकाल प्रारूपित किया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन सुन्दर अधिवेश, प्रोफेसर (डॉ.) डॉ. चंद्रशेखर जवाल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकालीनों और विद्यार्थी ने एक मैदान प्रदान करता है, जिसके लिए अपने विद्यार्थी और विद्यार्थी ने एक मैदान प्रदान करता है, जिसके लिए उद्यमिता विकास सम्बन्धी अवसरावाद और भवतील प्रवर्षण सम्बन्धी अवसरावाद के पुरुष प्रोफेसर द्वारा किया रखा। उन्होंने कहा, आज की जीविती में उद्यमिता अविवादित है, उद्यमिता विकास और व्यावसायिक उन्नति को प्राप्त करने के लिए उद्यमिता विकास महायजुर्ण है। देश बनाने के लिए उद्यमिता एक विश्वास है, एक जीविती की जीवन विश्वास की जीवन विश्वास है। और उद्यमिता के विकास जीवन की आवश्यक देता है, इस प्रकार हजार उद्यमियों को मुफ्त होने के लिए अवश्यक तारे के रथ समाज बनाता है।

उद्यमिता के बाबत के देखते हुए, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, नियमित अनुरूपान और नीति विवरण बनाना महत्वपूर्ण है। यह एक अनुदान मैदान है। मुझे विवरण है कि सम्मेलन में बहुत सिर्फ जाने वाले मुद्रे उद्यमिता के क्षेत्र में सकारात्मक

प्रभाव द्दातें। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुरीन शुक्ला, डॉ. चंद्रशेखर जवाल, ईडीआईआई ने कहा, द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकालीनों और विद्यार्थी ने एक मैदान प्रदान करता है, जिसके लिए अपने विद्यार्थी और विद्यार्थी ने एक मैदान प्रदान करता है, जोकि विद्यार्थी और विद्यार्थी ने एक मैदान प्रदान करता है, जिसके लिए उद्यमिता विकास सम्बन्धी अवसरावाद और भवतील प्रवर्षण सम्बन्धी अवसरावाद के पुरुष प्रोफेसर द्वारा किया रखा। उन्होंने कहा, आज की जीविती में उद्यमिता विकास और व्यावसायिक उन्नति को प्राप्त करने के लिए उद्यमिता विकास महायजुर्ण है। नए उद्यमिता की जीविती की जीवन विश्वास है। और उद्यमिता के विकास जीवन की आवश्यक देता है, इस प्रकार हजार उद्यमियों को मुफ्त होने के लिए अवश्यक तारे के रथ समाज बनाता है।

उद्यमिता के भाग के रूप,

उद्यमिता विकास में विद्यार्थी जीवन विवरण

करने के लिए यहां आमतर्फ़ समिति विवरण

द्वारा कटाते वॉन्कलोप भी आयोजित किया गया। देश वर के विवरणितालम्बी नए प्रतिवर्तिका विवरण गया, जिसका संचालन प्रोफेसर (डॉ.) हरियल चौधरी, डॉ. चंद्रशेखर जवाल, ईडीआईआई प्रिलियों ने दिल्ली वे किया। प्रैनिंग्स में प्रोफेसर (डॉ.) दीपक कुमार वीवानदा, डॉ. चंद्रशेखर, भारतीय प्रबंधन संस्थान लंबी, प्रोफेसर (डॉ.) रघुवर शुक्ला, डॉ. चंद्रशेखर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान लंबीनदर, प्रोफेसर (डॉ.) रामेश के, गवल, लंबी लंबी, शुक्ला टेक्नोलॉजिकल, चौधरींटी, अहमदाबाद, प्रोफेसर (डॉ.) रघुवी चौधरी, अडानी बुनियादी, अहमदाबाद, और प्रोफेसर (डॉ.) रामेश शुक्ला, डॉ. चंद्रशेखर, नेशनल इंस्टीट्यूट अंक नेशन टेक्नोलॉजी, लंबीनदर लंबीत है।

3.15 लाख करोड़ पहुंच सकता है बजट का आकार, बीतीश सरकार देगी 2 लाख नौकरियाँ।

पढ़ा। इस बात विवरण का बजट तीन साल करोड़ रुपयोगी जीवन कर जाएगा। इसमें सर्वाधिक आवश्यन स्थानक और प्रतिक्रिया जीवन के मद में होना

ઇડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યમિતા પર 16વાં દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન આયોજિત

મુંબર્ડી। ભારતીય ઉદ્યમિતા વિકાસ સંસ્થાન, કા 16વાં દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન 26 ફરવરી કો સંસ્થાન કે પરિસર મેં શરૂ હુઅ। 'ઉદ્યમિતા' પર આધારિત તીન દિવસીય સમ્મેલન 28 ફરવરી કો સમાપ્ત હોણા। યહ સમ્મેલન શોધકર્તાઓ, શિક્ષાવિદો ઔર અભયાસકર્તા કે લિએ એક મંચ હૈ તાકિ વે ઉદ્યમિતા વિકાસ કે વિભિન્ન ક્ષેત્રો મેં અપને શોધ અધ્યયન ઔર નિષ્કર્ષ સાજા કર સકેં। ઇડીઆઈઆઈ 1994 સે ઉદ્યમિતા પર દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન કા આયોજન કર રહા હૈ। સમ્મેલન કે દીરાન, 9 સે અધિક દેશો કે વિદ્ધાનોં દ્વારા ઉદ્યમિતા સિદ્ધાત ઔર વ્યવહાર, ઉદ્યમિતા શિક્ષા, ઉદ્યમિતા પારિસ્થિતિકી તત્ત્વ, મનોવિજ્ઞાન ઔર ઉદ્યમિતા, એમસેપ્મેઇ ઉદ્યમિતા; પ્રૌદ્યોગિકી ઔર ડિજિટલ ઉદ્યમિતા, સ્ટાર્ટઅપ ઔર નવાચાર, હરિત ઔર સ્થાની ઉદ્યમિતા; સામાજિક ઉદ્યમિતા; સંસ્કૃતિ, પરંપરા ઔર મૂલ્ય આધારિત ઉદ્યમિતા, મહિલા ઉદ્યમિતા; ગ્રામીણ ઉદ્યમિતા એવં નવજાત ઉદ્યમિતા ઔર નાએ ઉદ્યમ નિર્માણ ઔર પારિવારિક વ્યવસાય કે વિષયો પર 148 શોધ પત્ર ઔર અધ્યયન પ્રસ્તુત કિએ ગાએ। સમ્મેલન કા ઉદ્ઘાટન મુખ્ય અતિથિ, પ્રોફેસર (ડૉ.) ટી.વી. રાવ, ફાઉન્ડર ઔર ચેયરમેન, ટી. વી. રાવ લર્નિંગ સિસ્ટમ્સ પ્રાઇવેટ લિમિટેડ, અહમદાબાદ ઔર ભારતીય પ્રવાંદ્યન સંસ્થાન, અહમદાબાદ કે પૂર્વ પ્રોફેસર દ્વારા કિયા ગયા। ઉન્હોને કહા, આજ કી ગતિશીલ અર્થવ્યવસ્થા મેં, આર્થિક વિકાસ ઔર વ્યાવસાયિક ઉન્નતિ કો ચલાને કે લિએ ઉદ્યમિતા વિકાસ મહત્વપૂર્ણ હૈ। મેરા માનના હૈ કી ઉદ્યમિતા એક મિશન હૈ, એક શક્તિકાળી બલ જહાં વ્યક્તિ વાસ્તવિક દુનિયા કી સમસ્યાઓ કો હલ કરને કે લિએ પ્રૌદ્યોગિકી ઔર નવાચાર કા લાભ ઉઠાતે હૈનું ઔર સભી કે લિએ એક બેહતર ભવિષ્ય કા નિર્માણ કરતે હૈ। ઇસ ક્ષેત્ર કે મહત્વ કો દેખુતે હુએ, ઉદ્યમિતા કો બઢાવા દેને કે લિએ નિયમિત અનુસંધાન ઔર નીતિ વકાલત કરના મહત્વપૂર્ણ હૈ। યહ એક અનૂઠા મંચ હૈ। મુજબ વિશ્વાસ હૈ કી સમ્મેલન મેં ચર્ચા કિએ જાને વાલે મુદ્દે ઉદ્યમિતા કે ક્ષેત્ર મેં સકારાત્મક પ્રભાવ ડાલેંगે।

ईडीआयआयच्या उद्योजकताच्या १६व्या द्वैवार्षिक परिषदेला उत्सृत प्रतिसाद

मुंबई - भारतीय उद्योजकता विकास संस्था (ईडीआयआय) १६ व्या द्वैवार्षिक परिषद २६ फेब्रुवारी रोजी संस्थेच्या कैम्पसमध्ये सुरु झाली. 'उद्योजकता' या विषयाबरील तीन दिवसीय परिषद २८ फेब्रुवारी रोजी संपली. ही परिषद संशोधक, शिक्षणतंत्र आणि व्यावसायिकाना उद्योजकता विकासाच्या विविध क्षेत्रांमध्ये त्वाचे संशोधन अभ्यास आणि नियन्त्रण सामायिक करण्यासाठी कैम्पसमध्ये त्वाचे संशोधन करतात.

या परिषदेवराम्हान, उद्योजकता मिळाऱ्यांत आणि सराव, उद्योजकता शिक्षण, उद्योजकता परिसरस्था, मानसशास्त्र आणि उद्योजकता, एमएमएमहे उद्योजकता, तंत्रज्ञान आणि डिजिटल उद्योजकता, स्टार्टअप आणि नवोन्मेष, हरित

आणि शाश्वत उद्योजकता, सामाजिक उद्योजकता, संस्कृती, परंपरा आणि मूल्य-आधारित उद्योजकता, महिला उद्योजकता, ग्रामीण उद्योजकता आणि नवोन्मेष उद्योजकता आणि नवीन उपक्रम निर्मिती आणि कुटुंब व्यवसाय या विषयावर ९ हजार अधिक देशांतील विद्यार्थ्यांचे १४८ शोधनिवंध आणि अभ्यास सादर करण्यात आले.

या परिषदेचे उद्योगठन प्रमुख पाहुणे, (डॉ.) टी. बी. राव आणि लानिंग विस्टम्ब प्रायव्हेट लिमिटेड, अहमदाबादचे संस्थापक आणि अध्यक्ष आणि इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ मॅनेजमेंट, अहमदाबादचे माजी प्राच्यापक, टो. बी. राव यांनी केले,

ते महणाले की, आजच्या वेगवान अर्धव्यवस्थेत, आर्थिक वाढ आणि व्यावसायिक प्रगतीला चालना देण्यासाठी उद्योजकता विकास महत्वाचा आहे. माझा विश्वास आहे की उद्योजकता हे एक घेय आहे, एक शक्तिशाली शक्ती आहे जिये व्यक्ती वास्तविक जगातील समस्या सोडवण्यासाठी तंत्रज्ञान आणि नवोन्मेषाचा वापर करतात, संवर्द्धाची चांगले भविष्य निर्माण करतात. या क्षेत्राचे महत्व लक्षात घेता, उद्योजकता प्रोत्पादनावर परिणाम करण्यासाठी नियमित संशोधन आणि घोरणात्मक समर्थन करणे महत्वाचे आहे, हे एक अद्वितीय व्यापीषीट आहे. मला खात्री आहे की परिषदेतील गुलाब सुलाब साठी उद्योजकतेवर लक्षणीय परिणाम करतील.

या मञ्चव्याला संबोधित करताना, ईडीआयआयचे महासंचालक डॉ. सुरील शुक्ला महणाले की, द्वैवार्षिक परिषद जगभरातील संशोधक आणि शिक्षकांना उद्योजकतेच्या गुरुतार्गती समजून घेण्यासाठी नहत्वाचे असलेले त्वाचे विचार आणि नवोपक्रम सामायिक करण्यासाठी सातत्याने एक व्यापीषीट प्रदान करते. आधारीचे संशोधक आणि शिक्षकांना एकत्र आणून, हे ज्ञानसंग्रह संशोधन सुलाबाब्द प्रसार सुलभ करते, नवीन दृष्टिकोनांना चालना देते आणि उद्योजकतेचे पद्धतीचे भविष्य बढवते, अशा प्रकारे इच्छुक उद्योजकांमा यशस्वी होण्यासाठी आवश्यक असलेल्या ज्ञानाने सक्षम करते.



ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

मुंबई। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी का समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अध्यासकर्ताओं के लिए एक मैच है जो उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निकर्पण साझा कर सके। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता मिट्टुत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिविकासी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाइनडर और चेयरमैन, टी. वी. राव लॉर्निंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, आज की नवीशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Hamara Mahanagar

Mumbai

02/03/2025

05

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन् आयोजित

मुंबई। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाकिंवदों और अभ्यासकर्ताओं के लिए एक मंच है जोकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष सङ्ग्रह कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता परिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता, एमएसएमई उद्यमिता, प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हरित और स्थायी उद्यमिता, स्थानांतरिक उद्यमिता, संस्कृति, परंपरा और मूल्य



आधारित उद्यमिता, महिला उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, फाउन्डर और चेयरमैन, टी.वी. राव लॉन्ग प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Shivner
Mumbai
01/03/2025
04

इंडीआयआय कदून उद्योजकतेवर १६ व्या द्वैवार्षिक परिषदेला उत्स्फूर्त प्रतिसाद

मुंबई : भारतीय उद्योजकता विकास संस्था (इंडीआयआय) १६ वी द्वैवार्षिक परिषद २६ फेब्रुवारी रोनी संस्कृतेच्या वेळपलाशाचे सुरु इवान्हे, उद्योजकता या विविधाकरील नीन डिव्हॅचेय परिषद २८ फेब्रुवारी रोनी परोऱ्या, ही परिषद संशोधक, शिक्षणातन्त्र आणि ज्ञानवायिकांना उद्योजकता विवासात्म्या विविध क्षेत्रांमध्ये त्याचे संशोधन अभ्यास आणि निष्कर्ष सामान्यक लक्ष्यासाठी एक व्यासपौढ असे.

या परिषदेवराम्यान, उद्योजकता विष्णुवीत आणि स्वाक्षर, उद्योजकता शिक्षण, उद्योजकता परिसंसंघ, मानसशास्त्र आणि उद्योजकता, एकांकांकांकांक उद्योजकता, तवजान आणि डिजिटल उद्योजकता, स्टार्टअप आणि नवीननवीन उद्योजकता, सामानिक उद्योजकता, संस्कृती, परंपरा आणि मूल्य-आधारित उद्योजकता, महिला उद्योजकता, आमीग उद्योजकता आणि नवीननवीन उद्योजकता आणि नवीन उपक्रम निर्बोटी आणि कुंतुंष व्यवसाय या विषयांवर ९ हून आधिक वेळांतील विद्वानांचे १६८ शोधनिक्षेप आणि अभ्यास साधन करत्यात असले.

या परिषदेचे उद्घाटन प्रमुख पालुणे, (डॉ.) टी. व्ही. राव आणि नविंग



मिस्टरम्यास प्रायव्हेट लिमिटेड, अहमदाबादचे संस्कृतापक आणि अध्यक्ष आणि द्वैवार्षिक इन्स्टिट्यूट ऑफ मिनिमेट, अहमदाबादचे मानी प्रायव्हेट, टी. व्ही. राव यांनी केले, ते महागाले, आजच्या वेगवान अर्थव्यवस्थेत, आर्थिक वाढ आणि व्यावसायिक प्रगतीला चालना वेण्यासाठी उद्योजकता विकास महत्याचा आहे. माझा विष्वास आहे की उद्योजकता हे एक खेळ आहे, एक गविंशाली शक्ती आहे याचे व्यवस्था वास्तविक नगातील समस्या सोडवण्यासाठी तंत्रज्ञान आणि नवीननवीन व्यापार करतात, स्वीकृताती चांगले भवित्व निर्माण करतात, या क्षेत्रांने महात्म लक्षात घेता, उद्योजकता प्रोत्साहनावर परिणाम करत्यासाठी नियमित संशोधन आणि घोषणामुळे समर्थन करणी महत्याची आहे, हे एक

अंतीम व्यासपौढ आहे, मजा म्हावी आहे की परिषदेतील स्वूलासे उद्योजकतेवर लक्ष्याची परिणाम करतील.

या मेलव्याळ संवेदित करताना, इंडीआयआय चे महालंबालक ठें, सुनेल शुक्रवार महागाले, द्वैवार्षिक परिषद जगभरातील संघो घेव आणि शिक्षकांना उद्योजकतेच्या गुंतालुंती समान्य घेण्यासाठी महत्याचे असलेले त्याचे विचार आणि नवोपक्रम सामान्यक व्यावसायी समाजाने या व्यासपौढ प्रवान करते. आधारांने संशोधन आणि विकासात तज्ज्ञ असून, हे व्यापक रूपेन्द्री नियमांचा प्रसार सुरक्षा करते, नवीन वृत्तिशास्त्रांचा वाताना देते आणि उपायांची फलांतीचे भवित्व घडवते, अशा प्रकारे हजुरुक उद्योजकता यांच्याची होण्यासाठी आवश्यक असलेलेच जनाने सहमा वरते.

इंडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर
16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित



ज्ञानगत समस्याएँ, विद्यमानादि के पूर्ण प्रोफेशनल द्वारा किये जाते हैं। उन्होंने कहा, आज की गतिशीलता अवृद्धिकालीन में, आर्थिक विकास के और विद्यमानादि के उन्नति के बढ़ने के लिए उत्तमिता विकल्प नहीं उपलब्ध हैं। ऐसा मानना है कि उत्तमिता एक गिराव है, एक गतिशीलता वाल वहाँ व्यक्ति विद्यमानादि दुर्लिङ्ग की समस्याओं को हल करने के लिए द्विमोर्गीयी और नवाचार का लाभ उठाने हैं और सभी के लिए एक विशेष परियोग विकल्प करता है। इस केंद्र के महान् जो देखा गया है, उत्तमिता को बड़ावा देने के लिए नियमित अनुभवानं और नीति कागजात करने वाली उपलब्ध है। यह एक अनुष्ठान है। मुझे विश्वास है कि इसके बाद वहाँ किया जाने वाले मुद्रे उत्तमिता के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव दर्शायें। सम्भवतः वो राशीशिंह वर्ष हुए हैं जो गुरुपूर्ण शुक्रवार, दायर्य वृष्टि वर्ष जैसा वर्ष, ईश्वरीजीवाहा ने कहा, द्वितीयिता विद्यमान लगातार दुर्लिङ्ग मर और शोषणाद्वारा और विद्यमानों को एक नये प्रयत्न करना है, ताकि वे अपने विद्यमानों और न्यायालों जो सदा कर रहे थे वो उत्तमिता की अटिलालीकों को बांधने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अपनी शोषणाद्वारा और शिक्षणों को एक लाभ लाना, यह वाय शोषण विश्वर्थ के प्रस्ताव को सुनाया बनाता है, जहाँ उत्तमित्वाद्वारा को बड़ावा देता है और उत्तमित्वाद्वारा

हे भविष्यत् पाणे अकाल देता है, इस प्रकार इन्हें उत्तमव्यों को सफल होने के लिए जागरूकता के साथ साकाश बनाना है। मध्यमव्यों के बागे के संपर्क त्रिवित्ति तिक्ता विनायकार्यों पर वज्रों कलाने के लिए पाठ्यालय चासलने जागरूकतामें प्रबोचन भी ज्ञानविद्या द्वारा दिया गया। देख भर के विश्वविद्यालयों का प्रतिविधिपूर्वक विद्या वापर, विद्यालय सञ्चालन लोकसभा (दी) द्वारा दिया गया विवेदी, डाक बटर जनरल, अंडमान-निकोबार इलास्ट्रेटेड डिल्टी, नई डिल्टी में किया। पैनजिस्ट में लोकसभा (दी) दीपक कुमार चौधरीलाल, अंडमान, नालिटी जनान राजनीति राजीव शंकर राज (दी) राजनीति, अंगरेज रेल, भारतीय राजनीतिगती संस्करण गणपतियाराम लोकसभा (दी)। राजनीति के गणराज, बड़ठा वाराणसी, गुरुग्राम टॉपीलोकलिंग गुरुग्रामी, अहमदाबाद व लोकसभा (दी)। राजीव गी शिव, ग्रामपारद, भारतीय राजनीतिगती, अहमदाबाद व लोकसभा (दी)। राजीव गोपनीय (दी) समीक्षा सूची, अंगरेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉम्प्यूटिंग्स, नालीननंद राजनीति आदि।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Mumbai Amardeep
Mumbai
28/02/2025
02

ईंडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16 वां
द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित!



प्राप्ति, ज्ञानका विषय, अवधारणाका
विषय, ये दोनों के विषय-विवरण में
प्रोत्साहन (प्र.) देखने कुछ विवरण,
ज्ञानका प्राप्ति विषय सामग्री वहीं
प्रोत्साहन (प्र.) लाभ विषय-विवरण,
प्राप्ति विशेषज्ञानों का संबंध विवरण-
प्रोत्साहन (प्र.) लाभ के विषय, ज्ञान
विषय, उच्चता एवं विशेषज्ञान का
विशेषज्ञान, अवधारणा, प्रोत्साहन (प्र.)
परि विषय, गोपनीय, ज्ञानका पूर्णविशेषज्ञान,
ज्ञानविषय, ज्ञान विषय (प्र.) सभी
पूर्ण विषय, ज्ञान का हालात-विषय एवं ज्ञान
विवरण-विषय, ज्ञानका विषय में।

पूर्व प्रधानमंत्री भारतर
को मराठी में अन



**PUBLICATION NAME :
DATE :
PAGE :**

Nirmal Metro
01/03/2025
03

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન

અંજનની દસ્તા

અન્ટરપ્રિન્સોરિઝિય ડેવલપમેન્ટ ઇન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ ઈન્જિનિયરિંગ એન્ડ ટેકનોલોજી (ઈડીઆઈઆઈ), અમદાવાદની ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (૩-દિવસીય) ૨૬ ફેબ્રુઆરીને સંસ્થાના પરિસરમાં શરૂ થઈ. 'ઉદ્યોગસાહસિકતા' પર આપારિત નાના દિવસીય સંમેલન ૨૮ ફેબ્રુઆરીને સમાપ્ત થશે.

આ સંમેલન સંશોધકો, શિક્ષકોએ અને અભ્યાસકર્તા માટે એક મંચ છે જેવી ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસના વિવિધ ક્ષેત્રોમાં નેમના સંશોધન અભ્યાસો અને નારથોરીપર કરી શકે છે. ઈડીઆઈઆઈ ૧૬૮૪થી ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આપોજન કરી રહ્યું છે.

સંમેલન દરમિયાન, દર્શી વર્પુટેશેના વિકાસનો દારા ઉદ્યોગસાહસિકતા સિન્ફોન



અને વ્યવહાર; ઉદ્યોગસાહસિકતા શિક્ષણ; ઉદ્યોગસાહસિકતા ઈકોસિસ્ટમ્સ મનોવિજ્ઞાન અને ઉદ્યોગસાહસિકતા; અમલેસાયેમાઈ ઉદ્યોગસાહસિકતા; ટેકનોલોજી અને ડિજિટલ ઉદ્યોગસાહસિકતા; સ્ટાર્ટઅપ અને હનોવેશન; હરિત અને સતત ઉદ્યોગસાહસિકતા; સામાજિક ઉદ્યોગસાહસિકતા; સંસ્કૃતિ, પરંપરા અને મૂલ્ય આપારિત ઉદ્યોગસાહસિકતા; મહિલા ઉદ્યોગસાહસિકતા; આમીયુનિયન ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવજીત ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવાચ સાહસ સર્જન અને કોર્પુબિક વ્યવસાય જેવા

વિષયો પર ૧૪૮ સંશોધન પત્રો અને અભ્યાસો રજૂ કરવામાં આવ્યા.

સંમેલનનું ઉદ્ઘાટન મુખ્ય અનિવિષ્ટ, પ્રોફેસર (ડૉ.) ટી.વી. રાવ, કાઉન્સિલર અને ચેયરમેન, ટી. વી. રાવ લાર્નિંગ સિસ્ટમ્સ પ્રાઇવેટ લિમિટેડ, અમદાવાદ અને જારીય પ્રાઇવેટ સંસ્થાન, અમદાવાદ ભૂતપૂર્વ પ્રોફેસર દ્વારા કરવામાં આવ્યું. તેમણે જાણાવ્યું હતું કે, "આજના ગતિશીલ અંકેને માટે, આવિષ્કાર અને વ્યાવસાયિક પ્રગતિને આગળ ચંચારવા માટે ઉદ્યોગસાહસિકતાનો વિકાસ નિર્ધારયક છે. હું માનું છું કે ઉદ્યોગસાહસિકતા એક મિશન છે, એક શક્તિસાધી બળ છે જીવાં વ્યક્તિનો વાસ્તવિક દુનિયાની સમસ્યાઓ ઉકેલવા માટે ટેકનોલોજી અને નવીનતાનો વાયુ ઉદ્ઘાટને બધા માટે વર્પુસારા વિવિધનું નિર્માણ કરેશે.

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

Suryakal

Ahmedabad

28/02/2025

06

ઇડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉધોગ સાહસિકતા ઉપર કંગ્રેસ સંમેલનનું આયોજન

અમદાવાદ, શુક્રવાર

બેઠકથી પ્રારંભિત હતી એવી પ્રોફેસિયલ ટેકનોલોજીની વિદ્યા, અમદાવાદની કદમી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (ઉદ્ઘોગસાહસિકતા) રેન્ચ એથ્યુઅન્ડાઈઓ સંસ્થાના પરિસરમાં શરૂ થઈ. 'ઉદ્ઘોગસાહસિકતા' પર આપારિત ગત દ્વિવરીય સંમેલન રેન્ચ એથ્યુઅન્ડાઈઓ સમામ થશે. આ સંમેલન સંશોધકો, વિસ્તારીઓ અને અમદાવાદની માટે એક મંચ છે જેથી ઉદ્ઘોગસાહસિકતા, વિકાસના વિવિધ કોન્ટોમાં તેમના સંશોધન અન્યાસો અને તારફો રોધર કરી શકે છે.

ઈ ડી આઈ આઈ એથ્યુઅન્ડાઈ ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આપોજન કરી રહ્યું છે.

સંમેલન દરમિયાન, દર્શી વર્ક ડેશોન્સ, વિડાનો દ્વારા ઉદ્ઘોગસાહસિકતા સિદ્ધાંત અને વિવાહાર; ઉદ્ઘોગસાહસિકતા



વિશાળ; ઉદ્ઘોગસાહસિકતા ઈકોલિસ્ટસમ; મનોવિજ્ઞાન અને ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા; એમાંથી માટે ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા; ટેકનોલોજી અને ડિજિટલ ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા; સ્ટાર્ટઅપ અને હિનોવેશન; ઇરિન અને સતત ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા; સામાજિક ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા; સંસ્કૃતિ, પરંપરા અને મૂલ્ય આપારિત ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા; મહિલા ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા; જામીલ ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા અને નવજાત ઉદ્ઘોગસાહસિકતા અને નવા સાહસ સર્જન અને કોટુંબિક વ્યવસાય જેવા વિષયો પર ૧૪૮ સંશોધન પત્રો અને અન્યાસો રજૂ કરવામાં આવ્યા. સંમેલનનું ઉદ્ઘાટન મુખ્ય અતિવિશેષ પ્રોકેસર (ડૉ.) ડી.વી.

રાચ, કાર્બિન્ડર અને બેન્યુરોન,

ટી. વી. રાજ બર્નિગ સિસ્ટમ્સ

પ્રાઇવેટ લિમિટેડ, અમદાવાદ

અને બારતીય પ્રભેન સંસ્કૃતા,

અમદાવાદના ભૂતપૂર્વ પ્રોકેસર

દ્વારા કરવામાં આવ્યું, તે માટે

જાણાવ્યું હતું કે, "આજના ગતિશીલ અભિવૃત્તિમાં, આધ્યિક

પ્રદીપ અને વ્યાવસાયિક પ્રગતિને

આગળ વધારવા માટે ઉદ્ઘોગ સાહસિકતાનો વિકાસ નિર્ણાયક

છે. હું માનું છું કે ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા એક મેધિની છે, એક

મંચ પૂર્ણ પાડે છે, જેથી તેમો

તેમના વિચારો અને નવીનતાઓ

શેર કરી શકે જે ઉદ્ઘોગ સાહસિકતાની ફિલીબતાનોને

સમજવા માટે મહત્વપૂર્ણ છે.

અનેજાં સંશોધકો અને શિક્ષકોને

એક સાથે વાલીને, આ મંચ

સંશોધન તારસોના પ્રસારને

સરળ અનાવે છે, નવા

નિયંત્રણોને પ્રોત્સાહન આપે છે

અને ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા

અવિષ્યાને આકાર આપે છે,

આમ મહત્વાકાંક્ષા

ઉદ્ઘોગસાહસિકોને સફળ બચા

માટે જરૂરી શાન સાથે સારકાત

અને મને ખોત્સી છે કે પરિપદના

તારસોનું ઉદ્ઘોગસાહસિકતા પર

નોંધપાન પ્રભાવ પાડશે."

સંમેલનને સંખોધતા, ડૉ.

સુનિલ શુક્રા, ડાયરેક્ટર

જનરલ, ઇડીઆઈઆઈને

જાણાવ્યું હતું કે, "દ્વિવાર્ષિક

પરિષદ સતત વિશ્વભરના

સંશોધકો અને શિક્ષકો માટે એક

મંચ પૂર્ણ પાડે છે, જેથી તેમો

તેમના વિચારો અને નવીનતાઓ

શેર કરી શકે જે ઉદ્ઘોગ સાહસિકતાની ફિલીબતાનોને

સમજવા માટે મહત્વપૂર્ણ છે.

અનેજાં સંશોધકો અને શિક્ષકોને

એક સાથે વાલીને, આ મંચ

સંશોધન તારસોના પ્રસારને

સરળ અનાવે છે, નવા

નિયંત્રણોને પ્રોત્સાહન આપે છે

અને ઉદ્ઘોગ સાહસિકતા

અવિષ્યાને આકાર આપે છે,

આમ મહત્વાકાંક્ષા

ઉદ્ઘોગસાહસિકોને સફળ બચા

માટે જરૂરી શાન સાથે સારકાત

અનાવે છે."

PUBLICATION NAME :

Samay Sauno

DATE :

01/03/2025

PAGE :

03

ઈડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્યોગસાહસિકતા પર ૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલનનું આયોજન

એકાંક્ષા શાલ્ય

અન્નાદેવિન્યોગસિપ ડેવલપમેન્ટ
ઓફિસ્ટલાઈન ઓફિસિયલ (ઈડીઆઈઆઈ), અમદાવાદની
૧૬મી દ્વિવાર્ષિક સંમેલન (૩-
દિવસીય) રદ કેન્દ્રભૂતીને સંસ્કારના
પરિસરમાં શરૂ થઈ.
‘ઉદ્યોગસાહસિકતા’ પર આપારિત
નજી વિવસીય સંમેલન ૨૮
કેન્દ્રભૂતીને સંસ્કાર કરી, આ સંસ્કારન
સંખ્યાચોલ, વિસ્તૃતિદ્વારા અને
અન્યાન્યાં માટે એક મંજુષ છે જેણી
ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસન વિષય
અને સેમના લંઘાયા અન્યાન્યાં
અને તારસી સ્થાપન કરી શકે છે.
ઈડીઆઈઆઈ ૧૬લાંબી
ઉદ્યોગસાહસિકતા પર દ્વિવાર્ષિક
સંમેલનનું આયોજન કરી રહ્યું છે.

સંમેલન દરમિયાન, દર બી રહ્યું
દેશાંના વિકાસનો દ્વારા
ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસન અને
અભિવ્યક્તિ; ઉદ્યોગસાહસિકતા વિકાસન;
ઉદ્યોગસાહસિકતા હોસ્પિટાલ;
માર્ગદર્શિકાનાં અને ઉદ્યોગસાહસિકતા;
અમદાવાદની ઉદ્યોગસાહસિકતા; ટેકનોલોજી
અને નવીનતાની સામાન્ય ઉકાળીની રૂપી
માટે વ્યૂ આચાર માર્ગદર્શિકાનું
અને ઉદ્યોગસાહસિકતા; માર્ગદર્શિકાનાં
અને ઉદ્યોગસાહસિકતાની પ્રાત્યક્ષાન
અને નવીનતાની સામાન્ય પરિષ્કાર
અને મુખ્ય આપારિત
ઉદ્યોગસાહસિકતા; મહિલા
ઉદ્યોગસાહસિકતા; ચાર્ચાની
ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવીનતાના
ઉદ્યોગસાહસિકતા અને નવી સાધારણ
સર્હેન અને સ્ટુડિઓ અભિવ્યક્તિ જેણા
વિષયો પર ૧૪૮ સંસ્કૃતન પત્રો અને
આધ્યાત્મિક રજૂ કરેલામાં આવ્યાં.

સંમેલનનું દ્વારાનુભૂત અતિષ્ઠ,
મોકદદ (દી.) સી.બી. રાહ, કાર્ડિના
અને કેપરમેન, ડી. બી. રાહ બર્નિંગ
સિસ્ટર્સની પ્રાઇવેટ વિભિન્ને,
અમદાવાદ અને માર્ગદર્શિકાની
સંસ્કારન, અમદાવાદના ભૂતપૂર્વ
પ્રક્રિયા દ્વારા કરવામાં આવ્યું, તમણે



જીથીનું હતું કે, “આજના જીવિતની અધ્યાત્મિક, આર્થિક વૃત્તિ અને
ઉદ્યોગસાહસિક પ્રયત્નની આનંદ વિશ્વાસ
માટે ઉદ્યોગસાહસિકતાની વિકાસ
નિર્ણયક છે. તું માર્ગ હું કે ઉદ્યોગસાહસિકતા એક મિશન છે,
એક શક્તિકાળી જીવ છે જ્યાં
વિકિંગની વાસ્તવિક દુનિયાની
અભિવ્યક્તિઓ ઉકેલા હાટ ટેકનોલોજી
અને નવીનતાની સામાન્ય ઉકાળીની રૂપી
માટે વ્યૂ આચાર માર્ગદર્શિકાનું
કરે છે. આ એક અનુભૂતિ માટે જ્યાં
માતરી હું કે પરિષ્કાર નારાણો
ઉદ્યોગસાહસિકતા પર નોંધાયાન
પ્રયત્ન પદ્ધતિ. ”સંમેલનને સંભોગાલા,
ડી. સુનિલ શેઠાલ, પ્રયરેક્ટર જનરલ,
ઈડીઆઈઆઈની જ્યાંથી હતું કે,
“દ્વિવાર્ષિક પરિષ્કાર સતત વિષયપત્રા
સંસ્કૃતની અને વિકાસની માટે જેણે
પૂર્ણ હાટ છે, જેણી તેણે સેરે કરી શકે છે
ઉદ્યોગસાહસિકતાની અભિવ્યક્તિની
અભિવ્યક્તિ અને પ્રોક્રિયા (દી.)
સમીક્ષા, પ્રયરેક્ટર, નેશનલ
ઈન્સ્ટિટ્યુટ અને કેનેન ટેકનોલોજી,
ગોપીનગર, પોકેસર (દી.) ચાહુલ કે,
ગાંગડ, ચાઈસ ચાન્સેલર, પુજારે
કુનોણાંજકાં, સુનિચાંકાં,
અમદાવાદ, પોકેસર (દી.) રવિ ચી
લિં, કોનોર, જાણી પુનિયાસી,
અમદાવાદ; અને પ્રોક્રિયા (દી.)
સમીક્ષા, પ્રયરેક્ટર, નેશનલ
ઈન્સ્ટિટ્યુટ અને કેનેન ટેકનોલોજી,
ગોપીનગર સાથી જ્યાંથી

પરિષ્કાર નું બીજું એક માત્રાંપૂર્ણ
આચ્યોજન શક્તિકાર્ય સોલોક્વીલ્યમ
હતું, જ્યાં દેશભરના પીઓની
વિજાનો અને એકપીએચ વિદ્યાર્થીનોને
તેમણે સંસ્કારન કર્યું એવું હતું.

ಇಡೀಪವನಿಂದ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ 16ನೇ ದೃವಾಷಿಕ ಸಮೇಳನ ಆಯೋಜನೆ

ಅವಾರ್ಡ್ ಅವಾರ್ಡ್: ಅವಾರ್ಡ್ ಅವಾರ್ಡ್ ಅವಾರ್ಡ್ ಅವಾರ್ಡ್ ಅವಾರ್ಡ್

ಅನ್ನಪುರ್ ಆರ್ ಇಂಡಿಯಾ (ಅರ್ಥಾತ್) ನಿಗದಿಯಾದ ದೃವಾಷಿಕ ಸಮೇಳನ (3
ದಿನಗಳ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ 26ರಂದು ಸಂಸ್ಥೆಯ
ಕ್ಷಾತ್ರ ನ್ನು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಬಹುದು).



'ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ' ಕ್ರಿಂತಾದ ಈ
ಮಾರ್ಚ್ ದಿನಗಳ ಸಮೇಳನವು ಫೆ.28ಕ್ಕೆ
ಸಮರ್ಪಿಸಿದೆ. ಈ ಸಮೇಳನದ
ಸಂಕೇತಿಕ್ಕು, ಕ್ರೆಡಿಟ್ ಮತ್ತು
ಆಧ್ಯಾತ್ಮಿಕ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ
ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯ ವಿಧಾನಕ್ಕಾಗಿ ಕ್ರಿಂತ
ಅವರ ಸಂಕೇತಿಕ್ಕು ಅಧ್ಯಯನಗಳು
ಮತ್ತು ಭರಿತಾಂಗಳನ್ನು ಪರಿಸರ್ವಿತ
ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದ್ದು, ಅರ್ಥಾತ್ 1994ರಿಂದಬಿ

ಈ ದೃವಾಷಿಕ ಸಮೇಳನವನ್ನು ಅವಿಷಯಿಸುತ್ತದೆ.

ಈ ಸಮೇಳನದ ಸಂರಖಾದರ್ಶ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ ಕ್ಷಾತ್ರ ಮತ್ತು ರೂಪಿ.
ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ ಕ್ಷಾತ್ರ, ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ ಕ್ಷಾತ್ರ, ಮತ್ತು ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ
ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ, ಎಂ.ಎಸ್.ಎಂ.ಎ.ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ, ತಂತ್ರಜ್ಞತ ಮತ್ತು ರಿಜಿಲ್
ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ, ಸ್ಪ್ರಾಗ್ಲಾದ ಮತ್ತು ಆರ್ಥಿಕ, ಪ್ರಾಯ ಮತ್ತು ಸ್ಪ್ರಾಗ್ಲಾರ್ಟ
ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ, ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಸಂಸ್ಕೃತಾಂಗ ಮತ್ತು ಪ್ರೊಫೆಸಿಷನಲ್
ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ, ಮಹಿಳಾ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ, ಸ್ಪ್ರಾಗ್ಲಾರ್ಟ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ ಮತ್ತು
ಹೊಸರನಿಂದ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆ ಮತ್ತು ಯೋಗ ಉದ್ಯಮ ಕ್ಷಾತ್ರ ಪಾಠ್ಯ ಕುರಿತಿರು
ಇವರಾದ 9 ದಿನಗಳ ವಿಘ್ರಹಣಿಯ 148 ಸಂಕೊಳಣೆ ಪ್ರಯಂಭಗಳು
ಮತ್ತು ಅಧ್ಯಯನಗಳನ್ನು ಮಂಡಿಸಬಹುದು.

ಇಡೀವನಿಂದ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ 16ನೇ
ದ್ವೀಪಾಟಿಕ ಸಮ್ಮೇಳನ ಆಯೋಜನೆ



ಅಜಮ್ಯದಾಯಕರು: ಅವರು ದಾಯಕರಾಗಿ ಉತ್ತಮಪ್ರಯತ್ನಗಳಿಗೆ ಮತ್ತು ಪ್ರಯತ್ನಗಳ ಮೂಲಕ ಶಾಖೆ ರಾಂಡಂಡ್‌ (ರಿಡಿವಿಸಿ) ನೇರು ಪ್ರಯತ್ನ ಕರ್ಮಾಣಂತರ (3 ದಿನಗಳ) ಶುಲ್ಕವಾಗಿ 24 ರಂದು ಸಂಸ್ಕೃತ ಶಾಖೆಗಳ ಕ್ಷಾಣಕ್ಕೆ ತಾರಿ ಸ್ವರೂಪದಾಯಕ, ಉದ್ಯಮಾರ್ಥಕ ಪುರಿಕಾರದ ಈ ಮೊದಲು ದಿನಗಳ ಸಮೀಕ್ಷಾನವು ಭಾಗವರಂತಹ ಸಮಾರ್ಥಕರಿಗೂ ಯಾರಿದೆ, ಈ ಗಮ್ಯಾಣವು ಸಂಕೀರ್ಣತರು, ಕೀರ್ತಾ ರಜ್ಯಾ ಮತ್ತು ಶಾಧಾರಣೆಗಳಿಗೆ ಉದ್ಯಮಾರ್ಥಕ ಯಾವುದೇ ವಿಶೇಷತ್ವ ಅಥವಾ ವ್ಯಾಖ್ಯಾನ ಏಂದು ಶ್ರೀಗ್ರಾಹ ಕರ್ಮಾಣದ ಕರ್ಮಕರ್ತರ ಸಂಕೋಚನೆಯಿಂದ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯ ಏಂದು ಶ್ರೀಗ್ರಾಹ ಕರ್ಮಾಣದ ಪರಿಣಾಮಗಳನ್ನು ವರ್ಣಿಸಿಕೊಂಡಿರುತ್ತಾರೆ. ರಿಡಿವಿಸಿ 1994ರಿಂದಲೂ ಈ ಪ್ರಯತ್ನ ಕರ್ಮಾಣದ ಕರ್ಮಾಣದ ಪರಿಣಾಮಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಸುತ್ತಿದೆ.

ଶାନ୍ତିମହିଳାଙ୍କ କୁଟୁମ୍ବ ଦୀର୍ଘ ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ କୁଟୁମ୍ବ, ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ କୁଟୁମ୍ବ ମେଲାରୀଙ୍କ କୁଟୁମ୍ବ ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ, ପରିଷା. ଏ. ଓ. ନ. ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ, ରଂତରଙ୍ଗ ମୁଖ୍ୟ ଦିନିଲା ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ, ଶ୍ରୀମତୀ ମହାତ୍ମା ଗାନ୍ଧୀଙ୍କ କୁଟୁମ୍ବ ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ, କମାଜିଙ୍କ ଲାନ୍ଧାମହିଲାଙ୍କ, କଂର୍କୁ ଓ ସଂପ୍ରଦାୟ ମୁଖ୍ୟ ଚର୍ଚାରୂଧାରି ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ, ପାଞ୍ଜାବ ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ, ଗୁଜରାଟ ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ ମୁଖ୍ୟ କମାଜିଙ୍କ ଲାନ୍ଧାମହିଲାଙ୍କ ମୁଖ୍ୟ ଚର୍ଚାରୂଧାରି ଶାନ୍ତିମହିଲାଙ୍କ କୁଟୁମ୍ବଙ୍କ କର୍ତ୍ତାଙ୍କଙ୍କ ୨୯ ଦେଶଗାୟ ପରିଷାଙ୍କରିଣି ୧୫୮ କମାଜିଙ୍କ ଲାନ୍ଧାମହିଲାଙ୍କ କର୍ତ୍ତାଙ୍କଙ୍କ ମୁଖ୍ୟ କର୍ତ୍ତାଙ୍କଙ୍କରେ ମୁଣ୍ଡି କରାଯିଥିଲା.

ಇಡಿಬಾನಿಂದಲ್ದುಮತ್ತಿಲತೆಯ 1ನೇ ದ್ವೇಷಾಂಶಕ ಸಮೀಕ್ಷೆ

ಮೈಸೂರು: ಅಹಮದಾಬಾದ್ ನ ಆಂತರಿಕ್ ಮ್ಯಾರ್ಟ್‌ ಡೆವಲಪ್ ಮೆಂಟ್ ಇನ್‌ಟ್ರಾಟ್‌ ಆಫ್ ಇಂಡಿಯಾ (ಇಡಿಬಾ) ನ 16ನೇ ದ್ವೇಷಾಂಶಕ ಸಮೀಕ್ಷೆ ನ (3 ದಿನಗಳು) ಫೆಬ್ರವರಿ 26ರಂದು ಸಂಸ್ಥೆಯ ಕ್ಯಾಂಪಸ್ ನಲ್ಲಿ ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು.

ಉದ್ದೇಶ ಕುರಿತಾದ ಈ ಮೂರು ದಿನಗಳ ಸಮೀಕ್ಷೆ ನವು ಫೆಬ್ರವರಿ 28ರಂದು ಸಮಾರೋಪಗೊಳ್ಳಲಿದೆ. ಈ ಸಮೀಕ್ಷೆ ನವು ಸಂಶೋಧಕರು, ಶಿಕ್ಷಣ ತಜ್ಜೀರು ಮತ್ತು ಅಭಾಸಿಗಳಿಗೆ ಉದ್ದೇಶಿತವೆಯ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯ ವಿವಿಧ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳ ಕುರಿತಾದ ಅವರ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಅಧ್ಯಯನಗಳು ಮತ್ತು ಫಲಿತಾಂಶಗಳನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳಲು ವೇದಿಕೆಯಾಗಿದೆ. ಇಡಿಬಾ 1994ರಿಂದಲೂ ಈ ದ್ವೇಷಾಂಶಕ ಸಮೀಕ್ಷೆ ನವನವ್ಯಾಪಕವಾಗಿದೆ.

ಈ ಸಮೀಕ್ಷೆ ನದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಉದ್ದೇಶಿತವೆಯ ತತ್ವ ಮತ್ತು ರೂಢಿ, ಉದ್ದೇಶಿತವೆಯ ಶಿಕ್ಷಣ, ಉದ್ದೇಶಿತವೆಯ ವ್ಯವಸ್ಥೆ, ಮನಃಶಾಸ್ತ್ರ ಮತ್ತು ಉದ್ದೇಶಿತ, ಎಂ.ಎಸ್.ಎಂ.ಇ. ಉದ್ದೇಶಿತ, ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ಮತ್ತು ಡಿಜಿಟಲ್ ಉದ್ದೇಶಿತ, ಸ್ವಾಂತರ್ಯ ಮತ್ತು ಆವಿಷ್ಯಾಕ್ಷರ, ಹಸಿರು ಮತ್ತು ಸುಸ್ಥಿರ ಉದ್ದೇಶಿತ, ಸಾಮಾಜಿಕ ಉದ್ದೇಶಿತ, ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಸಂಪ್ರದಾಯ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯಾಧಾರಿತ ಉದ್ದೇಶಿತ, ಮಹಿಳಾ ಉದ್ದೇಶಿತ, ಗ್ರಾಮೀಣ ಉದ್ದೇಶಿತ ಮತ್ತು ಹೋಸ ಉದ್ದೇಶ ಸ್ವಷ್ಟಿ ಹಾಗೂ ಕುಟುಂಬ ವ್ಯವಹಾರಗಳ ಕುರಿತಾದ 9 ದೇಶಗಳ ವಿದ್ಯಾಂಸದಿಂದ 148 ಸಂಶೋಧನಾ ಪ್ರಬಂಧಗಳು ಮತ್ತು ಅಧ್ಯಯನಗಳನ್ನು ಮಂಡಿಸಲಾಯಿತು.

தொழில் முனைவோர் 3 நாள் மேம்பாட்டு மாநாடு



அகமதாபாத், பி.ப். 28-அகமதாபாத்தில் உள்ள இந்திய தொழில்முனைவோர் மேம்பாட்டு நிறுவனத்தின் மேவது இருபதாண்டு மாநாடு (3 நாட்கள்) நிறுவனத்தின் வளாகத்தில் நோட்டீசியது. தொழில்முனைவு' குறித்த இந்த முன்று நாள் மாநாடு இன்று பிர்வரி 28 அன்று நிறைவடையும். இந்த மாநாடு, ஆராய்ச்சியாளர்கள், கல்வியாளர்கள் மற்றும் பயிற்சியாளர்கள் தங்கள் ஆராய்ச்சி ஆய்வுகள் மற்றும் தொழில்முனைவோர் மேம்பாட்டின் பல்வேறு நுறைகள் குறித்த முடிவுகளைப் பகிர்ந்து கொள்ள ஒரு தளமாகும்.இந்த இரண்டு ஆண்டுகளுக்கு ஒரு முறை நடைபெறும் மாநாட்டை 1994 முதல் ஏற்பாடு செய்து வருகிறது. இந்த மாநாட்டின் போது, தொழில்முனைவோர் கொள்ளக்கூட ஓர் மற்றும்

நஸ்முறை க ஸ், தொழி ஸ்முனைவோர் கல்வி, தொழில்முனைவோர் அமைப்பு, உள்ளியல் மற்றும் தொழில்முனைவு, தொழி ஸ்முறை வு, தொழில்நுட்பம் மற்றும் டிஜிட்டல் தொழில்முனைவு, தொடக்க நிறுவனங்கள் மற்றும் புதுமை, பக்ஜம் மற்றும் நினைவியான தொழில்முனைவு, சமூக தொழில்முனைவு, கலாச்சாரம், பாரம்பரியம் மற்றும் மதிப்பு அடிப்படையிலான தொழில்முனைவு, பேணகள் தொழில்முனைவு, கிராமப்பூர் தொழில்முனைவு மற்றும் புதுமையான தொழில்முனைவு மற்றும் புதிய வணிக உருவாக்கம் மற்றும் குடும்ப வளிக்கக்கூட துறிந்து 9 நாடுகளைச் சேர்ந்த அறிஞர்களால் 148 ஆராய்ச்சி கட்டுரைகள் மற்றும் ஆய்வுகள் சமர்ப்பிக்கப்பட்டன.

ಇಡೀವಿಷನಿಂದ ಉದ್ಯಮಶೀಲತೆಯ 16ನೇ ದ್ವಿವಾರ್ಷಿಕ ಸಮೇಳನ ಆಯೋಜನೆ

ಉದ್ದೇಶ: ಇದೀವಿಷನ್ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಕಾರ್ಯ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ ಇದೀವಿಷನ್ ಆಯೋಜನೆಯ ಒಂದು ಘಟನೆ. ಈ ಘಟನೆಯ ಮುಖ್ಯ ಉದ್ದೇಶ ಇದೆ: 1) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಜ್ಞಾನ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 2) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 3) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 4) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 5) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 6) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ.



ಈ ಘಟನೆಯ ಮುಖ್ಯ ಉದ್ದೇಶ ಇದೆ: 1) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 2) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 3) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 4) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 5) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 6) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ.

ಈ ಘಟನೆಯ ಮುಖ್ಯ ಉದ್ದೇಶ ಇದೆ: 1) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 2) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 3) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 4) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 5) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ. 6) ಸಾರ್ಥಕ ವಿಭಾಗಗಳ ಮತ್ತು ವಿವಿಧ ವರ್ಗದ ವಿಭಾಗಗಳ ಮಾರ್ಗವ್ಯವಸ್ಥೆಯ ಪ್ರಯೋಜನ.

PUBLICATION NAME :
DATE :
PAGE :

Sanjevani
01/03/2025
02

ಶಿಕ್ಷಣ ತಜ್ಜರ ಸಮೈತನ

ಬೆಂಗಳೂರು, ವರ್ಷ ೧-೨, ಪ್ರಾ.

ಸಂಪೂರ್ಣಕರ್ತವ್ಯತಜ್ಜರಹಾಗು
ಅಭ್ಯಾಸಿಗಳಿಗೆ ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆಯ
ಅಧಿಕೃತಿಯ ವಿವಿಧ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳ
ಕುರಿತಾದ ಅವರ ಸಂಶೋಧನೆಯ
ಅಧ್ಯಯನಗಳು ಮತ್ತು ಫಲಿತಾಂಶಗಳನ್ನು
ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳಲು ದ್ವಿಪಾರ್ಶವ ಕ
ಸಮೈತನವನ್ನು ನಡೆಯಿತ.
ಅವರು ಮದುಬಾರ್ದ ನ
ಅಂತರ್ರಿಂಧನ್ಯಾಸದ ವಲಪಾರ್ಮಂಡ
ಎನ್ನಿಷ್ಟಿರುತ್ತಾರೆ ಆಫ್ ಇಂಡಿಯಾ
(ಇಡಿವಿ) ಆಯೋಜಿತಿದ್ದ
ಸಮೈತನದಲ್ಲಿ ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆಯ
ತತ್ವಮತ್ತು ರೂಪಿ. ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆಯ
ಶಿಕ್ಷಣ, ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆಯ ವ್ಯವಸ್ಥೆ,
ಮನರಾಸ್ಯಮತ್ತು ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ
ಬಗ್ಗೆ ವಿಶ್ವತಜರ್ಕಿರ್ ನಡೆಸಲಾಗಿದೆ.
ವಿಂಎಸ್‌ಇಂಜಿನಿಯರ್ ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ,
ತಂತ್ರಜ್ಞಾನ ಮತ್ತು ಡಿಜಿಟಲ್
ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ. ಸ್ಕೂಲ್‌ಪಾರ್
ಮತ್ತು ಆವಿಷ್ಕಾರ, ಹಸಿರು ಮತ್ತು

ಸುಸ್ಥಿರಳಿದ್ದುಮತ್ತೆ ಸಾಮಾಜಿಕ
ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ. ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಸಂಪ್ರದಾಯ
ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯಾಧಾರಿತ ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ.
ಮಹಿಳಾ ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ, ಗ್ರಾಮೀಣ
ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ ಮತ್ತು ಹೊಸ
ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ ಮತ್ತು ಹೊಸ
ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ ಮತ್ತು ಹೊಸ
ವ್ಯವಹಾರಗಳ ಕುರಿತಾದ ೯ ದೇಶಗಳ
ವ್ಯಾಪಾರಗಳ ಕುರಿತಾದ ೧೪೮ ಸಂಶೋಧನೆ
ಪ್ರಬಂಧಗಳು ಮತ್ತು ಅಧ್ಯಯನಗಳನ್ನು
ಮಂಡಿಸಲಾಯಿತು.
ಈ ಸಮೈತನವನ್ನು ಅವರು ಉದ್ಯಮಾಂದಿರ
ನಿಜಿಯಲ್ಲಿ ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆ ಆಫ್
ಮ್ಯಾನೇಜ್ ಮೆಂಟ್ ಪ್ರೈ. ಓ. ವಿ.
ರಾಜ್ ಉದ್ಯಾಪಕ ಸಮೈತನದ
ಫಲಿತಾಂಶಗಳಿಗೆ ಉದ್ಯಮಿತೀಲತೆಯ
ಮೇಲೆ ಗಮನಾರ್ಹ ಪ್ರಫಾವ
ಬೀರಲಿವೆ ಎಂದರು. ಇಡಿವಿ
ದ್ವಿರ್ಕರ್ತೆ ಜನರಲ್ ಡಾ. ಸುನಿಲ್
ರುಕ್ಖ ಪಾಲೇಗ್ರಿಂಡ್ಸರ್.

ಇಡೀವಿನಿಂದಲು ದ್ಯುಮತೀಲತೆಯ 16ನೇ
ದ್ಯುಪಾಣಿಕ ಸಮ್ಮೇಳಣೆ ಆಯೋಜನೆ

డिजिटल : కమ్ప్యూటర్స్



ప్రాణికంగ సమాజాను, భావితాను కృతి.

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Dainik Coverage India
Ahmedabad
01/03/2025
05

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अमरावतीवाद। भारतीय उद्योगिता निकाय संस्थान, अमरावतीवाद का 16वां इतिहासिक सम्मेलन (3-डिसेम्बर) 26 नवम्बर को सम्पन्न के परिणाम में सुख हुआ। जल्दीका प्रशासनीयता से इतिहासिक सम्मेलन 28 फ़रवरी के सम्मेलन होगा। वह सम्मेलन सूचनाकर्ताओं, इतिहासियों और अन्यान्यकारों के लिए एक मठ है जहाँ के उद्देश्यानुसार विकास के विषय में बहुत बहुत बातें बातें की जायेंगी। उद्योगिता निकाय के बाहर बाहर आवाज़ आवाज़ की जाएगी। इटीबीएमई 1994 से उद्योगिता प्रतिवर्षीय सम्मेलन का अधिकारीकृत कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से 12 विकास दृष्टिकोणों के विषयों परा उद्योगिता सम्मिलन और अवधारणा, उद्योगिता विकास, उद्योगिता परिवर्तनीयता तथा नवीनीकरण और उद्योगिता, एक समझमें उद्योगिता, परिवर्तनीयों और विकास उद्योगिता, स्ट्रांजर और नवाचार, सीमा और संघर्षों वर्षावास, लगभग उद्योगिता सम्मिलन, पारंपरा और पुराण

इस देश के महात्व को देखते हुए, उत्तराधिकारी को बदलवा देने के लिए नियमित अमूल्यानन्द और नीति प्रकल्पता करना महत्वपूर्ण है। यह एक अद्भुत मंच है; यहाँ सिध्धांश्च है कि समाजान में यथा किया जाने



वहां नुरे नहमिला के शेष में
संकलनात्मक प्रयत्न करते हैं।

मानवीयता से संबंधित कठोरता तथा,
जो सुनित श्रमजल, जलवर्षट्टर
काल, ईश्वर-अद्वैत व वैदेश,
द्विविधाता समाजसंस्कार द्वारा
भगवान् के लोकप्रियताओं व वैदिक विद्याओं को
एक एवं प्रदान करता है, ताकि वे
अपने विद्याओं और लोकाचारों को
समझ कर मनों जो उत्तमता की

जटिलताएँ जो ममताने के लिए बहुत पूर्ण हैं। अब वही शैक्षणिकीय और विद्यार्थी वाले एक समाज तका, यह सब ऐसे विद्यकों के उत्तर का भवित्व है, जो दृष्टिकोण के बदला देते हैं और जागरूकतावाद के परिवर्त्तन को अपनाते हैं। इस प्रकार दृष्टिकोण जगती और समाज लेने के लिए अवश्यक जगन के लिए समाज बनता है।

सम्पर्क के भार के स्वरूप उद्दीपन विधि में नवाचारी एवं नव्य कारने के सिलसिले विकास जल्दी सम्प्रवर्तन एवं फैलाव के बीच अवशिष्ट किया गया। दोस्रे भार के

विवरणियालयों का प्रतिनिधित्व दिया गया, जिसका संचालन प्रोफेसर (डॉ.) श्रीमिश्र भगवत्तर्पण, जयपुरट नवाचार, अद्वैतानुरूप दिल्ली, नई दिल्ली में किया। फैलाइट में प्रोफेसर (डॉ.) श्रीषंकर कुमार श्रीमिश्र, जयपुरट, प्राचीनवेदान संस्कृत एवं प्रोफेसर (डॉ.) रमेश बहु, जयपुरट, प्राचीनवेदान संस्कृत में किया गया।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Dainik Bharat Life
Ahmedabad
01/03/2025
05

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित

अधिक देशों के विद्यार्थी द्वारा उद्यमिता विद्यालृत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता परिवार; परिवर्तितीव्री तक; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एवं स्कलपर्स उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और इंजिनियर उद्यमिता;

टी.बी.यू.फाउन्डर और चेयरमैन, टी.बी.यू.व्हीपीएस प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबन्धन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किए गये। उन्होंने कहा, आज की गतिशील

इस क्षेत्र के महत्व को देखते हुए, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नियमित अनुसंधान और नीति विकालत करना महत्वपूर्ण है। यह एक अनूठा मंच है। मुझे विश्वास है कि सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले मुख्य उद्यमिता के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुरेन शक्ता, डायरेक्टर अनरल, ईडीआईआई ने कहा, -द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार द्विनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारी और नवाचारी की माझ का सके जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं। अपार्षी शोधकर्ताओं और शिक्षकों द्वारा एक साथ लक्ष्य, यह मंच शोध निष्कर्ष के प्रसार का मुख्य बनाता है, नए दृष्टिकोणों को बढ़ावा देता है और उद्यमशीलता के विषय को अन्तर देता है, इस प्रकार दृष्टिकोणों को शक्ति से लिए आवश्यक होने के साथ सशक्त बनाता है।



दीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अध्यापकों के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निकर्ष साझा कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से

स्टार्टअप और नवाचार, हैरित और रक्षणीय उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, संस्कृति, पराया और मूल्य आधारित उद्यमिता, भौतिक उद्यमिता, गणवीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और यांत्रिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अधिकारी, प्रोफेसर (डॉ.)

अर्थव्यवस्था में, आधिक विकास और व्यापाराधिक उद्योगों को जलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। ये यह मानता है कि उद्यमिता एक मिशन है, एक शांतिशाली बल जहाँ व्यक्ति व्यासाधिक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए शोधकर्ताओं और नवाचार का लाभ उठाते हैं और सभी के लिए एक बेहतर भवित्व का निर्माण करते हैं।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

The Uttarakhand Tribune

Dehradun

27/02/2025

01

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship



The Organizational Structure

DEHRADUN: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Almora-based conference on February 20th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 24. The conference is a platform to researchers, educators, and practitioners to share

their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1996. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice; Entrepreneurship Education; Entrepreneurship

Economics; Psychology and Entrepreneurship; M&M; Entrepreneurship, Technology and Digital Entrepreneurship; Startup and Innovation; Green and Sustainable Entrepreneurship; Social Entrepreneurship; Culture, Tradition and Values-based Entrepreneurship; Women Entrepreneurship; Hand Entrepreneurship and Ancient Entrepreneurship; and New ventures; Creation & Family Business, were

presented.

The conference was inaugurated by Chief Guest, Prof.(Dr.) T.V. Rao, Founder and Chairman, T. V. Rao Learning Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad & Former Professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad. He stated, "In today's fast-paced economy, entrepreneurship development is crucial in driving economic growth and professional outcomes. I believe entrepreneurship is a major factor, a powerful force where individuals leverage technology and innovation to solve local world problems, creating a better future for all. Given the significance of this element, it is important to undertake regular research and policy advocacy to support entrepreneurship promotion. This is a unique platform. I am sure the conference outcomes will lead to sensible influence on entrepreneurship."

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Dainik Bhaskar
Dehradun
01/03/2025
03

उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

देहरादून। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद का "उद्यमिता" पर आधारित तीन दिवसीय 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन का संस्थान परिसर में सम्पन्न हुआ। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाजिदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है जिसके द्वारा उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्ठाये साझा कर सकें। सम्मेलन के दौरान 9 से 12 विधिक वेशों के विद्वानों द्वारा 148 गोष्ठ प्रश्न और अध्ययन प्रश्नावली किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अधिकारी फारुड़ और चंद्रप्रभेन प्रा (डॉ.) दीपि राण द्वारा किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. प्रभेन कर्तर जनरल इंटीआईआई डॉ. सुनील शुक्ता ने कहा कि द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, जिसके द्वारा अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सके जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Dainik Purvoday
Ahmedabad
02/03/2025
13

ઇંડીઆઈઆઈ દ્વારા ઉદ્ઘાટન પર 16વાં દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન સંપત્તિ

અહમદાબાદ, 1 માર્ચ, (શર્વેદી)। માર્ગદાર ઉદ્ઘાટન વિકાસ સંસ્કારન, અહમદાબાદ ક્ર તૌન દિવસોય 16વાં દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન સંપત્તિ હુદા। એ સમ્મેલન શોધકર્તાઓ, શિક્ષકીયો ઔર અધ્યક્ષાલક્ષી કે લિએ એક બંચ કા તાંક કે ઉદ્ઘાટન વિકાસ કે વિભાગ કોણો મે જાણે શોધ આધ્યાત્મિક ઔર વિજ્ઞાન સાથે કર સકે।

ઇંડીઆઈઆઈ 1994 મે ઉદ્ઘાટન પર દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન કા આયોજન કર રહ રહ હૈ। સમ્મેલન કે દોષાન, ૩ મે અભ્યાસ દર્શક્તિ કે વિદ્યાળી દ્વારા ઉદ્ઘાટન વિકાસ અને નવાચાર, ઉદ્ઘાટન વિકાસ, ઉદ્ઘાટન પરીક્ષાનિયતી નાન, વનોવિજ્ઞાન ઔર ઉદ્ઘાટન, એપ્પોયાઈ ઉદ્ઘાટન, પ્રોફેસિલીકી ઔર ડિવિલ્પ ઉદ્ઘાટન, સાર્ક્યુલેપ ઔર નવાચાર, હિન્દુ ઔર સ્ક્રાની ઉદ્ઘાટન, સાચાજિક ઉદ્ઘાટન, સાન્કૃતિક, પરેપર ઔર સ્લૂય આધ્યાત્મિક ઉદ્ઘાટન, વાહિની ઉદ્ઘાટન, ગ્રાનીલ પરિષ્ય કા નિર્માણ કરતે હૈ।

ઉદ્ઘાટન એન નવાચાર ઉદ્ઘાટન ઔર ના ઉદ્ઘાટન નિર્માણ ઔર પારિવારિક વ્યક્તિગત કે વિષયો પર 148 શોધ પત્ર છે। અધ્યાત્મન પ્રસ્તુત કિએ રહેણી.

સમ્મેલન કા બદાનાન મુખ્ય વ્યક્તિગત, પ્રોફેસશા (ડૉ. ડૉ. રામ, ફાર્નેન્ડ, ઔર ચેપલેન, ડૉ. ડૉ. રામ લાલની સિસ્ટમન, ડ્રાઇવર લિમિટેડ, અહમદાબાદ ઔર માર્ગદાર પ્રદેશન સંસ્કાર, અહમદાબાદ કે પૂર્વ પ્રોફેસશા દ્વારા કિયા ગયા) ઉન્હોને કહું, આજ કો ગોત્રાંગીન અર્થાલ્યાસ્થા મેં, આધ્યાત્મિક વિકાસ ઔર બાળચાયનિક ઉત્તોષ કો ચલાને કે લિએ ઉદ્ઘાટન વિકાસ વહાલાંદૂરી હૈ। મેરા ગાનના હૈ કિ ઉદ્ઘાટન એક વિષય હૈ, એક સાહીનાસી બલ કહું વ્યક્તિ કાન્સલાયિક દુલીયા કી સયાણીઓ કો હત કરને કે લિએ પ્રોફેસિલીકી ઔર નવાચાર ક્ર સ્લાય ઉત્તોષ હોય કો સભી કે લિએ એક બેહની પરિષ્ય કા નિર્માણ કરતે હૈ।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Purvanchal Prahari
Ahmedabad
02/03/2025
13

ईडीआईआई ने किया उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

ગुજરાતાબદી : ભારતીય ઉદ્યમિતા વિકાસ સંસ્કારન, બહુમદ્દાદાદ કા 16વાં દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન 26 ફેબ્રુઆરી કો સંખ્યાચન કે પારસ્પર મેં જુલ્હ હુલ્હા ઉદ્યમિતા પર આયોરિટ લીન નિવસીઓએ સમ્મેલન 28 ફેબ્રુઆરી કો સમાપ્તન હોગા. જે સમ્મેલન શોભકળાંઝી, લિલાલિંગીઓ ઔર અભ્યાસકલાંઝી કે રિલાય એક મંદ હૈ લોક વિ ઉદ્યમિતા વિકાસ કે વિભિન્ન શેર્ઝર્સ મેં આપને શરીષ અભ્યાસ ઔર નિયાર્થ આજી કર શકે. ઇડીઆઈઆઈ 1994 સે ઉદ્યમિતા પર દ્વિવાર્ષિક સમ્મેલન કો આયોધ્યાન કરે રહી હૈ. સમ્મેલન કે

દીરણ 9 સે અધિક દેશોને વિદ્યાર્થીને દ્વારા ઉદ્યમિતા મિટ્ટોન ઔર લ્યાન્ડલ ઉદ્યમિતા શિક્ષણ, ઉદ્યમિતા પારોસ્થિતિકી તંત્ર; મનોવિજ્ઞાન ઔર ઉદ્યમિતા, એમાંસપદ્ધતિ ઉદ્યમિતા-પ્રોફેશનિયલી ઔર ડિજિટલ ઉદ્યમિતા સ્ટાર્ટ અપ ઔર નવાચાર, હરિન ઔર સ્થાયી ઉદ્યમિતા, સાચાજિન ઉદ્યમિતા, સંસ્કૃતિ, પરાપરા ઔર મૂલ્ય આખારિય ઉદ્યમિતા, મહિલા ઉદ્યમિતા, આરોગ્ય ઉદ્યમિતા એથી નવજગત ઉદ્યમિતા ઔર વગે ઉછ્વસ વિમોહ ઔર પારિવારિક વ્યવસાય કે વિષયોન્ન પર 148 શીષ પદ્ધતિ ઔર અભ્યાસ પ્રસ્તુત કર્યું ગયે.

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Sentinel
Ahmedabad
28/02/2025
08

ईडीआईआई की उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद, 28 फरवरी (एजेसी)।

भारतीय उद्यमिता विकास सम्मेलन, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के प्रौद्योगिक संस्कार में शुरू हुआ। उद्यमिता पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28



फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अध्यात्मकर्ता के लिए एक चंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में आपने शोध अध्ययन और निष्कार्त्ता साझा कर सकें। इसीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता, निदेश और व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा, उद्यमिता परिवर्तिताओं तथा समर्विज्ञान और उद्यमिता, एमएसएमई उद्यमिता, प्रोडोगिकी और डिजिटल उद्यमिता, स्टार्टअप और नवाचार, हाईटी और स्पाशी उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, सेस्कृति, परेपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता, खेली उद्यमिता, ग्रामीण उद्यमिता एवं नवदाता उद्यमिता और वर्ष उद्यम नियांष और परिवर्तिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और आध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन जा भुभारेष मुख्य अस्तित्व, प्रोफेसर (डॉ.) टी.वी. राव, काठन्डा और चेयरमैन, टी. वी. राव लार्निंग सिस्टम्स प्रैजेंट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबन्धन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और ज्ञानसाम्बन्ध उन्नति को जल्दीने के लिए उद्यमिता विकास पहलापूर्ण है। यहां यानका है कि उद्यमिता एक विशेष है।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

The Hills Times
Guwahati
28/02/2025
02

EDII organises 16th biennial conference on entrepreneurship



HT Bureau

GUWAHATI, Feb 28: The Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) hosted the 16th Biennial Conference on Entrepreneurship at its Ahmedabad campus, which began on February 26 and concluded on February 28.

The three-day event served as a vital platform for researchers, educators, and practitioners to present their findings on a range of topics related to entrepreneurship. Over 148 research papers from

scholars across nine countries were presented, covering themes such as MSME entrepreneurship, technology and digital entrepreneurship, women entrepreneurship, and sustainable practices in the sector.

The conference was inaugurated by Prof (Dr) TV Rao, founder and chairman of TV Rao Learning Systems Pvt. Ltd., who emphasized the importance of entrepreneurship in driving economic growth and innovation.

Dr Sunil Shukla, director gen-

eral of EDII, highlighted the conference's role in fostering a global exchange of ideas, offering insights that could influence future entrepreneurial practices and educational frameworks.

As part of the event, a Vice Chancellors' and Directors' Conclave was held to discuss innovations in entrepreneurship education, featuring representatives from top universities across the country.

The conference also included a Doctoral Colloquium, where PhD scholars and FPM students received mentorship on their research.

Additionally, two significant publications were released, including the 33rd volume of the Journal of Entrepreneurship, focusing on "Entrepreneurship and Society."

This biennial conference continues to be a significant gathering for entrepreneurs, researchers, and educators, reinforcing the importance of innovation, policy advocacy, and research in shaping the future of entrepreneurship.

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

The Assam Post
Ahmedabad
01/03/2025
03

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

Ahmedabad: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development In-

ship, Technology and Digital Entrepreneurship, Startup and Innovation, Green and Sustainable



stitute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice, Entrepreneurship Education, Entrepreneurship Ecosystem, Psychology and Entrepreneurship, MSME Entrepreneur-

Entrepreneurship, Social Entrepreneurship, Culture, Tradition and Value-based Entrepreneurship, Women Entrepreneurship, Rural Entrepreneurship and Nascent Entrepreneurship and New venture Creation & Family Business, were presented. The conference was inaugurated by Chief Guest, Prof (Dr.) T.V. Rao, Founder and Chairman, T. V. Rao Learning Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad & Former Professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad. He stated, "In today's fast-paced economy, entrepreneurship development is crucial to driving economic growth and professional advancement. I believe entrepreneurship is a mission, a powerful force where individuals leverage tech-

nology and innovation to solve real-world problems, creating a better future for all. Given the significance of the domain, it is important to undertake regular research and policy advocacy to impact entrepreneurship promotion. This is a unique platform. I am sure the conference regulations will lead to noticeable influence on entrepreneurship." Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship. By bringing together leading researchers and educators, this forum facilitates dissemination of research regulations, fostering new perspectives and shaping the future of entrepreneurial practice, thus empowering aspiring entrepreneurs with the knowledge they need to succeed." As a part of the conference, a Vice Chancellors'/Directors' Conclave was also held to discuss the Innovations in Entrepreneurship Education. Universities from across the country were represented, moderated by Prof. (Dr.) Harivardh Chaturvedi, Director General, IILM Delhi, New Delhi. The panelists included Prof. (Dr.) Deepak Kumar Srivastava, Director, Indian Institute of Management Ranchi; Prof. (Dr.) RajaMoora, Director, Indian Institute of Technology Gandhinagar; Prof. (Dr.) Rajit K. Gajjar, Vice-Chancellor, Gujarat Technological University, Ahmedabad; Prof. (Dr.) Ravi P Singh, Provost, Adani University, Ahmedabad; and Prof. (Dr.) Sameer Sood, Director, National Institute of Fashion Technology, Gandhinagar. Another important event of the conference was the Doctoral Colloquium where the PhD scholars and FPM students from across the country, were mentored and guided on their research work.

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

The Meghalaya Guardian
Ahmedabad
01/03/2025
08

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

AHMEDABAD, FEB 28: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26 at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28.

During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice, Entrepreneurship Education, Entrepreneurship Ecosystem, Psychology and Entrepreneurship, MSME Entrepreneurship, Technology and Digital Entrepreneurship, Startup and Innovation, Green and Sustainable Entrepreneurship, Social Entrepreneurship, Culture, Tradition and Value-based Entrepreneurship, Women Entrepreneurship, Rural Entrepreneurship and Nascent Entrepreneurship and New venture Creation & Family Business, were presented.

The conference was inaugurated by Chief Guest, Prof (Dr.) T.V. Rao, Founder and Chairman, T. V. Rao Learning Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad & Former Professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad. He stated, "In today's fast-paced economy, entrepreneurship development is crucial to driving economic growth and professional advancement. I believe entrepreneurship is a mission, a powerful force where individuals leverage technology and innovation to solve real-world problems, creating a better future for all. Given the significance of the domain, it is important to undertake regular research and policy advocacy to impact entrepreneurship promotion." —

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

The North East Times
Ahmedabad
01/03/2025
02

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

AHMEDABAD, FEB 28: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26 at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice, Entrepreneurship Education, Entrepreneurship Ecosystem, Psychology and Entrepreneurship, MSME Entrepreneurship, Technology and Digital Entrepreneurship, Startup and Innovation, Green and Sustainable Entrepreneurship, Social Entrepreneurship, Culture, Tradition and Value-based Entrepreneurship, Women Entrepreneurship, Rural Entrepreneurship and Nascent Entrepreneurship and New venture Creation & Family Business, were presented.

The conference was inaugurated by Chief Guest, Prof (Dr.) T.V. Rao, Founder and Chairman, T.V. Rao Learning Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad & Former Professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad. He stated, "In today's fast-paced economy, entrepreneurship development is crucial to driving economic growth and professional advancement. I believe entrepreneurship is a mission, a powerful force where individuals leverage technology and innovation to solve real-world problems, creating a better future for all. Given the significance of the domain, it is important to undertake regular research and policy advocacy to impact entrepreneurship promotion." NET BUREAU

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :

Dainik Bhaskar
Ahmedabad
01/03/2025

ईंडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

भास्कर समाचार सेवा

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। ईंडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और व्यवहार; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र; मनोविज्ञान और उद्यमिता; एमएसएमई उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नए उद्यम निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और



अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, प्रोफेसर (डॉ.) टी.बी. राव, फाउन्डर और चेयरमेन, टी. बी. राव लनिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, "आज की गतिशील अर्थव्यवस्था में, आर्थिक विकास और व्यावसायिक उन्नति को चलाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईंडीआईआई ने कहा, "द्विवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है। सम्मेलन के भाग के रूप, उद्यमिता शिक्षा में नवाचारों पर चर्चा करने के लिए वाइस चांसलर्स/डायरेक्टर्स कॉन्क्लेव भी आयोजित किया गया।

ବର୍ଷାରେ ପଣ୍ଡ
ବର୍ଷାରେ ୧୯୭୩
ବର୍ଷାରେ ଅନ୍ତର୍ଦୀପିକା ଅନ୍ତର୍ଦୀପି

ଅହମଦାବାଦ: କୁରମାଯ
ଉଦ୍‌ସେଇସ ବିବାହ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ,
ଅହମଦାବାଦରେ ୧୯୭୩
ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଅମିନା (ଜିନ୍ହ ଦିଲିମା)
୨୫ ଫେବୃଆରୀ ୦୧୭
ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ବାସନ୍ତମ ଅର୍ଦ୍ଧଚିତ୍ର
ବେଶକୁ। ଉଦ୍‌ସେଇସ ଉପରେ
ଦିଲିମିନ ଅମିନ ପ୍ରେସ୍‌ରେ
୨୮ ମେ ଜ୍ଞାପନ ହେବ। ଏହିତେ
ଦିଲିମିନ ଗୁରୁତ୍ବରେ, ଶିଶୁରେ ଓ
ଦୂର୍ଧ୍ୱପାତାରେ ଯୋଗ ଦେଇ
ଉଦ୍‌ସେଇସ ବିବାହ ଉପରେ
ଜବେଶତା ଅଧିକରଣ ଓ ଦିଲିମିନ
ଦ୍ୱାରା ଉପରେ ଉଦ୍ଘାତାକାର
ପ୍ରତିଷ୍ଠାନରେ ୧୯୯୪ ଫେବୃଆରୀ
ଉଦ୍‌ସେଇସ ଉପରେ ଅମେରିକା
ଆମୋଳନ ବର୍ତ୍ତିତୁଥିଲା। ଏହି
ବର୍ତ୍ତିତାକୁ ଉଦ୍ଘାତାକାର
ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ, ମୁୟାର୍ଦ୍ଦିତା,
ଦିଲିମିନ, ଅନ୍ତର୍ମଧ କଣ୍ଠ
ନନ୍ଦନ୍ଦିନୀ, ବନ୍ଦିକଣ ବାବଦାର
ଉପରେ ୧୯୭୫ ଅମ୍ବିକ ଦେଖିବ
ବିଦ୍ୟାଲୟ ଦ୍ୱାରା ୧୯୯୪
ଜବେଶତା ପଦ ଓ ନିର୍ମ୍ୟକ
ଉପରେ ଉପାୟକା ଉପାୟକା।
ପାତାତେବୁ ସମେତିକ ବର୍ଷ
ଦିଲିମିନଙ୍କର ନିଜ ଦିନରେ
୧. ପ୍ରାନ୍ତ ଜ୍ଞାପନ କରିଛିନ୍ତିରେ ଏହି
ଦିଲିମିନ ବିବାହକା କୁମାରକ
କାହାରେ ବିଶ୍ୱାସପା ଜବେଶକ
ଓ ଶିଶୁରମାଦିଲୁ ସେମାନଙ୍କ
ବିଭାଗାରୀ ଓ ନନ୍ଦନ୍ଦିନୀ
ବାବଦାର ପାଇଁ ଏହି ନାନ୍ଦନ୍ଦିନୀ
କରିଛି ଯଥି ଉଦ୍ଘାତାକାର ପାଇଁ
ଦିଲିମିନ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ।

ଛତ୍ରଆଳାଇ ପକ୍ଷରୁ ଉଦ୍‌ସେବା ଉପରେ ୧୯୭୮ ଦ୍ୱାରା ସନ୍ଧିକନ୍ତେ ଆଯୋଜନ

ଆହମଦାବାଦ: ଭାଗଚୀଏ ଉଦ୍‌ସେବା ପୁଟିଷାନ, ଅଭିନାଶବାବରେ ୧୯୭୮ ଦ୍ୱାରା ସନ୍ଧିକନ୍ତେ (ତିଙ୍କ ଦିନିଆ) ୨୭ ଫେବୃଆରୀ ୦୩୦୩ ପୁଟିଷାନର କ୍ୟାମ୍ ସରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବାକି। ଉଦ୍‌ସେବା ଉପରେ ଚିନ୍ମିଦିନିଆ ସନ୍ଧିକନ୍ତା ଫେବୃଆରୀ ୨୮ରେ ସମ୍ମାନିତ ହେବା ଏହିରେ ବିଭିନ୍ନ ଉଦ୍‌ସେବକ, ଶିକ୍ଷବିଦ ଓ ବୃତ୍ତିଧାରାମାନେ ଯୋଗ ଦେଇ ଉଦ୍‌ସେବା ବିଜାଣ ଉପରେ ୯୮୭୦ ଗବେଷଣା ଅଧ୍ୟୟନ ଓ ନିଷ୍ଠର୍ବ ବାହିବାରେ ଛତ୍ରଆଳାଇ ପ୍ଲଟଫର୍ମରେ ୧୯୯୪ ଠାରୁ ଉଦ୍‌ସେବାକାଳ ଉପରେ ଆଯୋଜନ ଉପରୁ ପରିଚାରିତ କରି ଉଦ୍‌ସେବାକାଳର ମହା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ତ, ସୁନୀଳ ଶୁଭ୍ରା ବହିଥିଲେ ଯେ ଦ୍ୱାରା ସନ୍ଧିକନ୍ତା କ୍ଷାମାତା ଉଦ୍‌ସେବାକାଳର ବିଷ୍ଣୁବାପା ଗବେଷକ ଓ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ସମାଜକ ବିଜ୍ଞାପା ଓ ନବସ୍ଵର୍ଗଙ୍କ ବାହିବା ପାଇଁ ଏକ ମାତ୍ର ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିଛି ପାହା ଉଦ୍‌ସେବାକାଳ ପାଇଁ ବିଶେଷ ମୁକୁବ୍ୟୁଦ୍ଧିତାରେ।

ଇଡ଼ିଆଇଆଇ ପକ୍ଷରୁ ଉଦ୍‌ଦେୟାଗ ଉପରେ ୧ ଗତମ ଦ୍ୱାରାର୍ଥିକ ସମ୍ବଲନୀ ଆଯୋଜନ

ପାରାମାର୍ଦ୍ଧକାଳୀନ, ୧୯୧୦ ହ (ପୁଣିଜା
ତ୍ରୁଟି): ଅନେକାଂଶ ପରିବାର ବିଭିନ୍ନ
ପ୍ରକାଶକ, ଅନେକାଂଶକାଳୀନ ୧୯୧୦
ଦିନରେ ଲାଗିଥାଏ କିମ୍ବା ଦିନ ଦିନରେ ୧୩
ଲାଗୁଥାଏ ଏକପ୍ରିସନ୍ ନାମରେ
ପାରାମାର୍ଦ୍ଧ ହେବାକି । ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ ପରିବାର
ଦିନରେରେ ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା
୨୫୮ ଲାଗୁ ହେବାକି । ଏହିକାର
ଚିତ୍ର ପରିବାର, କିମ୍ବା ଦିନ ଓ
ଦୂରିତାକାଳୀନ କୋଣ ଦେବ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ
ଦିନରେ ୨୦୦୦ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ ଅମ୍ବାର
ଓ ଦିନରେ ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା
ପ୍ରାଣରେ ୨୦୧୪ ମାସ
ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟରେ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟରେ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟରେ
ଅମ୍ବାର ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା । ଏହି
ଏକମନ୍ଦରାର ପରିବାରରେ ପୁରୁଷ ଓ
ମହିଳା, କିମ୍ବା କାନ୍ଦିରିକା, ମାତ୍ରାମୁ,
ଏମିବେବେବନ୍ଦର ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟରେ
ପ୍ରକାଶିତ୍ୟ, ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ, କାର୍ଯ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟ
ମନ୍ଦରାରେ, ସମ୍ମାନ ଓ କ୍ରମ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ,
ପରିବାର ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ ୧୯୭୨
ଦିନରେ ୧୦୦୦ ଦ୍ୱୀପାଠ ଧାରା
୧୪ ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା
ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା । ପୁରୁଷ କାନ୍ଦିରି
ପୁରୁଷ କାନ୍ଦିରି ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା
ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା ଏକମନ୍ଦରା ।

The image shows the front cover of the 16th issue of Entrepreneur magazine. The title '16' is prominently displayed in large blue numbers at the top left. Below it, the word 'EDITION' is written in smaller letters, followed by 'on ENTREPRENEUR' and 'FEBRUARY 2013'. The central figure is S. Sage, a woman with long dark hair, wearing a white dress and a pearl necklace, smiling. To her right is T.V. Raina, a man with short grey hair, wearing a light-colored shirt and a dark tie, also smiling. The background is a blurred outdoor scene with trees and a building. The overall theme is professional and celebratory.

A photograph of a woman with short dark hair, wearing a pink sleeveless dress and a brown vest, standing behind a white podium. She is gesturing with her right hand while speaking. The background shows a banner with the text "MEURSHAF", "28, 2025", and some smaller text. The setting appears to be an indoor seminar or conference.



ଇତିଆଜାଇ ପକ୍ଷରୁ ଉଦ୍‌ଦେୟାଗ ଉପରେ ସମ୍ବଲନୀ

ବୁଦ୍ଧନେତୃତ୍ବ (ସ୍ଥୁତି); ରାଜତାନ୍ତିକ
ଭବେଦ୍ୟାଗ୍ର ଦିବାଶ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ,
ଆମନରାବାଦରେ ୧୯୮୮ ଦିବାଶିକ
ବର୍ଷିରଳା (କେଣ ବିରିପା) ୨୨ ଫେବୃଆରୀ
୩୦ମୁ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ନ୍ୟାସମବେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ
ହେଉଛି। ଭବେଦ୍ୟାଗ୍ର ଉପରେ କୁଳପତିତା
ବର୍ଷିରଳା ଫେବୃଆରୀ ୨୮ ରେ
ବାମାନ୍ୟ ହେଲା ଏହିତେ କିନ୍ତୁ
ପବେଷକ, ଶିକ୍ଷାବିଦ ଓ
ବୃତ୍ତଧାରାକେ ଯୋଗ ଦେଇ
ଭବେଦ୍ୟାଗ୍ର ବିକାଶ ଉପରେ
ପବେଷଣା ଅଭ୍ୟରଣ ଓ ନିଷ୍ଠା
ବ୍ୟାଚିକାରେ ରତ୍ନପାଇଆର
ପ୍ଲାନ୍ପରେ ୧୯୯୪ ମୁଁ
ଭବେଦ୍ୟାଗ୍ରାଙ୍କ ଉପରେ
ଆମୋଦନ ଆମୋଦନ
କରିପାପୂର୍ବା ଏହି ସମ୍ବଲପରେ
ଭବେଦ୍ୟାଗ୍ରାଙ୍କ ଶୁଭ୍ରତ ଓ
ଆମାସ, ଶିକ୍ଷା, ଉବେଶିଷ୍ଟନ, ମନ୍ଦ୍ରମୁଦ୍ରା,
ଏଥ୍ୟବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଉପ୍ରେତିତ, ପ୍ରତ୍ୱିବିଦ୍ୟା,
ଜୀବିତ, ବ୍ୟାଚିକାର ଆମ ନିର୍ମଳତା, ସମ୍ବଲପ
ଓ ପ୍ରାସାଦ ଉପ୍ରେତି, ପରିବାର ବାଦାଯା
ଭବେଦ୍ୟାଗ୍ର ହେତୁ ଅଧିକ ଉପ୍ରେତି ବିଜ୍ଞାନ ଶରୀର

୧୮୪୯ ରାଜସ୍ଥାନ ପତ୍ର ଓ ଶିଖାଳକ୍ଷମ
ବାହୁଦାନ କଣ୍ଠାପଟ୍ଟିଲା।

ମୁଖ ହାତିଲି ପ୍ର. ର. ଦେଖିଲାଏ, ପ୍ରିସ୍କୁଳ
ଓ ଅଧ୍ୟାତ୍ମ, ଉଚ୍ଚ ଉଚ୍ଚ ଶିଖିମ ପ୍ର. ରି. ଓ
ଜାଗତିକ ପରିଚାରକା ସଂସ୍ଥାନ,
ଆହୁଦାତାରଙ୍ଗ ପୂର୍ଣ୍ଣମ ପ୍ରଦେଶରେ କୃତା



ଭାବରେ ଦେଖୁ କାନ୍ଦାର ବାନ୍ଦାଧାନ କାହିଁ ପୂର୍ଣ୍ଣ
ଦିଲା ଓ ମନସ୍ତବ୍ଦିକୁ ପ୍ରେସରି କରିଛି ।
ଏହାର ଆଖି ଦୁଇପଦ୍ମ ଉଦ୍‌ଯୋଗିତା ଶିଥାରେ
ନନ୍ଦବୁଦ୍ଧନ ପଥରେ ଆଶ୍ରମଜାର କରିଲା କାହିଁ
ଏହା କାହିଁ କାଳିତ୍ୟେତ୍ତର / ଦାଳଚିତ୍ତକୁଳ
ସର୍ଜନଙ୍କ ନିଷ୍ଠ ଅନୁଭୂତ ଜୀବାର୍ଥିବା । ପ୍ର. ଡ.

ହରିବାବ୍ଦ ପତ୍ରିଦେବି,
ନିର୍ବେଶ କେମନାଳ,
ଆଯଥାମେଖ ଏମ
କୁଟୀହାଲ୍ ଲୁ ।
ପଥାରେଳ ସମାଜକ
ନିଧିରେ ଉଦ୍ଧିଷ୍ଠାନ
ବର୍ତ୍ତିଶ୍ଵର୍ବନ୍ଦ ପତ୍ର
ନ୍ୟାନକମୋଡ ଭାର୍ତ୍ତିର
ନିର୍ବେଶ ପ୍ର. ବାପକ
କୁମାର ଶୁଭାପ୍ରକାଶ,
ଉଦ୍ଧିଷ୍ଠାନ ପୁଣ୍ୟମୂଳ୍ୟର
ପତ୍ର ଚେତନାକୋରି

ଇଡ଼ିଆଇଆଇ ପକ୍ଷରୁ ଉଦେୟାଗ ଉପରେ ୧୭ତମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ବିଳନୀ ଆୟୋଜନ

ଅହମଦାବାଦ: ଭାରତୀୟ ଉଦେୟାଗ ବିକାଶ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ, ଅହମଦାବାଦରେ ୧୭ତମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ବିଳନୀ (ଚିନି ଦିନିଆ) ୨୭ ଫେବୃଆରୀ ୦୮ ରୁ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର କ୍ୟାମସରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହେଉଛି । ଉଦେୟାଗ ଉପରେ ଚିନିଦିନିଆ ସମ୍ବିଳନୀ ଫେବୃଆରୀ ୨୮ରେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହେବ । ଏଥିରେ ବିଜିନ୍, ଗବେଷକ, ଶିକ୍ଷାବିତ ଓ ବୃତ୍ତିଧାରୀମାନେ ଯୋଗ ଦେଇ ଉଦେୟାଗ ବିକାଶ ଉପରେ ଗବେଷଣା ଅଧ୍ୟୟନ ଓ ନିଷ୍ଠା ବାବରେ ଉଦେୟାଗରେ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନରେ ୧୯୯୪ ଠାରୁ ଉଦେୟାଗାଙ୍କ ଉପରେ ଆୟୋଜନ କରିଥାଏଇଛି । ଏହି ସମ୍ବିଳନୀରେ ଉଦେୟାଗିତାର ଗୁରୁତ୍ୱ ଓ ଅଭ୍ୟାସ, ଶିକ୍ଷା, ଜଳୋସିଷ୍ଟମ, ମନ୍ତ୍ରବ୍ୟାପକ, ଏମ୍ବେଲିମର ଉଦେୟାଗିତା, ପ୍ରୟୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା, ଚିକିତ୍ସାକ, ଆର୍ଟଅପ ଚଥା ନବସୁଜନ, ସବୁତ ଓ ସ୍କ୍ଵାଯା ଉଦେୟାଗ, ପରିବାର ବ୍ୟବସାୟ ଉପରେ ୯ ଟିକୁ ଅଧିକ ଦେଶର ବିଦ୍ୟାନଳ ଦ୍ୱାରା ୧୮୪ଟି ଗବେଷଣା ପତ୍ର ଓ ଅଧ୍ୟୟନ ଉପସ୍ଥାପନା କରାଯାଇଥିଲା । ସମାବେଶକୁ ସମ୍ମୋହିତ କରି ଉଦେୟାଗାଙ୍କ ମହା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଡ. ସୁନାଳ ଶୁକ୍ଳ କହିଥିଲେ ଯେ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ବିଳନୀ କ୍ରମାଗତ ଭାବରେ ବିଶ୍ୱବ୍ୟାପା ଗବେଷକ ଓ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କ ଚିନ୍ତାଧାରା ଓ ନବସୁଜନ ବାବରେ ପାଇଁ ଏକ ମାତ୍ର ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିଛି ଯାହା ଉଦେୟାଗାଙ୍କ ପାଇଁ ବିଶେଷ ଗୁରୁତ୍ୱରେ ।

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

Ahmedabad: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists,

and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries.

Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship.

ଲକ୍ଷିଆଇଆଇ ପକ୍ଷର ଉଦ୍ୟୋଗ ଉପରେ ୧୨୭ମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷକ ସମ୍ମିଳନୀୟ ଆୟୋଜନ

ଅହମାବାଦୀ ରାଷ୍ଟ୍ରାଯ ରଦ୍ୟେ
ବିକାଶ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ, ଅହମାବାଦର
୧୯୭୩ ମୁଦ୍ରଣର ଫଳିତନା (ତିନୀ
ଦିନିଆ) ୨୭ ଫେବୃଆରୀ ୦୩୩
ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର କ୍ୟାମସରେ ଅନୁସିଦ୍ଧ
ହେଲେଛି। ଉତ୍ସାହ ଉପରେ ତିନିଦିନିଆ
ଫଳିତନା ଫେବୃଆରୀ ୨୮ ରା ସମାପ୍ତ
ହେବା। ଏହିରେ ବିଜ୍ଞାନ ଉଦ୍‌ଦେଶ୍ୟ,
ଜୀବବିଜ୍ଞାନ ଓ ଦୂରଧ୍ୟବାସନର ଯେଉଁ
ଦେଇ ଉତ୍ସାହ ବିକାଶ ଉପରେ
ଜଗବିଷ୍ଣା ଅଧ୍ୟୟାତ୍ମନ ଓ ନିଷ୍ଠାର୍
ବାଚିବାରେ ଉଚ୍ଚିଆକାଶାଳ
ୟୁଗପର୍ମାନରେ ୧୯୯୪ ଠାରୁ
ଉଦ୍‌ବେଦ୍ୟାଗାଲ ଉପରେ ଆଲୋକି

ଆମୋହନ କରିଥାଏଇ । ଏହି ଜୀବନକାରେ
କରେଥାରିତାର କରନ୍ତୁ ଏ ଅଭାସ, ଶିଆ,



ଦୟାରୀତା, ପ୍ରସ୍ତୁତିବିଦ୍ୟା, ଚିକିତ୍ସା, ଶୈସମ୍ବନ୍ଧ ରଥ ନବସ୍ଥଳନ, ସବୁ ଏ ପ୍ରୟାୟ ଜହେୟାଶ, ପରିବାର ବ୍ୟକ୍ତିଗାୟା ଜପରେ ୯ଟିକୁ ଅଧିକ ଦେଖଇ ବିଦ୍ୟାଲୟ ଦ୍ୱାରା ୧୮୪୮ ରବେଶରେ ପଢ଼ି ଏ ଅଧ୍ୟୟାତ୍ମନ ଜପସ୍ଥାପନା କରାଯାଇଛି । ଏମାତ୍ରବେଳେ ଅମ୍ବାଲିକ କରି ଉପିଅରଣୀର ମଧ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ତ, ସୁନାର ଶୂରୁ କରିରିଲେ ଯେ ଦ୍ୱାରାଜୀନ ଜାଗିନା କ୍ରମରେ ଗାହରେ ବିଶ୍ୱାସ୍ୟା ରବେଶର ଓ ଶିକ୍ଷାଗାଳକୁ ସେମାନଙ୍କ ବିଦ୍ୟାର ଏ ନବସ୍ଥଳନ ବାହିବା ପାଇଁ ଏକ ମାତ୍ର ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବା ଜହେୟାଙ୍କ ପାଇଁ ବିଶେଷ କାର୍ଯ୍ୟରେ ।

**PUBLICATION NAME :
EDITION :**

OEBN
Ahmedabad

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

Ahmedabad: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and

practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII



has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and

studies by scholars from more than 9 countries. Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship.

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

Ahmedabad: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries. Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship.

ଇତିଆଜାଇ ପକ୍ଷରୁ ଉଦ୍‌ୟାଗ ଉପରେ
୧୭୭୮ ଦ୍ୱାରା ସମ୍ବଲନୀ ଆୟୋଜନ

ଅଭିନବକାର : ପାଇଁଦୀର୍ଘ ରହେଇଥିବା
ଦିଲାଖ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ, ଅଭିନବକାରଙ୍ଗେ
୧ ହଜାର ଟିକାର୍କଳ ସମ୍ପଦନା (ତିନି
ଦିଲାଖ) ୨୭ ଫେବୃଆରୀ ୦୩୩
ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର କ୍ୟାମପରିବେ
ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହେଉଛି ।

ଭାବେୟାଙ୍କ ଉପରେ
ଦୁଇପିନ୍ଧିଆ ଦେଖିଲନା
ଫେରୁଆରୀ ୨୮ ତେ
ଅମ୍ବପୁ ହେବ । ଏଥିରେ
ଚିତ୍ତିନ୍ଦ ଉବେଷକ,
ଶିଖାଦିତ ୩
ଦୂରିଧାରାକାନେ ଯୋଗ
ହେବ ଉଦ୍ଦେଶ ଦିବାରୁ

ଭାବରେ ମନେଷଙ୍କ ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଓ
ନିଃସ୍ଵର୍ଗ ଜୀବନରେ ଉଦ୍‌ଦିଇଲାଗ
ପୁଣ୍ୟଶର୍ମରେ ୧୯୫୪ ଠାରୁ
ଭାବେଶ୍ୱର ଜୀବରେ ଆମ୍ବାଚିନୀ
ଆମ୍ବାଚିନୀ ଉଦ୍‌ଦିଇଲାଗି ।

ଏହି ପରିଜନଙ୍କେ ଜନ୍ମସାମିତାର
ସୁରୂଳ ଓ ଅଭ୍ୟାସ, ଶିକ୍ଷା,
ଘନେପିଷ୍ଠମ, ମନ୍ଦବ୍ଲୟ,
ଏମାସାମାନିକ ଭବେୟାଗିଚା,
ପ୍ରୁଣ୍ଣିବିଦ୍ୟା, ଉଚ୍ଚିଚାର, ଆର୍ଥିଅପ
ତଥା ନିଃସ୍ଵରୂପ, ସବୁତ ଓ ପ୍ରାଣ
ଜନ୍ମୋପ, ପଚିବାକା କାନ୍ଧବସାମ୍ବ
ଭପରେ ୧୯୭୫ ଅଧିକ ଦେଖଇ
ବିଦ୍ୟାନିକ ଦ୍ୱାରା ୧୮୪୮
ବବେଶଣା ପଢ଼ ଓ ଅଧ୍ୟୟତ୍ନ
ପଢ଼ସାମନ କବାପାଇଲିବା ।

ମୁଖ୍ୟ ଅଧିକାରୀ ପ୍ର. କୁ. କିଳି ପାତ୍ର,



ପୁଣିଷାତ ଏ ଅଧ୍ୟାତ୍ମ, ଦେଖି ରାଜ
ନାହିଁ ସିକ୍ଷମ ପ୍ରା. ମୀ. ଏ ଲାଗାଯ
ପରିଚାଳନା ସଂସ୍କାର,
ଆହମଦାକାବର ପୁର୍ବତତ

A photograph of two men standing in front of a white backdrop for the "Entrepreneur Development Institute of India". The man on the left is wearing a dark suit and tie, and the man on the right is wearing a light-colored shirt and vest. Both are holding small purple brochures or pamphlets. The backdrop features the institute's name and the text "16th JOURNAL CONFERENCE on ENTREPRENEURSHIP".

ବୀଜନୀ କୁମାରତ ଭାବରେ
ଶ୍ରଦ୍ଧାପା ଗନ୍ଧିଷ୍ଠନ ଓ
ଶବ୍ଦମାନଙ୍କ ସେମାନଙ୍କ
ପାଥାରା ଓ ନନ୍ଦମୁଖ ବାଟିକା

ପାଇଁ ଏକ ମଂଦ
ସୁନ୍ଦର କରିଛି ଯାହା
ଭବେଧୀୟାଙ୍କ ପାଇଁ
ବିଶେଷ ଗୁରୁତ୍ୱରେ ।
ଏହାର ଆଖି ସବୁପା
ଭବେଧୀୟା ଶିଖାରେ
ନିବୃତ୍ତି ଉପରେ
ଆମୋଡନା କରିବା
କାହିଁ ଏକ କାରଣ
ହାତେ ସେ କିମ୍ବା

ପାଇଗେବୁଝଙ୍କ ସମୀନୀ ମଧ୍ୟ
ନୁହିଛି ହେଉଥିଲା । ପୁ. କ.
ତିବାଳ ଦର୍ତ୍ତବେଳି, ତିର୍କଷକ
ଜନୋହାଳ, ଆମାରାଏ ଏକାଏମ

ପ୍ରାଚୀନକିମାଳକ
ଧ୍ୟାନ ଗଣିଆନ ଉନିଷିଦ୍ଧୀତ
ଏ ମାନେହମୋହ ଜୀବିତ
ଦେଖଇ ପ୍ର. ବାପବ କୁମାର

କାହାପଦ, ଉତ୍ତରାଜ୍ୟ
ନିଷିଦ୍ଧିତୁମ୍ଭ ଅପ
କଳମିଲାପି ଗାନ୍ଧିନାନାନ
. ଉତ୍ତରମନୀ, ଗାନ୍ଧି

ଭବିତ୍ବାଳକ ପକ୍ଷରୁ ଉଦ୍‌ସେବା ଉପରେ ୧୭ତମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ମିଳନୀ ଆୟୋଜନ

ଆହୁମଦାବାଦ: ଭାରତୀୟ ଉଦ୍‌ସେବା ବିକଳଣ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ, ଅହମଦାବାଦରେ ୧୭ତମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ମିଳନୀ (ଚିନ୍ମିତିଆ) ୨୩ ଫେବୃଆରୀ ତାରୁ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ଭ୍ୟାପନରେ ଅନୁସ୍ଥିତ ହେବାକି। ଉଦ୍‌ସେବା ଉପରେ ଚିନ୍ମିତିଆ ସମ୍ମିଳନୀ ଫେବୃଆରୀ ୨୮ ରେ ସମାପ୍ତ ହେବା । ଏହିରେ ବିଭିନ୍ନ ଗବେଷକ, ଶିକ୍ଷାବିତ ଓ କୃତ୍ୟାଗାରୀମାନେ ଯୋଗ ଦେଇ ଉଦ୍‌ସେବା ବିଜ୍ଞାନ ଉପରେ ଗବେଷଣା ଅଧ୍ୟୟନ ଓ ନିଷ୍ଠର୍ତ୍ତ ବାଂଦୀବାରେ ଭବିତ୍ବାଳକ ପ୍ଲାଟଫର୍ମରେ ୧୯୯୪ ତାରୁ ଉଦ୍‌ସେବାଙ୍କ ଉପରେ ଆଶୋଚନ ଆୟୋଜନ କରିଥାଏସୁଛି । ଏହି ସମ୍ମିଳନୀରେ ଉଦ୍‌ସେବିତାର ସୁରୁତ୍ୱରେ



ଓ ଅନ୍ୟାୟ, ଶିକ୍ଷା, ଉଦ୍‌ସେବନ, ମନ୍ଦିର, ଏମାରିଟାନା ଉଦ୍‌ସେବିତା, ପ୍ରସ୍ତୁତିବିଦ୍ୟା, ତିବିଶଳ, ଆର୍ଥିକ ତଥା ନବସୂଚନ, ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବ୍ୟବସାୟ ଉପରେ ୧୬ତମ ଅଧିକ ଦେଶର ବିଦ୍ୟାନିକ ଦ୍ୱାରା ୧୮୪ଟି ଗବେଷଣା ପତ୍ର ଓ ଅଧ୍ୟୟନ ଉପସ୍ଥାପନା କରାଯାଇଥିଲା । ସମାବେଶକୁ ସମୋହିତ କରି ଭବିତ୍ବାଳକାଙ୍କା ମହା ନିର୍ବଚେତନା ତ, ସୁନାକ ଶୁକ୍ଳ ବହିପିଲେ ଯେ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ମିଳନୀ କୁମାରତ ଜୀବରେ ବିଶ୍ୱବ୍ୟାପୀ ଗବେଷକ ଓ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ସେମାନଙ୍କ ବିଭାଧାରା ଓ ନବସୂଚନ ବାଂଦୀବା ପାଇଁ ଏକ ମାତ୍ର ସୁରୁତ୍ୱ କରିଛି ଯାହା ଉଦ୍‌ସେବାଙ୍କ ପାଇଁ ବିଶେଷ ସୁରୁତ୍ୱର୍ଥୀ ।

ପ୍ରକାଶକ: ପାତ୍ରମାନ ପଦବୀର
ଦିବସ ପ୍ରକାଶ, ପ୍ରକାଶନକାରୀ
ଏତିଥାର ଦିବ୍ୟାର ସହିତା (ଟିଟି
ଟିଚିଆ) ୨୫ ଫେବୃଆରୀ ଠାରୁ
ପ୍ରକାଶକର ବ୍ୟାପକରେ ଉତ୍ସବିତ
ହେବାକି । ପଦବୀର କମିଶନ
ଟିଚିଆରିଆ ସହିତା ଫେବୃଆରୀ
୨୫ ରେ ମହାପୁରୁଷ ହେବା । ଏହିକେ
ଟିଚିଆ ପଦବୀର ଶିକ୍ଷାରୀଙ୍କ ଓ
ଦୁର୍ଗତିଧାରୀଙ୍କ ଯୋଗ ଦେଖି
ପଦବୀର ଦୟାକାଳ ପଦବୀର ପଦବୀରଙ୍କ
ଅନୁଭବ ଓ ଦେଖିବାରୀଙ୍କରିବାରେ



ନେହିତ ହେବାକ ବ୍ୟାଧିର ଦ୍ୱାରା
୫୪୮୭ ପଦବେଳୀ ପରୁ ଏଥିର
ଯେତେବେଳେ ହେବାକରେଣ୍ଡା
ବ୍ୟାଧିରେଣ୍ଡା । ସମାଜେରେ
ଯେତେବେଳେ ହେବାକରେଣ୍ଡା
ନାହିଁ କିମ୍ବା ଉଚ୍ଚ ଲୋକଙ୍କରେ
ଯେ ଦ୍ୱାରାକିମ୍ବା କିମ୍ବା କୁଳଙ୍କରେ
ଆବଶ୍ୟକ ବ୍ୟାଧିରେଣ୍ଡା
ପଦବେଳୀ ଏଥିର
ଯେତେବେଳେ ହେବାକରେଣ୍ଡା
ବ୍ୟାଧିରେଣ୍ଡା ।

**PUBLICATION NAME :
EDITION :**

Azad Sipahi
Ahmedabad

इडीआइआइ का उद्यमिता पर सम्मेलन

आजाद सिंहाही संवाददाता

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का 16वाँ द्विवर्षीय सम्मेलन (तीन दिवसीय) 26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' पर आधारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ताओं के लिए एक मंच है, ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। इडीआइआइ 1994 से उद्यमिता पर द्विवर्षीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

सम्मेलन के दौरान 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा उद्यमिता विद्वान और अवकाश; उद्यमिता शिक्षा; उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता; एण्टरप्राइज उद्यमिता; प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता; स्टार्टअप और नवाचार; हरित और स्थायी उद्यमिता; सामाजिक उद्यमिता; संस्कृति, परंपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता; महिला उद्यमिता; ग्रामीण उद्यमिता एवं नवजात उद्यमिता और नवे उद्यम नियांण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किये गये।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य



अधिकारी, प्रोफेसर (डॉ) टीवी राय, पाठान्डडर और चेयरमैन, टीवी राय लॉर्सिंग सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद और भारतीय प्रबोधन संस्थान, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया। उक्तोंने कहा कि आज की गविराल उद्यमिता किकास का व्यावसायिक उन्नति को बढ़ाने के लिए उद्यमिता विकास महत्वपूर्ण है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, इडीआइआइ ने कहा कि द्विवर्षीक सम्मेलन लगातार दुनिका भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की अटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। अग्रणी शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक साथ लाकर, यह मंच शोध निष्कर्ष के प्रसार को सुगम बनाता है। नए दृष्टिकोणों को बढ़ावा देता है और उद्यमशीलता के भविष्य को आकर देता है।

सम्मेलन के भविष्य को आकर देता है। इस प्रकार इच्छुक उद्यमितों को सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान के साथ सहकृत बनाता है।

सम्मेलन के भाग के रूप उद्यमिता शिक्षा में नवाचारों पर चर्चा करने के लिए वाइस चांसलर/डायरेक्टर कांक्लेयर भी आयोजित किया गया। देश भर के विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व किया गया, जिसका संचालन प्रोफेसर (डॉ) लरिवेश चतुर्वेदी, डायरेक्टर जनरल, अईआईएलएम दिल्ली, नई दिल्ली ने किया। पैनलिटर में प्रोफेसर (डॉ) चैपक कुमार श्रीवास्तव, डायरेक्टर, भारतीय प्रबोधन संस्कृत रायी; प्रोफेसर (डॉ) रजत मुना, डायरेक्टर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर; प्रोफेसर (डॉ) राजुल के गन्जर, वाइस चांसलर, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद; प्रोफेसर (डॉ) रवि पी सिंह, प्रोवोक्ट, अदानी यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद; और प्रोफेसर (डॉ) समीर सूद, डायरेक्टर, नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर शामिल थे। सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण आयोजन डॉक्टोरल कौलोविक्यम था, जहां देश भर के पीएचडी विद्वानों और एकपीएम छात्रों को उनके शोध कार्य पर मार्गदर्शन दिया गया।

ଲିଟିଆଇଆଇ ପକ୍ଷରୁ ୧୭୭ମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ମିଳନୀ

ମୁଦ୍ରଣ ତାରିଖ, ୨୨୧୯

ଲାଭଚାରୀ ଉଦ୍ୟୋଗ ବିଭାଗ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ (ଲିଟିଆଇଆଇ)ର ବ୍ୟାପକ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ କର୍ତ୍ତାଙ୍କା ଓପା ଏହିମା ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ମିଳନୀ ବ୍ୟାବହାରିତାରୁ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ଅନୁମତାବାଦ ଜ୍ୟାମିତିରେ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ହେଲାଛି। ଏପରିବ୍ରାନ୍ତ ଉଦ୍ୟୋଗ ଉପରେ ବିଜିତିନା ସମ୍ମିଳନୀ ୨୦୨୫ ଫେବୃଆରୀ ୨୮ରେ ଦେଶୀୟ ଉପରେ ହେବା। ଏହିରେ ବିଭିନ୍ନ ଗବେଷକ, ଶିକ୍ଷାବିଦୀ ଓ ବୃଜିଧାୟୀମାନେ ଯୋଗ ଦେଇ ଉଦ୍ୟୋଗ ବିଭାଗ ଉପରେ ଗବେଷଣା ଅଧ୍ୟୟନ ଓ ନିର୍ମାଣ ବିଭାଗରେ ସହାଯକ ହେବ ଏବଂ ଲିଟିଆଇଆଇ ବ୍ୟାବହାରିତ ଏହି ଅଧ୍ୟୟନରେ ୧୯୯୪୦ରୁ ଉଦ୍ୟୋଗାବ୍ଳେ ଉପରେ ଆନ୍ଦୋଳନ ଆରୋଜନ କରିଥାଏଇଛି। ଏହି ସମ୍ମିଳନରେ ଉଦ୍ୟୋଗିତାର ବ୍ୟାବହାର ଓ ଅଭ୍ୟାସ, ଶିକ୍ଷା, ଉଦ୍ୟୋଗିତା, ମନ୍ଦ୍ରମାନ, ଏମ୍ବେବନଗର ଉଦ୍ୟୋଗିତା, ପ୍ରସ୍ତରିକାର୍ଯ୍ୟ, ଡିଜିଟଲ, ଆର୍ଟିଅପ ଓ ପାଇଁ ନବ୍ୟତା, ସବୁକ ଓ ଲୁହା ଉଦ୍ୟୋଗ,



ଉଦ୍ୟୋଗର ଅବସରରେ ନିମନ୍ତିତ ଅଭିଯୁକ୍ତ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଜ୍ୟାମିତି ଅଛି।

ପ୍ରତିକାଳ ବ୍ୟାବହାର ଉପରେ ୧୯୭୨ ଅଧିକ ଦେଖର ବିହାରକ ବ୍ୟାବହାର ଏବଂ ୧୯୮୮ କବେଷଣା ପକ୍ରତ୍ତ ଓ ଅଧ୍ୟୟନ ଉପରୁପାନ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ଅବସରରେ ମୁଖ୍ୟ ଅଭିଯୁକ୍ତ ପ୍ର. କ୍ରୀ. ରାତ୍ନ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଓ ଅଧ୍ୟୟନ, ରାତ୍ନ ରାତ୍ନ ନାନ୍ଦ ପିତ୍ତମ ପ୍ରା. ଶ୍ରୀ. ଏ ଉଦ୍ୟୋଗ ପରିଷଦମାନ ଦ୍ୟାମ୍ବାନ, ଅନୁମତାବାଦର ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ହୁଏ ଉଦ୍ୟୋଗର କରାଯାଇଥିଲା। ଏପରିବ୍ରାନ୍ତ ଯେ କରିଥିଲେ, ଆହିଏ ପ୍ରୁଣଗିରିତେ ଅନ୍ତିମାବ୍ଦୀ ପରିବର୍ତ୍ତନ ସହ ବାନ୍ଧିବ ପାଇଁ ଏବଂ ମାତ୍ର ପ୍ରମୁଖ କରିଛି

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

Ahmedabad: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries. Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship.

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

Ahmedabad: The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced on February 26th at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude on February 28. The conference is a platform to researchers, educationists, and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994. During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries. Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship.

PUBLICATION NAME :

Desabratा

ଇଡ଼ିଆଇଆର ପକ୍ଷରୁ ଉଦୟୋଗ ଉପରେ ୧୬ତମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ସମ୍ମିଳନୀ ଆୟୋଜନ

ଅହମଦାବାଦ:
କାରଚାଯ ଉଦୟୋଗ
ବିକାଶ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ,
ଅହମଦାବାଦରେ
୧୬ତମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ
ସମ୍ମିଳନୀ (ଚିନି
ଦିନିଆ) ୨୭
ଫେବୃଆରୀ ୦୧ରୁ
ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ବ୍ୟାଖ୍ୟାନରେ
ଅନୁଷ୍ଠାତ ହେଲାଛି।

ଉଦୟୋଗ ଉପରେ

ଚିନିଦିନିଆ ସମ୍ମିଳନା ଫେବୃଆରୀ
୨୮ରେ ସମାପ୍ତ ହେବା। ଏଥିରେ
ବିଭିନ୍ନ ଗବେଷକ, ଶିକ୍ଷାବିଦୀ ଓ
ବୃତ୍ତିଧାରୀମାନେ ଯୋଗ ଦେଇ
ଉଦୟୋଗ ବିକାଶ ଉପରେ ଗବେଷଣା
ଅଧ୍ୟୟନ ଓ ନିଷ୍ଠାର୍ଥ ବାଂଚିବାରେ
ଉଚିତ୍ତାବିଶ୍ଵାସ ପ୍ଲାଟଫର୍ମରେ ୧୯୯୪
୦୧ରୁ ଉଦୟୋଗୀଙ୍କ ଉପରେ
ଆଗୋଚନା ଆୟୋଜନ କରିଆଯାଇଛି।
ଏହି ସମ୍ମିଳନୀରେ ଉଦୟୋଗିତାର
ଗୁରୁତ୍ୱ ଓ ଅଭ୍ୟାସ, ଶିକ୍ଷା,
ଜନୋସିଷ୍ଟମ, ମନସ୍ତବ୍ଦ,
ଏମ୍‌ଏସ୍‌ଏମ୍‌ଲ୍ ଉଦୟୋଗିତା,
ପ୍ରସ୍ତୁତିବିଦ୍ୟା, ଡିଜିଟାଲ, ଆର୍ଟ୍‌ଆପ



ତଥା ନବୟୁଜନ, ସବୁତ ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ଉଦୟୋଗ, ପରିବାର ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଉପରେ
୧୬ତମ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ ବେଶ୍ୱର ବିଭାଗଙ୍କ ଦ୍ୱାରା
୧୮୪ଟି ଗବେଷଣା ପତ୍ର ଓ ଅଧ୍ୟୟନ
ଉପସ୍ଥାପନା କରାଯାଇଥିବା।
ସମାବେଶକୁ ସମ୍ମାନିତ କରି
ଉଚିତ୍ତାବିଶ୍ଵାସ ମହା ନିର୍ବଚନ ଉ.
ସୁନାଳ ଶୁକ୍ଲ କହିଥିଲେ ଯେ ଦ୍ୱିବାର୍ଷିକ
ସମ୍ମିଳନୀ କ୍ରମାଗତ ଭାବରେ ବିଶ୍ଵବ୍ୟାପୀ
ଗବେଷକ ଓ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କ ସେମାନଙ୍କ
ବିଜାଧାରା ଓ ନବୟୁଜନ ବାଂଚିବା ପାଇଁ
ଏକ ମଂଚ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିଛି ଯାହା
ଉଦୟୋଗୀଙ୍କ ପାଇଁ ବିଜେନ୍ଦ୍ର ବୁଦ୍ଧପୂର୍ଣ୍ଣ।

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर सम्मेलन आयोजित

भागल | भारतीय उद्यमिता विकास सम्बान्, अहमदाबाद का 16वां द्विवर्षीय सम्मेलन (3-दिवसीय) 26 फरवरी को लखनऊ के परिसर में शुरू हुआ। 'उद्यमिता' परआधित तीन दिवसीय सम्मेलन 26 फरवरी को समाप्त हुआ। वह सम्मेलन शोपकर्नांडी, शिल्पविदी और अभ्यासकारी के लिए एक मौका है जिसके द्वारा विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने जीव अध्ययन और निकाली जाना कर सकें। इडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवर्षीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अधिकारी प्रोफेसर (डॉ.) टी.री. रघु, प्राइन्डर और वैष्णवीन, टी. वी. राह लर्निंग सिस्टम्स इंजिनियरिंग, अहमदाबाद और भारतीय प्रबन्ध सम्बान्, अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर द्वारा किया गया।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Dainik Chatarpur Times
Ahmedabad
02/03/2025
06

ईडीआईआई द्वारा उद्यमिता पर 16वाँ द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

अहमदाबाद। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,
अहमदाबाद का 16वाँ द्विवार्षिक सम्मेलन (3-दिवसीय)
26 फरवरी को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता
पर अध्यारित तीन दिवसीय सम्मेलन 28 फरवरी को
समाप्त होगा। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षणियों और
अन्यायकर्ता के लिए एक भव दें ताकि वे उद्यमिता विकास
के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्ठावर्व साझा
कर सकें। ईडीआईआई 1994 से उद्यमिता पर द्विवार्षिक
सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन के दौरान, 9 से
अधिक देशों के विद्यार्थी द्वारा उद्यमिता सिद्धांत और
व्यवहार, उद्यमिता शिक्षा उद्यमिता परिवर्तनकोशी
तंत्र, मनोविज्ञान और उद्यमिता एवं सामुदायिक उद्यमिता
प्रौद्योगिकी और डिजिटल उद्यमिता स्टार्टअप और नयाचार
हरित और स्थायी उद्यमिता, समाजिक उद्यमिता संस्कृति,
परपरा और मूल्य आधारित उद्यमिता भौतिक उद्यमिता
शामीण उद्यमिता एवं नक्काश उद्यमिता और नए उद्यम
निर्माण और पारिवारिक व्यवसाय के विषयों पर 148 शोध
पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

PUBLICATION NAME :
EDITION :
DATE :
PAGE :

Shah Times
Dehradun
02/03/2025
07

ईडीआईआई का उद्यमिता पर 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन आयोजित

शाह टाइम्स संबाददाता

देहरादून। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद का तीन दिवसीय 16वां द्विवार्षिक सम्मेलन का समापन हो गया है। यह सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ता के लिए एक मंच है ताकि वे उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययन और निष्कर्ष साझा कर सकें। सम्मेलन के दौरान, 9 से अधिक देशों के विद्वानों द्वारा 148 शोध पत्र और अध्ययन प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, एट्रिवार्षिक सम्मेलन लगातार दुनिया भर के शोधकर्ताओं और शिक्षकों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपने विचारों और नवाचारों को साझा कर सकें जो उद्यमिता की जटिलताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

উদ্যমিতাৰ ১৬ সংখ্যক দ্বিৰাখিক সন্ধিলন আয়োজন ইতিআইআইব

গুৱাহাটী, ৩ মাৰ্চট আহমেদবাদৰ এণ্ট্ৰাপ্রিনিউৰশিপ ডেভেলপমেন্ট ইন্ডিপিউট অৰ ইণ্ডিয়াই ২৬য়েকুৱাৰীৰ পৰা প্ৰতিষ্ঠানটোৰ চৌহদত আৰম্ভ কৰিছে ১৬ সংখ্যক দ্বিৰাখিক সন্ধিলন। সন্ধিলনখন উদ্বোধন কৰে মুখ্য অতিথি, আহমেদবাদৰ টি ভি ৰাও লালিং চিন্টেমছ প্ৰাইভেট লিমিটেডৰ প্ৰতিষ্ঠাপক তথা অধ্যক্ষ, আহমেদবাদৰ ইণ্ডিয়াই ইন্ডিপিউট অৰ মেনেজমেন্টৰ প্রান্তৰ অধ্যাপক ড° টি ভি ৰাওৰে। উদ্বোধনী অনুষ্ঠানত ভাষণ দি তেওঁ কৰয়, 'ক্রতগতিত আগবঢ়িৰ ধৰা অৰ্থনীতিত অৰ্থনৈতিক বিকাশ আৰু পেছাদাৰী উন্নতিৰ বাবে উদ্যমিতাৰ বিকাশ অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ। মই বিশ্বাস কৰোঁ যে উদ্যোগীৰ বৰণ এটা মিছন, এক শক্তিশালী শক্তি য'ত ব্যক্তিসকলে বাজুৰ জগতৰ সমস্যা সমাধানৰ বাবে প্ৰযুক্তি আৰু উন্নৰণৰ সহায় লয়, সকলোৱে বাবে এক উন্নত ভবিষ্যত সৃষ্টি কৰে।' উপস্থিত সভাক উদ্বেশ্য ই তি আই আইব সঞ্চালক প্ৰধান ড° সুবীল ঘোষাই ভাষণ দি কৰয়, 'দ্বিৰাখিক সন্ধিলনে বিশ্বজুৰি গৱেষক আৰু শিক্ষাবিদসকলৰ বাবে উদ্যমিতাৰ জটিলতাসমূহ বোধগম্য হোৱাকৈ তেওঁলোকৰ ধাৰণা আৰু উন্নৰণসমূহ ভাগ-বৰ্তৰা কৰিবলৈ ধাৰাৰাহিকভাৱে এক মৰক প্ৰদান কৰি আহিছে। প্ৰতিনিধিত্ব কৰাৰ লগতে, আৰু ধৰে আই আই এল এম দিল্লীৰ সঞ্চালক প্ৰধান অধ্যাপক ড° হৰিবংশ চতুবেদীয়ে। ইয়াত পেনেলিটেন্সকলৰ ভিতৰত আঞ্চলিক ইণ্ডিয়াই ইন্ডিপিউট অৰ মেনেজমেন্ট বীচীৰ সঞ্চালক অধ্যাপক ড° দীপক কুমাৰ শ্ৰীবাস্তুৰ আগবঢ়িৰে আয়োজন কৰিবলৈ আহিছে।

ইণ্ডিয়াই ইন্ডিপিউট অৰ টেকনোজী গাঞ্জীনগৰৰ সঞ্চালক অধ্যাপক ড° ৰজত মুনা; আহমেদবাদৰ গুজৰাট টেকনোজীকেল ইণ্ডিপিউটিব উপাচাৰ্য অধ্যাপক ড° ৰাজুল কে গজুৱাৰ; আহমেদবাদৰ আদনী বিশ্ববিদ্যালয়ৰ অধ্যাপক ড° ৰবি পি সিং আৰু গাঞ্জীনগৰৰ নেচনেল ইণ্ডিপিউট অৰ ফেৰ্শন ট্ৰেকন'লজি'ৰ সঞ্চালক অধ্যাপক ড° সমীৰ সুন। সন্ধিলনৰ আন এটা গুৰুত্বপূৰ্ণ অনুষ্ঠান আছিল ডক্টৰেল কল'কিয়াম, য'ত দেশৰ বিভিন্ন প্ৰান্তৰ পৰা অহা পিএইচডি, কিমান আৰু এক পি এমৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলক তেওঁলোকৰ গৱেষণামূলক কাৰ্যত পৰামৰ্শ আগবঢ়িৰে আছিল।

PUBLICATION NAME :

EDITION :

DATE :

PAGE :

The Echo Of India

Kolkata

03/3/2025

11

EDII organizes 16th Biennial Conference on Entrepreneurship

EOI CORRESPONDENT

KOLKATA, MARCH 3/-/The 16th Biennial Conference (3-day) of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), Ahmedabad commenced at the Institute's campus. The three-day conference on 'Entrepreneurship' will conclude recently. The conference is a platform to researchers, educators, and practitioners to share their research studies and findings in different areas of entrepreneurship development. EDII has been organizing the Biennial Conference on Entrepreneurship, since 1994.

During the conference, 148 research papers and studies by scholars from more than 9 countries on the themes of Entrepreneurship Theory and Practice, Entrepreneurship Education, Entrepreneurship Ecosystem, Psychology and Entrepreneurship, MSME Entrepreneurship, Technology and Digital Entrepreneurship, Startup and Innovation, Green and Sustainable Entrepreneurship, Social Entrepreneurship, Culture, Tradition and Value-based Entrepreneurship, Women Entrepreneurship, Rural Entrepreneurship and Nascent Entrepreneurship and New venture Creation & Family Business, were presented.

The conference was inaugurated by Chief Guest, Prof (Dr.) T.V.Rao, Founder and Chairman, T. V. Rao Learning Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad & Former Professor of Indian Institute of Management, Ahmedabad. He stated, "In today's fast-paced economy, entrepreneurship development is crucial to driving economic growth and professional advancement. I believe entrepreneurship is a mission, a powerful force where individuals leverage technology and innovation to solve

real-world problems, creating a better future for all. Given the significance of the domain, it is important to undertake regular research and policy advocacy to impact entrepreneurship promotion. This is a unique platform. I am sure the conference revelations will lead to noticeable influence on entrepreneurship."

Addressing the gathering, Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII said, "The Biennial Conference consistently provides a platform for the researchers and educators worldwide, to share their ideas and innovations which are important for understanding the complexities of entrepreneurship. By bringing together leading researchers and educators, this forum facilitates dissemination of research

revelations, fostering new perspectives and shaping the future of entrepreneurial practice, thus empowering aspiring entrepreneurs with the knowledge they need to succeed."

As a part of the conference, a Vice Chancellors/Directors' Conclave was also held to discuss the innovations in Entrepreneurship Education. Universities from across the country were represented, moderated by Prof. (Dr.) Harivansh Chaurvedi, Director General, IIM Delhi, New Delhi. The panelists included Prof. (Dr.) Deepak Kumar Srivastava, Director, Indian Institute of Management Ranchi; Prof. (Dr.) Rajat Moona, Director, Indian Institute of Technology Gandhinagar; Prof. (Dr.) Rajul K. Gajjar, Vice-Chancellor, Gujarat Technological University, Ahmedabad; Prof. (Dr.) Ravip Singh, Provost, Adani University, Ahmedabad; and Prof. (Dr.) Sameer Sood, Director, National Institute of Fashion Technology, Gandhinagar.



**ELECTRONI
C**



<https://www.youtube.com/live/OGt-PM2SCgk>

